Page 11 खेल
हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित
देश Page 10

आईपीएल में राशिद खान के साथ पहली बार किसी कप्तान ने किया ऐसा

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 7,8000 अभ्यर्थियों नियुक्ति पत्र सौंपे

शुक्ल पक्ष, तैतिल, विक्रम संवत् 2082
• औरंगाबाद • सोमवार • 31 मार्च 2025 • वर्ष 27 • अंक 109 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 91,200	₹1,04,000

आज का इतिहास

1990 : देश के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को मरणोपरांत सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया।

2011 : पेरूवासियों ने येल विश्वविद्यालय द्वारा माचू पिचू से 100 साल पहले लिए गए 45000inca कलाकृतियों को पुनः प्राप्त किया, जो अंततः पेरू की गरिमा और गौरव की वापसी के अभियान में सफल रहा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में हुए शामिल, कहा

चीनी मिलों को फिर से करेंगे चालू

निज संवाददाता | पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। यहां उन्होंने 4 विभागों की 823 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम में 100 सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम भी बांटें। साथ ही गृहमंत्री ने मिथिला के लोगों को मखाना प्रोसेसिंग यूनिट का ऑनलाइन उद्घाटन किया। यहां से उन्होंने 7000 सहकारी समिति को संबोधित भी किया। सहकारिता विभाग के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि बीते 10 साल में मोदी सरकार ने देश के 60 करोड़ गरीब के लिए काम किया। मैं लालू यादव से पूछता हूं कि आपने गरीबों के लिए कुछ किया हो तो खाका लेकर आइए। लालू यादव ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। पीएम मोदी ने करीबों की मदद के लिए सहकारिता क्षेत्र में काम किया।

केंद्र ने बिहार के विकास के लिए 9 लाख 23 हजार करोड़ रुपये दिया

अमित शाह ने लालू प्रसाद ने पूछा कि आपने यूपीए सरकार में रहते हुए गरीबों के लिए क्या किया? यूपीए सरकार के दस साल के शासन में बिहार को 2 लाख 80 हजार करोड़ मिला, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बिहार के विकास के लिए 9 लाख 23 हजार करोड़ रुपये देने का काम किया। आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के विकास के लिए निरंतर काम

सहकारिता क्षेत्र का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि लालू यादव के शासन में विकास चौपट हुआ।

हमारी सरकार बनी तो बाढ़ मुक्त होगा बिहार

गृहमंत्री शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दजो काम कांग्रेस 65 सालों में नहीं कर पाई, वो मोदी सरकार ने 10 साल में किया है। एनडीए की पांच साल और सरकार बनाइए। अगर फिर से हमारी सरकार बनती है तो हम बिहार को बाढ़ से मुक्त करा देंगे।

हमने एक करोड़ 60 लाख घरों में पहुंचाया जल

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि हमने एक करोड़ 60 लाख घरों में जल पहुंचाया। डेढ़ करोड़ टॉयलेट बनाए। 9 करोड़ लोगों को हर महीने 5 किलो राशन दिया। 40 लाख घर बनाए। वहीं लालू राज ने क्या दिया- अपहरण, फिरौती, हत्या। इतने घोटाले किए, इन्हें शर्म नहीं आती। अलकतरा घोटाला, मिट्टी घोटाला। गौ माता का चारा भू लालू यादव ने खाया। लालू यादव ने बस एक ही काम किया, अपने परिवार को सेट करने का। उनके दोनों बेटे सीएम बनना चाहते हैं। बेटी को सांसद बनाया। पत्नी पूर्व सीएम हैं। दोनों साले भी मंत्री रहे, लेकिन उन्होंने युवाओं को सेट करने का कोई काम नहीं किया। ये काम मोदी सरकार ने किया।

सीएम नीतीश ने कार्यक्रम को किया संबोधित

कार्यक्रम के दौरान सीएम नीतीश ने कहा कि 2021 में भारत सरकार के द्वारा सहकारिता मंत्रालय के गठन के साथ ही इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। केंद्र के साथ मिलकर राज्य सरकार काम कर रही है। कार्यक्रम के दौरान सीएम नीतीश ने मंच से इशारा कर रवि शंकर प्रसाद को मंच पर बुलाया। दरअसल, रवि शंकर प्रसाद वीआईपी गैलरी में बैठे थे। सीएम की नजर जैसे ही उनपर पड़ी, उन्होंने इशारे से उन्हें मंच पर बुलाया।

चीनी मिले बंद हुईं। मैं जनता से कहने आया हूं कि फिर से एनडीए की सरकार बनाइए, हम चीनी मिलों को फिर से शुरू करेंगे।

गृहमंत्री शाह ने आगे लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद के शासन काल में अपहरण, हत्या, लूट और नरसंहार होता था। बिहार का नाम बदनाम हुआ। एनडीए की सरकार ने बिहार के विकास के लिए काम किया। बिहार में जंगलराज है अब ये नहीं कहा जा सकता। अमित शाह ने कहा कि अटल जी ने मैथिली भाषा को आठवीं सूची में लाया और मधुबनी पेंटिंग को जीआई टैग दिलाई। हमारी पार्टी की सरकारों ने बिहार की छठ पूजा को दूसरे राज्यों में आयोजित किया। हम लालू यादव से पूछना चाहते हैं कि 15 सालों तक लालू-राबड़ी की सरकार रही, मनमोहन सिंह की सरकार में लालू मंत्री रहे।

एलआईसी ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ की बैठक सम्पन्न, कई अहम मुद्दों पर चर्चा

- आरक्षण नीति एवं रोस्टर प्रणाली की समीक्षा
- कार्यालय सुविधाओं में सुधार

निज संवाददाता | पटना

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूर्व मध्य क्षेत्र ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, पटना एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग, भारत सरकार के माननीय अध्यक्ष के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक 28 मार्च 2025 को बिहार राज्य अतिथि गृह, पटना में आयोजित की गई। इस बैठक में एलआईसी के ओबीसी कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें आरक्षण नीति, रोस्टर प्रणाली, कार्यालय सुविधाओं में सुधार, पदोन्नति में बाधाएं और प्रशिक्षण के अवसरों को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के माननीय अध्यक्ष हंसराज अहीर ने की। उन्होंने ओबीसी कर्मचारियों के अधिकारों और उनकी समस्याओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारों को लागू करने की बात कही। बैठक के दौरान यह मुद्दा उठाया गया कि ओबीसी कर्मचारियों को उनके अधिकारों की सही जानकारी मिले और उन्हें कार्यालयों में उचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही, उनकी पदोन्नति में किसी प्रकार की बाधा न आए, इस पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में एलआईसी पूर्व मध्य क्षेत्र ओबीसी कर्मचारी कल्याण संघ, पटना के क्षेत्रीय महामंत्री चंद्र प्रकाश, उपाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद, संयुक्त सचिव राकेश कुमार, कार्यकारिणी समिति के सदस्य रंजन कुमार और ऑल इंडिया एलआईसी कर्मचारी महासंघ के महामंत्री अशोक कुमार सहित कई अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि ओबीसी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए आगे भी इसी तरह की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। यह बैठक ओबीसी कर्मचारियों के हितों को संरक्षित करने और उन्हें समान अवसर दिलाने की दिशा में एक अहम प्रयास साबित हुई।

रामेश्वरम में नए पंबन ब्रिज के उद्घाटन से पहले सफल परीक्षण

हाजीपुर (नि.सं.)। पंबन ब्रिज और रामेश्वरम में रेलवे, तटरक्षक, राज्य प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने 29 मार्च 2025 को नए पंबन ब्रिज के खुलने का पूर्वाभ्यास किया। तटरक्षक पोत को गुजरने की अनुमति देने के लिए शेर्ज़र स्पैन के साथ पुराने पंबन ब्रिज को भी खोलना पड़ा। इस पूर्वाभ्यास में समय को एक समान करने के लिए पुराने और नए पंबन ब्रिज को खोलना शामिल था, और तटरक्षक जहाज को नए पुल के खुले लिफ्ट स्पैन के नीचे दूसरी तरफ जाने की अनुमति देने के बाद, समय को मापने के लिए नए पुल के उठाए गए हिस्से को नीचे उतारा गया। नए पुल के लिफ्ट स्पैन को नीचे करने के बाद, समय की जांच करने के लिए पंबन छोर से मंडपम छोर तक और मंडपम छोर से पंबन छोर तक पंबन पुल के पार ट्रेन चलाई गई। अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला कि परीक्षण सफल रहे।

ईद मुबारक! ईद मुबारक!
एम.डी. नसीम अख्तर
मुखिया
ग्राम पंचायत - बेल
प्रखंड-ओबरा, जिला- औरंगाबाद

ईद मुबारक! ईद मुबारक!
तरक्की (N.G.O.)
राजा बबागीचा, रफीगंज, औरंगाबाद (बिहार)
मिनहाजुल एकराम फरोग
सचिव
तरक्की (N.G.O.)

चांद नजर आया ईद आज

पटना (नि.सं.)। बिहार की राजधानी पटना समेत देश के विभिन्न हिस्सों में रविवार को चांद दिखाई देने की पुष्टि हो गई, जिससे यह साफ हो गया कि आज (सोमवार) को ईद-उल-फित्र पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। चांद नजर आने के साथ ही मुस्लिम समुदाय में उत्साह का माहौल बन गया और मस्जिदों में विशेष तैयारियां शुरू हो गईं। इमारत-ए-शरीया (बिहार, झारखंड एवं ओडिशा) के काज़ी-ए-शरीयत मुफ्ती मोहम्मद अंजार आलम कासमी ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पटना सहित देश के विभिन्न हिस्सों में चांद देखे जाने की तस्दीक की गई है। इसके साथ ही रमजान का महीना पूरा हो गया और ईद मनाने का ऐलान कर दिया गया। रविवार शाम को जैसे ही चांद दिखने की खबर आई, मुस्लिम बहुल इलाकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना–800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

ईद–उल–फ़ित्र के पावन अवसर पर मैं सभी बिहारवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें देता हूँ।

खुशियों का यह त्योहार रमजान के मुबारक माह की समाप्ति के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। रोजेदार रमजान के महीने में रोज़ा रखते हैं और विशेष इबादत करते हैं। यह त्योहार आपसी प्रेम, मैत्री, करूणा और सद्भावना का संदेश देता है।

मेरी अपील है कि इस पर्व को शांति, सौहार्द एवं हर्षोल्लास के साथ मनायें।

मैं दुआ करता हूँ कि ईद–उल–फ़ित्र सब के जीवन में ढ़ेर सारी खुशियाँ लेकर आये।

(आरिफ मोहम्मद खां)

PR No.-022636 (Governor Secretariat)D. 2024-25

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

ओलम्पियाड में इंडियन सेंट्रल स्कूल के तीन छात्रों को किया पुरस्कृत

गया। शहर के एटी गेट स्थित इंडियन सेंट्रल स्कूल के पांचवीं के छात्र अंश राज ने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलम्पियाड में राज्य में छठा स्थान प्राप्त किया है। वहीं पहली कक्षा के आदित्य राज व दूसरी के आयुष को राज्य स्तर संयुक्त रूप से 22वां स्थान मिला है। तीनों को पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंडियन टैलेंट ओलम्पियाड के द्वारा किया गया। स्कूल के निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि बच्चों ने ना केवल विद्यालय बल्कि जिले का नाम भी रौशन किया है। उन्होंने इनके अभिभावकों को अंग वस्त्र व बूके देकर सम्मानित किया।

आयुर्वेद महाविद्यालय में 28 अप्रैल से राष्ट्रीय सेमिनार

गया। वजीरगंज प्रखंड के करजरा में संचालित स्वामी राघवेंद्राचार्य त्रिदंडी आयुर्वेद महाविद्यालय सह चिकित्सालय में 28 से 30 अप्रैल तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय शैक्षणिक सेमिनार का आयोजन होगा। सेमिनार का विषय "जीवनशैली से जुड़े विकार और उनका आयुर्वेदिक प्रबंधन'' हैं। इसी को लेकर आज श्री रामानुज मठ के श्री महंत और महाविद्यालय शासकीय निकाय के सचिव जगद्गुरु स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की, साथ ही उन्हें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आने का निमंत्रण दिया। राज्यपाल ने भी आने की स्वीकृति दी है। इसके बाद स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा से मुलाकात की। उन्हें भी कार्यक्रम में आने का न्योता दिया गया।

मेहंदी प्रतियोगिता : मुस्कान प्रथम तो द्वितीय स्थान पर रहीं सुमन

गया। शहर के मीर अबू सालेह रोड स्थित गुलनार निःशुल्क महिला सिलाई सेंटर में पाक माह रमजान पर आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में विजेता आठ प्रतिभागियों को शनिवार को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ.चंद्रतारा रहीं। प्रतियोगिता में मुस्कान कुमारी को प्रथम, सुमन कुमारी को द्वितीय व अंकिता कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं सोनी कुमारी, वर्षा कुमारी, नेहा कुमारी, निशा कुमारी और लाजो कुमारी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। बता दें कि यह प्रतियोगिता 27 मार्च को हुई थी, इसमें 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संचालन नंदनी कुमारी व खुशबू कुमारी ने किया। स्वागत भाषण पूनम कुमारी और आशा सिंह ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के संस्थापक सचिव नीरज कुमार ने किया। मौके पर अध्यापिका आशा कुमारी, नंदनी कुमारी, पूनम कुमारी और खुशबू कुमारी आदि मौजूद थीं।

मां दुर्गा का घरों में शुभ प्रवेश, आठ दिनों तक होगी आराधना

गया। पहाड़ों वाली मां दुर्गा की आराधना का महापर्व वासंतिक नवरात्र भगवान सूर्य के लिए समर्पित दिन रविवार से हो रहा हैं। घर के साथ मंदिरों में मां दुर्गा शुभ प्रवेश करेंगी। एक तिथि क्षय होने से इस बार चैती नवरात्र आठ दिनों का होगा। भक्त आठ दिनों तक मां की आराधना कर सकेंगे। इस संदर्भ में मंत्रालय वैदिक पाठशाला के पं. राजा आचार्या ने बताया कि काफी शुभ दिन नवरात्र का आरंभ हो रहा हैं। इस दिन शेरोंवाली मां दुर्गा के साथ-साथ जगत के प्रकाशक भगवान सूर्य की पूजा अवश्य करें। विशेष फल मिलेगा। उन्होंने बताया कि रविवार की सुबह 06:34 से 10:40 तक कलश स्थापना शुभ हैं। वहीं अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:19 से 01:08 तक कलश स्थापना अतिशुभ हैं। उन्होंने बताया कि इस बार माता का आगमन हाथी पर और प्रस्थान भैंसा पर हैं। पंचमी तिथि क्षय होने से भक्त आठ दिनों तक ही मां की आराधना कर सकेंगे। उन्होंने कलश स्थापना की विधि पर भी प्रकाश डाला। कहा कि सर्वप्रथम कलश में जल भर चारों ओर अशोक के पत्ते लगाए। लाल कपड़े में बांध कर नारियल रखे और कलावा से बांधे। हल्दी का गांठ, सिक्का, लौंग, सुपारी, दुर्वा, अक्षत आदि चीजें रखे। कलश पर स्वास्तिक का चिह्न बनाए। स्थापना से पूर्व बालू की वेदी बनाए और जौ का बीज बोए। शक्तिपीठ मां मंगलागौरी में हुई तैयारी रविवार से चैत्र नवरात्र के आरंभ होने से श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ शक्तिपीठ मां मंगलागौरी मंदिर में उमड़ेगी। कतारबद्ध तरीके से श्रद्धालु दर्शन करे, इसके लिए जय मां मंगलागौरी प्रबंधकारिणी समिति द्वारा विशेष तैयारी की गई है। समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद ने बताया कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसके लिए वॉलेंटियर तैनात रहेंगे। शुद्ध पानी की व्यवस्था सभी श्रद्धालुओं के लिए रहेगी। 05 अप्रैल को महाष्टमी, 06 को महानवमी आचार्य ने बताया कि चैती नवरात्र में सप्तमी, अष्टमी और नवमीं तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की आपार भीड़ लगेगी। इस बार सप्तमी तिथि 04 अप्रैल को है। महाअष्टमी का व्रत भक्त 05 अप्रैल को करेंगे। 06 को महानवमी हैं। इसी दिन हवन की प्रक्रिया होगी। 07 अप्रैल को कलश विसर्जन के साथ शेरोंवाली मां दुर्गा की आराधना का महापर्व समाप्त हो जाएगा। इधर चैती नवरात्र के साथ सनातनी नव वर्ष भी शुरू होगा।

दावत-ए-इफ्तार : रोजेदारों ने रोजा खोलकर अदा की सामूहिक नमाज

गया। नगर निगम के मेयर डॉ. वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान व पूर्व डिप्टी मेयर डॉ. अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने शनिवार शाम गया क्लब में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया। रमजान के पाक महीने में हुए इस इफ्तार में शहर के कोने-कोने से हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे। रोजेदारों ने सामूहिक नमाज अदा कर अल्लाह की इबादत की और रोजा खोला। इस मौके पर अन्य धर्मों और वर्गों के लोग भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर प्रदेश, समाज और देश में अमन, शांति और भाईचारे की दुआ मांगी। मेयर और पूर्व डिप्टी मेयर ने सभी रोजेदारों और मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मेयर ने कहा कि गया भाईचारे का शहर है। यहां सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं। गंगा-जमुनी तहजीब का यही मतलब है। पूर्व डिप्टी मेयर ने कहा कि दावत-ए-इफ्तार का उद्देश्य समाज में सौहार्द और एकता को बढ़ावा देना है। आज सभी धर्मों और वर्गों के लोगों ने शामिल होकर एकता की मिसाल पेश की है। मौके पर जहानाबाद सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, कांग्रेस नेता उमैर खान, विश्वनाथ यादव, मोती करीमी, मसूद मंजर, अबरार अहमद, अंकुश बग्गा, डॉ. मनोज कुमार सिन्हा, मसूद मंजर, वसीम नैयर, डॉ. शब्बीर, ओम यादव, शाकिब आदि मौजूद थे।

नालंदा में 7 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शुरू

नालंदा। बिहार शरीफ के राणा बीघा मोहल्ले में स्थानीय निवासियों द्वारा नवनिर्मित मंदिर में मां दुर्गा के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर 501 महिलाओं और कन्याओं ने गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा बाढ़ स्थित उमानाथ से गंगाजल लाकर शुरू हुई। कारगिल चौक के पास विधिवत रूप से कलशों में जलभरी की गई। इसके बाद गाजे-बाजे और धार्मिक गीतों के साथ यह भव्य शोभायात्रा राणा बीघा मोहल्ले का परिभ्रमण करते हुए नवनिर्मित मंदिर परिसर में पहुंची। यहीं से सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया है।

भंडारे का भी होगा आयोजनः पूजा समिति के अनुसार, आज 30 मार्च को कलश शोभायात्रा और कलश स्थापना के साथ अनुष्ठान प्रारंभ हुआ है। आगामी 4 अप्रैल को मां देवी और मां दुर्गा जी का प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा, जिसके साथ कालरात्रि पूजा भी संपन्न की जाएगी। 6 अप्रैल को श्री राम नवमी पूजा, ध्वजारोहण, हवन और प्रसाद वितरण किया जाएगा, जिसके बाद संध्या में भंडारे का आयोजन होगा। इस धार्मिक अनुष्ठान का समापन 7 अप्रैल को कलश विसर्जन और महोत्सव के साथ होगा।

स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयास से बना मंदिरः पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि मोहल्ले के समस्त निवासियों के सहयोग से लगभग 20 लाख रुपये की लागत से इस मंदिर का निर्माण किया गया है। "यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष और उल्लास का समय है। पूरा मोहल्ला एकजुट होकर इस धार्मिक आयोजन में भाग ले रहा है। मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से स्थानीय निवासियों में उत्साह का माहौल है। लोगों का मानना है कि इस मंदिर से क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक एकता बढ़ेगी।

गया में वृद्ध की हत्या घर के पास शव बरामद

निज संवाददाता। गया

गया जिले के डुमरिया प्रखंड के तरवाडीह में शनिवार की देर रात वृद्ध की हत्या कर दी गई। वृद्ध का शव उसके घर से चंद कदम की दूरी पर पड़ा था। सुबह सुबह शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने इसे जमीन रंजिश में हत्या करार दिया है। मृतक की बहू का दावा है कि उसने घटना स्थल से करीब 15 की संख्या में लोगों को भागते हुए देखा लेकिन उनमें से किसी की पहचान नहीं हो सकी है। डोमन यादव (65) का शव रविवार सुबह घर से कुछ दूरी पर पड़ा मिला। परिजनों का आरोप है कि रात करीब 2:30 बजे वे शौच के लिए निकले थे, तभी घात लगाए बैठे लोगों ने गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। मृतक के बेटे रामलाल यादव ने दावा किया कि राजेंद्र यादव और राजा यादव से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में उनकी हत्या की गई।

बहू बोली- सुबह उठी तो 15 लोग भागते दिखेः मृतक की बहू कविता देवी ने बताया कि सुबह जब वह उठी तो देखा कि ससुर का शव पड़ा है और करीब 15 लोग वहां से भाग रहे थे। जब तक वह चिल्लाती, सभी फरार हो गए। इसके बाद परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस, इलाके में दहशतः सूचना मिलते ही मैगरा थाना प्रभारी कैलाश मणि तिवारी, सब इंस्पेक्टर सुभाष मंडल और राजेश कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को सील कर दिया। जांच के लिए टीम ने इलाके में पूछताछ शुरू कर दी है।

परिजनों ने उठाई SDPO बुलाने की मांगः घटना से आक्रोशित परिजनों ने पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (SDPO) को बुलाने की मांग की। इसके बाद एसडीपीओ अमित कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर वीरेंद्र पासवान और भदवर थाना प्रभारी अमित कुमार मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को कानूनी प्रक्रिया का भरोसा दिलाया।

पुलिस बोली- हर एंगल से जांच जारीः SDPO अमित कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक को अवगत कराते हुए घटनास्थल की जांच की गई है।

राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी के विरोध में पुतला दहन

निज संवाददाता। गया

गया में समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन की ओर से राणा सांगा को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के खिलाफ शहर में जोरदार विरोध-प्रदर्शन हुआ। राष्ट्रीय राजपूत करनी सेना और महाराणा विचार मंच और करणी सेना के पदाधिकारियों और सदस्यों ने टावर चौक पर सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने समाजवादी पार्टी और सांसद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सांसद रामजीलाल सुमन सार्वजनिक रूप से क्षत्रिय समाज से माफी नहीं मांगते हैं तो करणी सेना और महाराणा विचार मंच बड़ा आंदोलन करेगा। जरूरत पड़ी तो संगठन किसी भी हद तक जा सकता है। संगठन ने समाजवादी पार्टी प्रमुख से भी कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय राजपूत करनी सेना के जिलाध्यक्ष अनुपम सिंह ने ऐलान किया कि 12 अप्रैल को आगरा में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। खुलेआम चेतावनी दी कि पिछली बार हम खाली हाथ गए थे। इस हरवे हथियार के साथ जाएंगे।

सुरक्षा के लिए पुलिस बल की रही तैनातीः करणी सेना और महाराणा विचार मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि राणा सांगा के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आज और कल खुलें रहेंगे बिजली विभाग के काउंटर

निज संवाददाता। नालंदा

वित्तीय वर्ष 2024-25 के समापन से पहले बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। बिजली विभाग ने छुट्टी के दिनों में भी बिल जमा काउंटर खोलने का निर्णय लिया है, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। वित्तीय वर्ष के अंतिम दो दिन रविवार और सोमवार (30 और 31 मार्च) को सार्वजनिक छुट्टी होने के बावजूद सभी सब डिविजन कार्यालयों के बिल जमा काउंटर निर्धारित समय पर खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ता सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपने बकाया बिलों का भुगतान कर सकेंगे।

विभागीय पहल के पीछे का कारणः प्रभारी अधीक्षण अभियंता सह एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (बिहारशरीफ ग्रामीण) रूपक कुमार ने बताया की मार्च माह में होली और अन्य सार्वजनिक अवकाशों के कारण काउंटर बंद रहने से उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में काफी असुविधा का सामना करना पड़ा था। इसी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।" उन्होंने आगे बताया कि इस पहल से न केवल उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि विभाग को भी राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस विशेष व्यवस्था के अंतर्गत बिहारशरीफ शहरी, बिहारशरीफ ग्रामीण, राजगीर और एकंगरसराय डिविजन के सभी 11 सब डिविजन कार्यालयों में बिल जमा काउंटर खुले रहेंगे।

म्यांमार-थाईलैंड के भूकंप पीड़ितों के लिए बोधगया में जले दीप

निज संवाददाता। गया

- मंदिर समिति ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए किया मंत्रोच्चारण, 1 हजार से अधिक लोगों की मौत

बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति ने म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप के पीड़ितों की आत्मा की शांति के लिए दीप जलाए। शुक्रवार को आए इस 7.7 तीव्रता के भूकंप ने म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले में भारी तबाही मचाई। अब तक 1 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। भूकंप से कई ऐतिहासिक धरोहरें और इमारतें जमींदोज हो गईं। म्यांमार के अलावा थाईलैंड में भी इसका व्यापक असर देखने को मिला, जहां एक निर्माणाधीन गगनचुंबी इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आपदा में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति और प्रभावित लोगों के लिए बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति ने विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया। समिति के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य, भिक्षु और कर्मचारियों ने मिलकर बटर लैम्प जलाए और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मंत्रोच्चारण किया।

हम म्यांमार और थाईलैंड के लोगों के साथ खड़े हैंः बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति ने एक बयान जारी कर कहा, हम इस कठिन समय में म्यांमार और थाईलैंड के लोगों के साथ खड़े हैं। हमारी प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिजनों को शक्ति प्रदान करें। भूकंप के बाद लगातार आ रहे झटकों से प्रभावित इलाकों में दहशत का माहौल है। बचाव कार्य जारी है, लेकिन हालात गंभीर बने हुए हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति ने इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के लिए संवेदना व्यक्त की और प्रभावित लोगों की जल्द से जल्द सहायता की प्रार्थना की। यह समिति लगातार मानवीय कार्यों में आगे रही है और इस बार भी उसने अपने आध्यात्मिक योगदान से त्रासदी पीड़ितों को सांत्वना देने का प्रयास किया है।

गया में मेयर और पूर्व डिप्टी मेयर ने कराई दावत-ए-इफ्तार

निज संवाददाता। गया

- प्रदेश और देश में शांति व भाईचारे की दुआ मांगी, एकता को बढ़ावा देने का दिया संदेश

रमजान के पाक महीने में शनिवार की शाम गया क्लब में नगर निगम के मेयर डॉ. विरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान और पूर्व डिप्टी मेयर डॉ. अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया। इस मौके पर हर मजहब और वर्ग के लोगों ने मिलकर इबादत के साथ दावत ए इफ्तार का लुत्फ और अमन-चैन की दुआ मांगी। शहर के कोने-कोने से आए सैकड़ों रोजेदारों ने सामूहिक रूप से इफ्तार किया। नमाज अदा करने के बाद सभी ने प्रदेश और देश में शांति व भाईचारे की दुआ मांगी। इफ्तार में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी शामिल हुए। जिससे गंगा-जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिली।

गया सौहार्द और भाईचारे का शहर हैः मेयर डॉ. गणेश पासवान ने कहा, गया सौहार्द और भाईचारे का शहर है। यहां सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं और एक-दूसरे की खुशियों में शरीक होते हैं। यह हमारी साझा सांस्कृतिक धरोहर है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती है। पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव ने कहा, इस दावत-ए-इफ्तार का उद्देश्य समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना है। सभी धर्मों के लोगों ने इसमें शामिल होकर मिसाल कायम की है। गया में ऐसी परंपराएं हमें जोड़ती हैं, तोड़ती नहीं। इस खास मौके पर जहानाबाद सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, कांग्रेस नेता उमेर खान, राजद नेता विश्वनाथ यादव, मोती करीमी, मसूद मंजर, अबरार अहमद, अंकुश बग्गा, डॉ. मनोज कुमार सिन्हा, वसीम नैयर, ओम यादव, शाकिब समेत कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियां मौजूद रहीं। इफ्तार में शामिल लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन भाईचारे को और मजबूत करते हैं। रमजान सिर्फ इबादत का नहीं, बल्कि आपसी मेलजोल और सौहार्द बढ़ाने का भी महीना है।

झारखंड के कारोबारी का नालंदा में अपहरण, 50 लाख मांगे

निज संवाददाता। नालंदा

'हम सरायकेला थाने से बोल रहे हैं, हमारे यहां के एक केमिकल कारोबारी का अपहरण हो गया है, जिसको नालंदा में रखा गया है। प्लीज मदद कीजिए।' सरायकेला पुलिस की इस अपील पर नालंदा पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और 2 घंटे के भीतर कारोबारी को सकुशल बरामद कर लिया गया। साथ ही दो किडनैपर की भी गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार किडनैपर में एक सेना का पूर्व जवान है, जबकि दूसरा सीएसपी संचालक है। किडनैपर से छूटने के बाद कारोबारी ने बताया कि 'मुझे बचने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन भगवान की कृपा से सब कुछ ठीक है। बदमाशों ने 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी।' DSP सदर-1 नूरुल हक ने बताया कि 'शुक्रवार दोपहर 3:30 बजे झारखंड के सरायकेला जिले के बिंद थाने से सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद मोबाइल नंबर को ट्रेस किया गया तो वह नालंदा में ही मिला। इसके बाद टीम गठन कर कार्रवाई शुरू की गई।'

कारोबारी ने अपनी पहचान दीपक के रूप में बताईः नूरुल हक ने बताया कि 'कारोबारी का नाम दीपक कनोडिया है। दीपक ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि किडनैपर ने मारपीट की है। अपराधियों ने पर्स और एटीएम कार्ड ले लिया, उससे भी पैसे निकाले हैं। हालांकि कितने का ट्रांजैक्शन किया है, इसकी जानकारी नहीं है। फिलहाल, दीपक का इलाज चल रहा है। सूचना मिलने के बाद 2 घंटे के भीतर नालंदा पुलिस ने कारोबारी को मुक्त कराया है।'

किडनैपर ने कहा- NTPC में केमिकल सप्लाई करना हैः जमशेदपुर के रहने वाले दीपक ने बताया कि 'इंडियामार्ट के जरिए हमें कॉल किया गया था। उसने काम के सिलसिले में बात की और मुझे नालंदा बुलाया। कहा गया कि एनटीपीसी में केमिकल सप्लाई करना है।' 'बातचीत से सब ठीक लगा तो मैं उनके बताए लोकेशन पर नालंदा पहुंच गया। यहां पहुंचने के बाद जिस शख्स ने मुझसे बात की, उसने मेरा अपहरण करा लिया।' उन्होंने बताया कि 'टाटा बस स्टैंड से पटना के लिए बस पकड़ा और बिहार शरीफ में उतर गए। यहां हमको लेने गाड़ी आई थी। गाड़ी में बैठने के बाद ड्राइवर ने थोड़ी दूर ले जाने के बाद कार को रोका, जिसके बाद कार में कुछ और लोग बैठे और गुप्त स्थान में ले गए।' दीपक ने बताया कि 'मैंने अपने भाई और भाभी से बात की। लग रहा था कि हम नहीं बचेंगे। लेकिन परिजन की ओर से पुलिस को शिकायत की गई, जिसके चलते मुझे बचा लिया गया। हालांकि, एक आरोपी फरार हो गया, जिसने मुझे कॉल कर बुलाया था, वह भी फरार है।'

बड़ा भाई बोला- हर दो मिनट पर कॉल कर मांग रहे थे पैसेः दीपक के बड़े भाई नीतेश ने बताया कि 'शुक्रवार को मैं अपनी बड़ी बेटी को लेकर स्कूल गया था। इस दौरान मेरी पत्नी भी साथ थी। तभी मेरी पत्नी के मोबाइल पर दीपक की पत्नी का कॉल आया। उसने किडनैपिंग वाली बात बताई तो मैं तत्काल अपने दो दोस्तों के साथ घर पहुंचा।' 'इसके बाद हम लोग एसपी के पास पहुंचे, उन्होंने हमें थाना भेजा। वहां तत्काल भाई के नंबर को सर्विलांस पर रखकर ट्रेस किया।

हर घर कांग्रेस का झंडा, पार्टी की नई रणनीति

निज संवाददाता। गया

- अल्पसंख्यक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी की विचारधारा को मजबूत करेंगे

बिहार कांग्रेस में नई सियासी हलचल तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष उमेर खान ने 'हर घर कांग्रेस का झंडा' अभियान का आगाज अपने घर की छत से किया। उन्होंने दावा किया कि शाम होते-होते कांग्रेस का झंडा हर घर की छत पर लहराने लगेगा। इस अभियान के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी की विचारधारा को मजबूत करेंगे और लोगों को जोड़ने का काम करेंगे। इस मौके पर उन्होंने ईद और रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कांग्रेस की यह मुहिम प्रदेश की सियासत में बड़ा बदलाव लाएगी। उमेर खान ने कहा कि 1990 के बाद जन्मे युवा कांग्रेस के संघर्ष और उपलब्धियों से अंजान हैं। यह हमारी ही कमजोरी रही है कि हम अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों को जनता तक नहीं पहुंचा सके, लेकिन अब कांग्रेस इस कमी को दूर करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में कांग्रेस का संगठन और मजबूत होगा, जिससे जिले तक इसका प्रभाव नजर आएगा। संगठनात्मक स्तर पर अगले 10-15 दिनों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

कांग्रेस का चुनावी एजेंडा, रोजगार-कानून व्यवस्था और उद्योगः उमेर खान ने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे अब बिना मास्क के दिनदहाड़े डकैती कर रहे हैं, हत्याएं हो रही हैं और लोग पलायन को मजबूर हैं। कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में रोजगार, उद्योग, शिक्षा और कानून-व्यवस्था को मुख्य मुद्दा बनाएगी। जनता से संवाद कर कांग्रेस इस बार मजबूत वापसी करेगी।

इंडिया गठबंधन पर किया भरोसा, मांझी पर साधा निशानाः उमेर खान ने साफ किया कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेगी और सीटों के सम्मानजनक बंटवारे के साथ मजबूती से मैदान में उतरेगी। वहीं, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के मुस्लिम समाज को कठमुल्ला कहे जाने पर उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि मांझी मानसिक संतुलन खो चुके हैं। वे स्वार्थ के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और उनके बयान डिक्टेट किए गए टर्म्स से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उन्होंने मांझी पर परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे समाज या जनता के लिए नहीं, बल्कि केवल अपने परिवार के हित के लिए राजनीति कर रहे हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मां दुर्गा की कलश यात्रा निकली

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र में नववर्ष के आगमन एवं बसंत नवरात्र के शुभ असवर पर हरदिया पंचायत के पुनर्वास नगर हरदिया में मां दुर्गा का भव्य कलश शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। कलश शोभायात्रा रविवार की सुबह 7 बजे मंदिर परिसर से निकली एवं फुलवरिया डैम पहुंच माता के भक्तों ने कलश में जल भरकर पुनः मंदिर परिसर पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों बच्चों एवं महिलाओं के साथ पुरुष मौजूद रहे। मां दुर्गा मंदिर के पुजारी अनंत पाण्डेय ने बताया कि नवरात्रि का पहला दिन मां शैलपुत्री को समर्पित है। मां शैलपुत्री पर्वतों के राजा हिमालय की पुत्री मानी जाती हैं और उन्हें नंदी पर सवार, त्रिशूल धारण किए हुए देवी के रूप में पूजा जाता है। मां शैलपुत्री की आराधना के लिए श्रद्धालुओं द्वारा "ॐ देवी शैलपुत्र्यै नमः" मंत्र का जाप किया गया। इस मंत्र का जाप करने से जीवन में स्थिरता, मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं मां शैलपुत्री को घी से बने व्यंजन अत्यधिक प्रिय होते हैं। यह मान्यता है कि घी का भोग अर्पित करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य बेहतर रहता है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। नवरात्रि के पहले दिन का शुभ रंग लाल होता है। यह रंग शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लाल वस्त्र पहनने से सकारात्मकता में वृद्धि होती है और मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है। इस दौरान प्रधान पुजारी रंजीत कुमार के साथ अन्य पांच सहयोगियों पुजारियों के सहयोग से पूजन कार्य आरंभ किया गया। इस मौके पर बजरंग दल के संयोजक सह रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष अनुज कुमार, सचिव अजय पंडित, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार के साथ अभी सक्रिय सदस्य बब्लू पंडित, दिनेश साव, सूरज कुमार, प्रकाश पांड्या, रूपेश कुमार, करण कुमार, विशाल कुमार, रंजीत कुमार, चंदन कुमार, रत्नेश कुमार, जयशंकर कुमार, राजन कुमार, अनु रंजन कुमार, नरेश पंडित, सुमित कुमार के साथ सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

इंटर विद्यालय के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। मुख्यालय स्थित रजौली इंटर विद्यालय के छात्रों ने मैट्रिक की परीक्षा में इस बार भी परचम लहराया है। साथ ही अपने परिजनों एवं गांव का मान-सम्मान बढ़ाया है। मैट्रिक परीक्षा 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार तरुण के निर्देशानुसार शिक्षकों द्वारा फूलों की माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर बच्चों को प्रोत्साहित किया गया।साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कमाना की गई। इस दौरान लाइब्रेरियन अध्यक्ष संजीव कुमार रंजन, सामाजिक विज्ञान के शिक्षक सुबोध कुमार, मनोविज्ञान के शिक्षक रविन्द्र कुमार एवं सेवानिवृत प्रधानाध्यापक अनिल कुमार मौजूद रहे। इंटर विद्यालय में मौजूद बहादुरपुर पंचायत के ग़ैरिबा गांव निवासी मनोज प्रसाद एवं बिंदु देवी के पुत्र दीपक कुमार ने बताया कि मैट्रिक परीक्षा में उन्हें 475 अंक प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वे अपने माता-पिता को खेतों में खूब मेहनत से काम करते हुए देखें हैं, इसलिए वे प्रतिदिन विद्यालय आकर वहां के शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त करते थे और कड़ी मेहनत कर 475 अंक प्राप्त किए हैं। साथ ही कहा कि वे आगे आईआईटी की तैयारी में जुटेंगे एवं सातवीं कक्षा में पढ़ रही अपनी छोटी बहन को भी पढ़ाएंगे। वहीं सिरदला प्रखंड के वरदाहा गांव निवासी स्व. उपेंद्र प्रसाद एवं ममता कुमारी के पुत्र शुभम कुमार ने बताया कि उनके पिता की मृत्यु के बाद से वे अपनी माता के साथ ननिहाल रजौली के दुलरपुरा में रहकर पढ़ाई के रहे हैं। उन्हें मैट्रिक की परीक्षा में 468 अंक प्राप्त हुआ है एवं उन्हें इंटर विद्यालय के शिक्षकों के अलावे नाना देवनन्दन प्रसाद एवं सीआरपीएफ में पदस्थापित मामू अभिमन्यु कुमार के द्वारा बहुत सहयोग प्राप्त हुआ है। इसके अलावे सतगीर गांव निवासी पप्पू प्रसाद एवं सुनीता देवी के पुत्र चंदन कुमार ने बताया कि उनके पिता ट्रक चालक हैं। उन्हें मैट्रिक की परीक्षा में 467 अंक प्राप्त हुआ है। वहीं विद्यालय से अन्य सफल छात्रों में महसई निवासी मुकेश मालाकार व अनिता देवी के पुत्र अभिजीत कुमार एवं विनोद मालाकार व गीता देवी के पुत्र दीपक मालाकार ने बताया कि वे डिफेंस में शामिल होकर देश की सेवा करना चाहते हैं। वहीं महसई निवासी वसीम उद्दीन व नासरीन परवीन के पुत्र औरंगजेब ने बताया कि उनके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, इसलिए वे बांके मोड़ स्थित आजाद हिंद इंजीनियरिंग वर्क शॉप में काम करते हुए मैट्रिक परीक्षा में 336 अंक प्राप्त किए हैं। साथ ही बताया कि वे आगे आईटीआई करने के बाद सरकारी नौकरी या अपना व्यवसाय करेंगे। वहीं मौके पर मौजूद पूर्व प्रधानाध्यापक अनिल कुमार ने मैट्रिक परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं दिए। साथ ही कहा कि संसाधनों की कमी एवं शिक्षकों के अथक प्रयास का परिणाम है कि छात्रगण विद्यालय के साथ प्रखंड का नाम रौशन कर रहे हैं। वहीं विद्यालय के लाइब्रेरियन अध्यक्ष संजीव कुमार रंजन ने बताया कि जबसे विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार तरुण बने हैं, तबसे विद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन परीक्षाओं में बेहतर देखने को मिल रहा है। प्राचार्य द्वारा विद्यालय में छात्रों को पढ़ाया जाता है एवं अन्य शिक्षकों को भी पढ़ाने पर विशेष बल दिया जाता है। साथ ही कहा कि शिक्षक अभिकेंद्रीय बल, छात्र अपकेंद्रीय बल एवं प्राचार्य जड़त्व आघूर्ण की तरह कार्य करते हैं। उन्होंने सभी सफल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

धमौल बाजार में भक्तिमय माहौल

पकरीबरावां (नवादा) (नि.सं.)। पकरीबरावां प्रखंड के धमौल बाजार में चैत्र नवरात्र की शुभ शुरुआत भक्तिमय माहौल के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक कलश स्थापना कर माँ दुर्गा की आराधना प्रारंभ की। मंदिरों और घरों में भक्तों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश स्थापित कर व्रत और पूजा-पाठ का संकल्प लिया। स्थानीय दुर्गा मंदिर में विशेष अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर भक्ति गीतों और जयकारों से गूंज उठा। पंडितों ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार कलश स्थापना की प्रक्रिया पूर्ण करवाई। दुर्गा पूजा समिति धमौल के अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार सिन्हा, सचिव अजीत भारती, संतोष वर्मा, मनोज बरनवाल आदि ने बताया कि नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की नौ रूपों की पूजा एवं आरती का आयोजन किया जाएगा। नवरात्र के दौरान श्रद्धालु नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करेंगे। धार्मिक आस्था और उत्साह से भरे इस पर्व के पहले दिन धमौल में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक माहौल बन गया। कलश स्थापना से पूर्व यजमान एवं पुरोहितों के साथ समिति के लोग जल लेने देवी मोहल्ला पहुंचें। ढोल बाजे के साथ उत्साह से लबरेज श्रद्धालु बाजार के रास्ते वहां पहुंचे, जहां मंत्रोच्चार के बीच जल भरा गया। मुख्य यजमान के रूप में सत्येंद्र महतो एवं उनकी धर्मपत्नी रेखा देवी रही, जो नौ दिनों तक मंदिर में मां दुर्गा की आराधना करेंगे।

ग्रामीण छात्रों का मैट्रिक परीक्षा में दबदबा

निज संवाददाता | हिसुआ (नवादा)

हिसुआ प्रखंड के ग्रामीण इलाकों से आने वाले छात्रों का मैट्रिक परीक्षा में दबदबा रहा है। परीक्षा में अच्छे अंक लाकर अपने परिवार और कोचिंग का नाम रोशन किया गया। बस्ती बिगहा ग्राम में संचालित आर रंजन कोचिंग सेंटर में पढ़ रहे छात्र रौशन राज पिता पप्पु साव ने 461 अंक लाया वहीं निशा भारती पिता वाल्मीकि प्रसाद 460, प्रिंस राज पिता प्रेम कुमार 455 ,अंकित कुमार पिता जयलाल यादव 437,वर्षा रानी पिता विनोद प्रसाद 423 अंक लाकर ग्रामीण प्रतिभा का लोहा मनवाया है। आर कोचिंग सेंटर के निदेशक राजीव रंजन सर ने बताया कि हमारे शिक्षकों के दिशानिर्देशन और पढ़ाई से छात्रों अपने मेहनत कर यह उपलब्धि हासिल किया है। इन सभी मैट्रिक में उतीर्ण हुए छात्रों को कोचिंग द्वारा सम्मानित किया जाएगा साथ हीं उन्हें आगे की शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाएगा। छात्रों की उपलब्धि से सभी अभिभावक काफी खुश दिखे।

शॉट-सर्किट से जूता-चप्पल दुकान में लगी भयंकर आग

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के अमावां बाजार में स्थित एक जूते-चप्पल की दुकान में रविवार की सुबह शॉट-सर्किट के कारण भयंकर आग लग गई। इस आग के कारण दुकान में रखे लगभग ढ़ाई लाख रुपए के जूता-चप्पल जलकर राख हो गया। पीड़ित सुनील कुमार मेहता ने बताया कि प्रत्येक दिन की भांति वे रविवार को भी दुकान खोलकर बैठे ही थे कि सुबह लगभग 8 बजे अचानक दुकान में आग लग गई। दुकान में आग लगने के बाद आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पूर्वी प्रतिभा खोज क्विज प्रतियोगिता संपन्न, सैकड़ों छात्र-छात्राएं हुए शामिल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के मथुरासिनी महाविद्यालय में रविवार को रजौली पूर्वी प्रतिभा खोज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन रजौली पूर्वी पंचायत के मुखिया संजय यादव के द्वारा किया गया। इस दौरान रजौली पूर्वी पंचायत के वर्ग 8 से वर्ग 10 तक सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल रहे। आयोजक ने बताया कि वे अपने पंचायत के छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन के लिए विगत तीन वर्षों से प्रतिभा खोज क्विज प्रतियोगिता का आयोजन करवाते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में 101 बच्चे एवं वर्ष 2024 में 190 बच्चे शामिल हुए थे, जबकि इस वर्ष 217 बच्चे शामिल हुए हैं। साथ ही बताया कि पंचायत के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-कूद में रुचि रखने वाले बच्चों के लिए क्रिकेट प्रतियोगिता एवं पढ़ाई करने वाले बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता करवाते आ रहे हैं। साथ ही बताया कि इस तरह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवक और युवतियों में आत्म विश्वास जगाना है ताकि उनके आने वाले समय मे प्रतियोगी परीक्षा में किसी भी तरह का कोई समस्या ना हो। साथ ही रजौली पूर्वी पंचायत के बच्चे आगामी प्रतियोगी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर अपने परिवार सहित गांव और रजौली का नाम रोशन कर सके। साथ ही बताया कि परीक्षा के परिणाम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। वहीं परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे को कंप्यूटर दिया जाएगा एवं शुरुआत से 25वें स्थान तक के बच्चों को साइकिल दिया जाएगा। साथ ही क्विज प्रतियोगिता में शामिल अन्य बच्चों को बैग दिया जाएगा।वहीं परीक्षा देकर बाहर निकले छात्र-छात्राओं द्वारा बताया गया कि परीक्षा में स्थानीय पदाधिकारियों के नाम, कौन सबसे छोटा राज्य है, विधानसभा में कितने सीट हैं, बिहार के राज्यपाल कौन हैं एवं भारत में कितने केंद्रशासित प्रदेश हैं के अलावे गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान से संबंधित कई प्रश्न थे। इस दौरान मथुरासिनी महाविद्यालय के प्रोफेसर सह शिक्षक प्रतिनिधि व्यास कुमार, हरेराम सिंह, प्रमोद कुमार निराला, उमेश पांडे, अजय पांडे, लीला देवी सहित कई गणमान्य शिक्षकगण उपस्थित थे।

आरएसएस द्वारा रजौली में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हिन्दू नववर्ष

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड मुख्यालय स्थित संगत परिसर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा पथ संचलन आयोजित किया गया। यह पथ संचालन संगत परिसर से शुरू होकर संपूर्ण बाजार, जगजीवन नगर,पुरानी बस स्टैंड, ड्योढी होते हुए पुनः संगत परिसर में आकर समापन हुआ। इस दौरान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।साथ ही ढ़ोल व वाद्य यंत्र बजाते हुए भ्रमणशील दिखाई दिए। वहीं विद्यालय के बाल कलाकारों अंशिका भदानी, स्वीटी कुमारी, हर्षित, शिवम, रजनीश व विभान ने राम, लक्ष्मण, सीता एवं बजरंगबली के मनमोहक झांकी से लोगों को अपने ओर खींचते दिखाई दिए। खण्ड कार्यवाहक विजय कुमार आर्य ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संघ के संस्थापक डॉ. बलिराम हेडगेवार की जयंती है। यह दिन विक्रमी संवत के नए साल की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। इस समय चारों ओर पीले फूलों की सुगंध फैली होती है और नई फसलें पक जाती हैं। खण्ड कार्यवाहक ने स्वयंसेवकों से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और परिवार प्रबोधन पर ध्यान देने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि नववर्ष पर सामाजिक परिवर्तन के लिए संकल्प लेना चाहिए।

16 लीटर विदेशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार, भेजे गए जेल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के सोहदा गांव से पुलिस बलों ने 16 लीटर विदेशी शराब बरामद किया।साथ ही एक शराब धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र को शराब मुक्त बनाने के लिए पुलिस बलों की मदद से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान शराब निर्माण, परिवहन, भंडारण, बिक्री एवं सेवन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सोहदा गांव में शराब बिक्री को लेकर गुप्त सूचना मिली। गुप्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थाने में पदस्थापित एएसआई वीरेंद्र पासवान को सशस्त्र पुलिस वालों के साथ भेजा गया। छापेमारी के दौरान 16 लीटर विदेशी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया।

गेहूं की फसल में लगी आग, दो एकड़ फसल जलकर स्वाहा

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

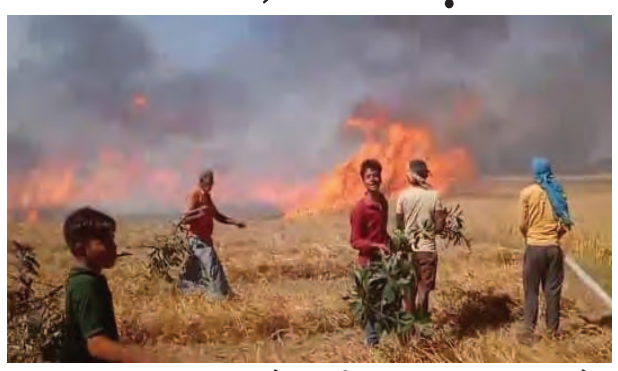

प्रखंड क्षेत्र के बिक्कू गोंदरा पर गांव के बधार में गेहूं की लगी फ़सल में आग लगने की घटना घटी। यह घटना शनिवार को दोपहर के बाद हुई। घटना के पीछे बिजली का शॉट सर्किट से लगने की बात कही जा रही है। किसान कहते हैं कि इस घटना में तकरीबन दो एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल को अग्निदेव अपनी आगोश में लेकर स्वाहा कर दिए। घटना में किसान लाख देव यादव, अरविन्द कुमार, कपिल यादव, कृष्ण यादव, अजय, सोनू सिंह, भागीरथ यादव, सुरेश सिंह, संटू यादव, अलखदेव यादव, कपिल यादव, अजय, राजेन्द्र यादव, भगीरथ समेत अन्य किसान अग्निकांड में प्रभावित हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण पहुंचे, और आग बुझाने में लग गए। लेकिन तेज धूप और पछुआ हवा के कारण आग बुझाने में काफी परेशानी होने पर अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के वाहन घटनास्थल पर पहुंचे, और ग्रामीणों के सहयोग से अग्निशमन विभाग के कर्मी ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित किसानों में आपदा प्रबंधन कोष से सहयोग राशि उपलब्ध कराने की मांग विभागीय अधिकारियों से किया है।

जदयू कार्यकर्ताओं ने किया डॉ भीम राव अनुसूचित जाति जनजाति का रथ का स्वागत

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

डा.भीम राव आंबेडकर अनुसूचित जाति जनजाति का रथ यात्रा रविवार को इंटर विद्यालय नारदीगंज के परिसर में आगमन हुआ। रथ यात्रा के आगमन होते ही जदयू कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। यह रथ पटना से बिहार शरीफ, राजगीर होते हुए नारदीगंज पहुंची विद्यालय परिसर में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति के नेता देवनंदन मांझी व संचालन मनोहर कुमार ने की। इस मौके पर राजगीर विधायक कौशल किशोर, अनुसूचित जाति जनजाति के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्यागी, जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी, उपाध्यक्ष जयशंकर चंद्रबंशी, राजीव रंजन सिंह, वरिष्ठ नेता मनोहर पासवान, नवादा प्रखंड अध्यक्ष नवल किशोर चौहान, प्रखंड अध्यक्ष जयराम प्रसाद कुशवाहा, उपाध्यक्ष प्रिय रंजन सिंह, कोषाध्यक्ष विनय कुमार साव समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा सरकार के महत्वाकांक्षी योजना को जन जन तक पहुंचना है।सीएम नीतीश कुमार न्याय के साथ विकास का कार्य किये हैं। प्रदेश का चौमुखी विकास हुआ है। इस वर्ष विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव की तैयारी में हम सभी को लग जाना है। अपनी चट्टानी एकता का परिचय देना है। इस बार पुनः नीतीश कुमार को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए लोगों से अपील की है। मौके पर बिनोद चौधरी, शशि कुमार शेष, संजय प्रसाद कुशवाहा, विजय राउत समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देशी कट्टा के साथ आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

थाना क्षेत्र के गोतरायन में अजीबोगरीब घटना घटी।जब एक महिला को उसके पति और पुत्र पिस्टल से जान से मारने के लिए पहुंचे। तभी अपनी जान बचाने के लिए महिला ने 112 की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके पति को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया।

घटना के पीछे घरेलू विवाद की बात कही जा रही है। घटना शनिवार को देर रात की है। थाना अध्यक्ष प्रभा कुमारी ने बताया गोतरायन गांव में संतोष कुमार की पत्नी उर्मिला देवी के साथ घटना घटी। इस बाबत उर्मिला देवी के लिखित शिकायत पर कांड संख्या 141 /2025 दर्ज किया गया है। इस मामले में उन्होंने अपने पति संतोष कुमार और पुत्र को आरोपित किया है। उर्मिला देवी का कहना है कि शनिवार को देर शाम में मुझे मेरे पति और पुत्र जान से मारने के लिए देशी कट्टा लेकर पहुंचे थे।

इस बात की जानकारी तत्काल 112 पुलिस टीम को दिया। सूचना पर 112 की टीम आई। पुलिस को देखते हुए दोनों भाग गए। उसके बाद रात में पुनः एसआई श्रीकांत निराला, एएसआई दीपक कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार पुलिस बल के साथ घर में छापेमारी कर आरोपी संतोष कुमार को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया गया।

उसके बाद रविवार को आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

डीआरएम की गरुण निकलने के बाद खुली सवारी गाड़ी

बक्सर। चौसा रेलवे स्टेशन पर हो रहे तकनीकी कार्य को लेकर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण ट्रेनें जहां तहां खड़ी रही। जिसके कारण यात्रियों को खासा परेशानी झेलनी पड़ी। बता दें कि 63225 पटना डीडीयू सवारी गाड़ी एक घण्टे से अधिक रघुनाथपुर तक संट रही। वहीं आरा में ब्रह्मपुत्र मेल,15624 जोधपुर हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन कारीसाथ में 4 बजे से खड़ी रही। जबकि 12742 वास्कोडिगामा बिहिया में खड़ी रही। इस दौरान डीआरएम की गरुड़ के गुजरने के बाद अप लाइन क्लियर हुई। यही हाल डाउन की रही। जहां काशी पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस 8बजकर 52 मिनट की बजाए 11 बजे बक्सर पहुंची। 15647 गोहाटी एक्सप्रेस ढाई घण्टे की देरी से पहुंची।

नव निर्माण के संकल्प लेने का आह्वान करता है विक्रम संवत का नया साल

बक्सर। नव वर्ष विक्रम संवत 2082 रविवार से प्रारंभ हो रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता सह प्रबुद्ध साहित्यकार रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने कहा कि सनातन धर्म से संबद्ध पौराणिक धार्मिक ग्रंथों के अनुसार सृष्टि का प्रारंभ आज ही के दिन से हुआ था। तब ब्रह्मा जी ने काल की गणना इसी दिन से शुरू की थी। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की एकम तारीख अध्यात्मिक महत्व तो रखता ही है, सांस्कृतिक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह पावन दिन परिपूर्ण है। नव वर्ष विक्रम संवत 2082 के संदर्भ में कहा कि इस नये साल के प्रारंभ होते ही बासंतिक नवरात्र भी शुरू हो जाता है। आज ही के दिन से कलश स्थापना के साथ मां भगवती की अराधना प्रारंभ हो जाती है। यह नव वर्ष इस लिए भी महत्वपूर्ण है कि आज ही के दिन कलश स्थापना के द्वारा असूरों के पूर्णतः विनाश की प्रबल कामना की गई थी ताकि सृष्टि में शांति की स्थापना हो सके। नवशक्ति के प्रादुर्भाव के निमित्त भी विक्रम संवत का का नया वर्ष अप्रतिम है। उन्होंने कहा कि त्रेता युग के मर्यादा पुरुषोत्तम राम एवं महाभारत काल के युधिस्ठिर का राज्याभिषेक भी आज ही के दिन हुआ था। वर्तमान काल में आर्य समाज की स्थापना इसी विक्रम संवत के नया वर्ष की तिथि को हुआ था। श्री वर्मा ने कहा कि इस पौराणिक व ऐतिहासिक भी भुलाया नहीं जा सकता कि जब महर्षि भारद्वाज ने राजा विक्रमादित्य को शकारी विक्रमादित्य की उपाधि से अलंकृत किया था। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत का नया साल नव निर्माण के संकल्प लेने का आह्वान करता है।

थैला बांट दिया पर्यावरण संरक्षण के संदेश, प्लास्टिक का उपयोग से है नुकसान

बक्सर। नगर परिषद बक्सर सब्जी मार्केट में लोगों के बीच कपड़े का थैला वितरित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के संदेश देकर एकल उपयोग प्लास्टिक का नुकसान की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से प्राप्त निदेश के आलोक में एवं डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिला गंगा समिति द्वारा बक्सर एवं रुद्रा ग्रुप के सदस्यों ने जागरूकता अभियान चलाया। सब्जी मार्केट में सब्जी खरीद रहे लोगों के बीच कपड़े का थैला बांटकर उन्हें सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग न करने हेतु जागरूक किया गया। जिला परियोजना पदाधिकारी जिला गंगा समिति के नेतृत्व में यह कार्यक्रम बक्सर शहर में चलाया गया। शहर के लोगों को प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ-साथ रुद्रा ग्रुप के द्वारा नुक्कड़ प्वाइंट पर गंगा की स्वच्छता,जल संरक्षण व स्वच्छता के लिए नाटक भी प्रस्तुत किया गया। जिला परियोजना अधिकारी, जिला गंगा समिति ने बताया कि जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में लोगों के बीच "गंगा की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण" हेतु आज यह जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद के स्वच्छता पदाधिकारी रवि कुमार, अभिराम सुंदर, शशि कुमार इत्यादि मौजूद थे।

तनिष्क लूटकांड मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

आरा। भोजपुर के टाउन थाना क्षेत्र अन्तर्गत शीश महल चौक स्थित तनिष्क शोरूम से करीब 10 करोड़ रुपए के जेवरात लूटे जाने के मामले में पुलिस ने जम्मू से सूरज मंडल को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान CCTV फुटेज से हुई थी। ग्राहक बनकर पहले शोरूम में जाने और फिर पिस्टल के बल पर लूटपाट करते समय उसका चेहरा फुटेज में कैद हुआ था। पकड़ा गया वांटेड सूरज मंडल मूल रूप से अररिया जिले के पलासी थाना क्षेत्र के महेन्द्रपुर गांव का निवासी है।

कुख्यात चुनमुन झा का करीबी है सूरजः सूरज, विगत 22 मार्च को अररिया में पुलिस मुठभेड में मारे गए कुख्यात चुनमुन झा का करीबी साथी बताया जाता है। पटना STF और जिला पुलिस उससे पूछताछ कर क्लू पाने की कोशिश में है। ट्रांजिट रिमांड पर उसे जम्मू से आरा लाया जा रहा है। इसके अलावा वैशाली से भी तीन अन्य संदिग्धों को उठाया गया है। 10 मार्च को घटना की सुबह 10.21 बजे पहले दो अपराधी ग्राहक के रूप में सोने की रिंग देखने के लिए आए थे एवं फर्स्ट फ्लोर के काउंटर पर जाकर सोने की रिंग दिखाने की बात कही थी। इसके बाद अन्य साथी प्रवेश किए थे। गिरफ्तार सूरज फुटेज में साफ रूप से दाढ़ी बढाए नजर आ रहा है। फुटेज में महिला सेल्समैन से खरीदारी के बहाने सोना देखते नजर आ रहा है। वारदात के बाद पुलिस से बचने के लिए वह भागकर जम्मू चला गया था। वही गुरूवार को कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के जेल में बंद दो कुख्यात अपराधियों कांड के मास्टर माइंड चंदन कुमार उर्फ प्रिंस तथा शेरू सिंह के विरुद्ध प्रोडक्शन वारंट जारी कर दिया। भोजपुर पुलिस दोनों को प्रोडक्शन वारंट के जरिए बिहार लाने की तैयारी में है। केस के आइओ सह थानाध्यक्ष देवराज राय ने दोनों के विरुद्ध प्रोडक्शन वारंट जारी होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरा कारा के जरिए पश्चिम बंगाल के पुरूलिया कारा को प्रोडक्शन वारंट भेजा जाएगा। आरा कोर्ट में उपस्थापन के बाद दोनों को रिमांड किया जाएगा। इससे पूर्व आइओ ने बुधवार को दोनों के विरुद्ध कांड में रिमांड करने एवं प्रोडक्शन वारंट के लिए कोर्ट में अर्जी दी थी।

ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट, 100 स्थानों पर दंडाधिकारी की तैनाती

आरा। ईद-उल-फितर के शांतिपूर्ण आयोजन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर शनिवार को जिला पदाधिकारी-सह-जिला दंडाधिकारी तनय सुल्तानिया और पुलिस अधीक्षक श्रीराज ने संयुक्त ब्रीफिंग की। इसमें प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। ईद का पर्व चांद दिखने के अनुसार 31 मार्च या 1 अप्रैल को मनाया जाएगा। इसे देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में 100 स्थानों पर दंडाधिकारियों की तैनाती की गई है। 5 गश्ती दलों में भी दंडाधिकारी लगाए गए हैं। 35 थानों में दंडाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। 9 प्रमुख मस्जिदों में 11 दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने मस्जिदों और ईदगाहों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया है। सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, शरारत करने या अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

बक्सर में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, 2 की मौत

बक्सर। बक्सर के धनसोई थाना क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क हादसा हुआ। बिरना-खरवनिया गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रोहतास के नासरीगंज थाना क्षेत्र के बड़िहा गांव निवासी अरविंद भुइयां के 18 साल के बेटे रोहित भुइयां और धनसोई थाना क्षेत्र के चपटहीं गांव निवासी कामता भुइयां के 16 साल के बेटे बनारसी भुइयां के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब दोनों युवक बाइक से चपटहीं स्थित अपनी चचेरी बहन मीना देवी के घर जा रहे थे। सामने से आ रही एक बाइक से टक्कर होने के बाद रोहित की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल बनारसी को सदर अस्पताल भभुआ ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

बाइक का संतुलन बिगड़ने से हादसाः धनसोई थाना अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश सिंह ने बताया कि हादसा बाइक के असंतुलित होने और तेज रफ्तार की वजह से हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। मृतकों के परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमडीजे पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद का फाइनल प्रतियोगिता रंगारंग कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कर सभी विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

निज संवाददाता। आरा

एमडीजे पब्लिक स्कूल लोहई टोला, अमरपुरी, बाली सोनवर्षा, भोजपुर में आज वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला विद्यालय के खेल मैदान पर रंगारंग कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अपने-अपने हाउस के ध्वज के साथ ड्रम बजाते हुए मार्च पास्ट किया गया तत्पश्चात विद्यालय के निदेशक डॉ नंद कुमार सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर आज के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आज के खेलों का आगाज क्रिकेट से हुआ जिसमें सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में पहुंची ब्लू हिल्स की टीम एवं यल्लो हिल्स की टीम बीच खेला गया। क्रिकेट का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ नंद कुमार सिंह के द्वारा टॉस उछलकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया तथा उन्होंने जीत के लिए दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। यल्लो हिल्स की टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए कुल आठ ओवर के मैच में 6 विकेट खोकर 48 रन बनाते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को जीत के लिए 49 रन बनाने का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लू हिल्स की टीम ने कुल आठ ओवरों में 10 विकेट खोकर 45 रन ही बना सकी फलस्वरुप यल्लो हिल्स की टीम को तीन रन से विजेता घोषित किया गया। विजेता टीम को विनर ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को रनर ट्रॉफी तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया । जूनियर ग्रुप में क्रिकेट का मुकाबला परिवर्तन हाउस एवं सृजन हाउस की टीम के बीच हुआ जिसमें परिवर्तन हाउस की टीम ने टॉस जीत कर बैटिंग करते हुए कुल 6 ओवरों में एक विकेट खोकर 69 रन बनाते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम सृजन हाउस को 70 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सृजन हाउस की टीम ने निर्धारित 6 ओवरों में छह विकेट होकर कुल 64 रन ही बना सकी जिसमें पांच रनों से परिवर्तन हाउस की टीम को विजेता घोषित किया गया। विजेता टीम को विनर ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम को रनर ट्राफी तथा प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 36 प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया था जिसमें क्रिकेट के साथ-साथ कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, खो-खो, 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 500 मीटर रेस, 1000 मीटर रेस, चेयर रेस, रिले रेस, सुई धागा रेस, जलेबी रेस,स्पून रेस, स्लो साइकिल रेस, मैथ रेस, थ्री लेग रेस, लॉन्ग जंप, हाई जंप, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, लूडो, चेस, कैरम बोर्ड इत्यादि खेल प्रमुख है। बॉयज ग्रुप में कबड्डी का मुकाबला संस्कार हाउस एवं प्रेरणा हाउस की टीम के बीच हुआ जिसमें संस्कार हाउस की टीम ने 28 पॉइंट्स लाकर जीत का परचम लहराया एवं प्रतिद्वंद्वी टीम को 10 पॉइंट से हार का सामना करना पड़ा। कबड्डी के गर्ल्स ग्रुप का मुकाबला आविष्कार हाउस एवं ध्वनि हाउस के बीच खेला गया जिसमें अविष्कार हाउस की टीम ने 12 पॉइंट्स लाकर प्रतिद्वंदी टीम ध्वनि हाउस को 4 पॉइंट्स से पराजित करते हुए जीत का परचम लहराया। विजेता टीम को विनर ट्रॉफी एवं उप विजेता टीम को रनर ट्राफी तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।100 मीटर रेस के जूनियर बॉयज ग्रुप में तन्मय पटेल कक्षा 4 A ने प्रथम स्थान, जूनियर ग्रुप में कक्षा सिक्स बी की छात्रा खुशी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस के बॉयज ग्रुप में सचिन यादव कक्षा 7 बी ने प्रथम स्थान, 1000 मीटर रेस में कक्षा सिक्स बी के कुमार धन बाबू ने प्रथम स्थान, स्लो साइकिल रेस में कक्षा सिक्स ए के अभय कुमार ने प्रथम स्थान, जलेबी रेस में जूनियर ग्रुप के कक्षा 1 ए की अदिति सम्राट ने प्रथम स्थान तथा चेयर रेस में भी कक्षा 1 एक ही छात्रा अदिति सम्राट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुई धागा रेस में अनन्या कुमारी कक्षा 3 बी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं लॉन्ग जंप में गोलू कुमार कक्षा 7 ए ने प्रथम स्थान तथा कक्षा 7 बी की छात्रा आकांक्षा कुमारी ने प्रथम स्थान तथा हाई जंप में कक्षा 7 बी के सचिन कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्पीच के जूनियर ग्रुप में आकाश राज कक्षा 5 ए ने प्रथम स्थान तथा सीनियर ग्रुप में अनुष्का कुमारी कक्षा 8 ए ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कैरम बोर्ड के जूनियर ग्रुप में कक्षा 3 बी के आर्यन कुमार तथा सीनियर ग्रुप में कक्षा 7 ए के हनी सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को गोल्ड मेडल, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सिल्वर मेडल एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ब्रोंज मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक डॉ नंद कुमार सिंह ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी बेहद जरूरी है तभी बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव होगा। खेलने से बच्चों की बौद्धिक क्षमता तो विकसित होती ही है साथ ही उनमें एक नया स्किल डेवलप भी होता है जो आगे चलकर उनके भविष्य निर्माण में सहायक होता है। हमारे विद्यालय में प्रत्येक वर्ष दो बार खेलों के महासमर का आयोजन किया जाता है जिसके लिए हमारे विद्यालय के शिक्षक प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें भिन्न-भिन्न इवेंट्स में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने को प्रेरित करते हैं। इस बार वार्षिक खेल कूद महोत्सव में कुल 36 प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया था जिसमें अलग-अलग खेलों में इस विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी अपनी रुचि के हिसाब से भाग लिए तथा बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी जीत का परचम लहराया। इन खेलों का उद्देश्य बच्चों का स्किल डेवलप करते हुए उनके करियर निर्माण की दिशा में एक नई गति प्रदान करना है ताकि बच्चे आगे चलकर भविष्य में अपने माता-पिता, गुरूजनों के साथ-साथ अपने गांव, समाज तथा अपने राज्य का नाम रोशन करते हुए राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सजग प्रहरी की भूमिका निभा सकें। खेल शिक्षक की भूमिका विद्यालय के खेल शिक्षक दीपक कुमार तथा संतोष कुमार सिंह ने निभाई एवं समन्वयक की भूमिका सुरेश कुमार सिंह ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरीय शिक्षक मुन्ना कुमार ने किया। इन खेलों के सफल आयोजन में विद्यालय के प्राचार्य ए के घोष के नेतृत्व में उप प्राचार्य मुकेश कुमार, वीर बहादुर सिंह, राकेश रोशन, आकाश शर्मा, धिरेंद्र नाथ तिवारी, डॉक्टर सुशीला कुमारी, प्रीति कुमारी, राजेश्वरी शर्मा, सुष्मिता कुमारी, सविता कुमारी, दीक्षा कुमारी, सरिता सिंह, रीता सिंह समेत विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान सराहनीय रहा तथा सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । मौके पर विद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे।

बक्सर में पार्टी के बहाने बुलाकर युवक की हत्या

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर पुलिस ने कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में हुई युवक की हत्या मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि सात अन्य आरोपी अभी फरार हैं। इसके बारे में जानकारी देते हुए डुमरांव के डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने बताया की यह केश पूरी तरह से ब्लाइंड था। इसके उद्भेदन में तकनीकी टीम को काफी मेहनत करना पड़ा। लालगंज कड़वी की रहने वाली संतरा देवी के बेटे विकास कुमार उर्फ अरविन्द कुमार(17) की लाश 15 अक्टूबर 2024 को टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के पास मिली थी। विकास 14 अक्टूबर को अपने दोस्त से मिलने के लिए घर से निकला था। शराब के विवाद में की हत्याः पुलिस ने 29 मार्च 2025 को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गुरुदास मठिया निवासी पवन कुमार पाण्डेय को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि हत्या में कुल आठ लोग शामिल थे। आरोपियों ने शराब को लेकर हुए विवाद के बाद विकास को नया भोजपुर के पास बुलाया। वहां पार्टी के बहाने उसकी हत्या कर शव रेलवे लाइन के किनारे फेंक दिया।

7 फरार आरोपी की तलाश जारीः फरार आरोपियों में अंकित राय, अनुराग कुमार, मयंक, रोहित, आकाश, अंकित यादव और पियूष कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी पवन पाण्डेय का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर पहले भी हत्या का प्रयास, मारपीट और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

भोजपुर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के छोटी खवासपुर गांव में समाजसेवी सोनाली सिंह के द्वारा रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें बीपी, शुगर, फीवर सहित अन्य रोगों की जांच हुई। इस स्वास्थ्य शिविर में समय हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं सहित अन्य गांवों के लोग भी पहुंचे और अपनी जांच करवाई।

150 से अधिक ग्रामीणों ने करवाई जांचः इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग 150 से अधिक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे एक सकारात्मक प्रयास बताया। ग्रामीणों का कहना था कि स्वास्थ्य जांच के लिए उन्हें कई किलोमीटर दूर शहर जाना पड़ता था, लेकिन इस शिविर के माध्यम से उन्हें अपने ही गांव में यह सुविधा प्राप्त हो गई। इससे गांव में खुशी का माहौल देखा गया। लोगों ने मांग की कि इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाएं।

गंभीर बीमारियों की भी हुई जांच, इलाज की दी गई सुविधाः समाजसेवी सोनाली सिंह ने बताया कि इस जांच शिविर में बीपी, शुगर, हार्ट संबंधी बीमारियों की जांच की गई। यदि किसी को आंखों की समस्या है, तो समय हॉस्पिटल, पटना और आरा की टीम उनकी अगली जांच अस्पताल में करेगी। जिनके पास आयुष्मान कार्ड है, उनका इलाज उसी के तहत किया जाएगा और जिन्हें कार्ड नहीं मिला है, उनके लिए इसे बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। डॉक्टर मनोज कुमार ने जानकारी दी कि सुबह से लगभग 150 मरीजों की जांच की गई। जनरल फिजिशियन डॉक्टरों ने सभी रोगियों की जांच की और दवाओं का भी निःशुल्क वितरण किया गया। वहीं डॉक्टर नीरज कुमार ने कहा कि जब भी मौका मिलता है, इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है, ताकि ग्रामीणों को निशुल्क जांच और दवा की सुविधा मिल सके।

ब्लड प्रेशर, शुगर, ब्लड, यूरीन टेस्ट समेत कई जांचें हुईः इस स्वास्थ्य शिविर में 150 मरीजों के ब्लड प्रेशर, शुगर, ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट एवं अन्य बीमारियों की जांच की गई। ग्रामीणों को बीमारी से बचाव और आपातकालीन स्थितियों में क्या करें, इसकी भी जानकारी दी गई। डॉक्टरों ने संयम और ऐहतियात बरतने के साथ घरेलू उपचार और प्राथमिक चिकित्सा के विषय में भी विस्तृत जानकारी दी। स्वास्थ्य जांच कराने आए गांव के निवासी पतिराम राम ने बताया कि उन्हें पैर में एक्जिमा की समस्या थी और वह इसी का इलाज कराने आए थे। लेकिन स्वास्थ्य जांच के दौरान उन्हें ब्लड प्रेशर और शुगर की बीमारी का भी पता चला।

बक्सर में प्रशिक्षु की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक मामला सामने आया है। बाबा नगर में एक 22 साल के युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के मैनपुरी निवासी आदित्य कुमार वर्मा के रूप में हुई है। वह बक्सर में रहकर सुनारी का काम सीख रहा था। परिजनों को जब कई दिनों से युवक से संपर्क नहीं हो पाया, तो वे उसके किराए के मकान पर पहुंचे। दरवाजा न खुलने पर छत के रास्ते जब अंदर गए तो देखा की कमरे में युवक का शव पड़ा हुआ है। जिसकी पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आगे का दरवाजा तोड़कर देखा तो अंदर युवक का शव पड़ा मिला।

गले पर बिजली के तार के निशान मिलेः जांच में युवक के गले पर बिजली के तार के निशान मिले हैं। कमरे में चारों तरफ खून के धब्बे भी पाए गए हैं। बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि मृतक युवक को आखिरी बार 27 मार्च को कमरे में जाते देखा गया था। शव की स्थिति से अनुमान है कि मौत दो दिन पहले हुई है। बॉडी सड़ने लगा है। एसडीपीओ धीरज कुमार के अनुसार एफएसएल टीम ने मौके से सैंपल लिए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

♦ कमरे में मिला 22 साल के युवक का शव, गले पर बिजली के तार के निशान, हत्या की आशंका

सीनियर सिटीजन का एक दिवसीय सामूहिक धरना

निज संवाददाता। आरा

वरिष्ठ नागरिकों को पूर्व में मिलने वाली रेलवे टिकटों पर पुनः छूट को लेकर आरा रेलवे परिसर के इंक्वारी काउंटर के सामने एक दिवसीय सामूहिक धरना का आयोजन किया गया। इस धरना का आयोजन सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के द्वारा किया गया। धरना पर बैठे सभी सीनियर सिटीजनों ने रेलवे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना पर सैकड़ों सीनियर सिटीजन मौजूद थे। धरना पर बैठे राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रसाद सिंह पूरे राष्ट्रीय स्तर पर सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के बैनर तले एक सूत्री मांग को लेकर इसका आयोजन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- केंद्र सरकार ने बंद किया आरक्षणः पुरुष सीनियर सिटीजन को 50 साथ ही महिला सीनियर सिटीजन को 40 प्रतिशत मिलता था। यह सभी ट्रेनों और सभी बोगियों चाहे AC हो या स्लीपर कोच हो सभी में छूट मिलती थी। रेलवे ने यह सारी सुविधा कोरोना काल के बाद से बंद कर दिया है। उन्होंने बताया कि पहले जितने भी सीनियर सिटीजन थे या अभी भी जो है वे सभी लोग तीर्थों पर घूमने जाते थे। लेकिन पहले छूट मिलता था, लेकिन अब रेलवे ने यह छूट देना बंद कर दिया है। अगर रेलवे हमारी मांग पूरी नहीं करता है तो यह आंदोलन आगे और भी चलेगा। सभी के घर में बुजुर्ग है। रेलवे में छूट मिलने से सभी चिकित्सा के लिए मुंबई, दिल्ली जाते थे। पर्यटन के लिए अयोध्या,हरिद्वार जाते थे। आगे कहा कि केंद्र सरकार ने यह आरक्षण बंद किया है, मैं इसका घोर आलोचना कर रहा हूं। एक तरफ अपना वेतन 24 प्रतिशत बढ़ा देते है। दुर्भाग्य है कि पक्ष-विपक्ष देश के संसद में कोई भी सांसद इसका विरोध नहीं करता।

ईद-रामनवमी को पुलिस अलर्ट

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में ईद और रामनवमी के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एसपी शुभम आर्य ने जिले में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखा है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरू कर दी है। थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर रहेगी नजरः ईद-उल-फितर की नमाज के लिए जिले की 18 मस्जिदों में अलग-अलग समय तय किया गया है। बड़ी मस्जिद और हजरत गुलाम हुसैन शाह मस्जिद में सुबह 8:30 बजे नमाज होगी। कश्मीरी मस्जिद, गजाधरगंज मस्जिद और नूरी मस्जिद में 8:15 बजे नमाज अदा की जाएगी। मुसाफिरगंज मस्जिद, कर्बला मस्जिद, रेहलवाली मस्जिद और नालबंद टोली मस्जिद में नमाज का समय सुबह 8 बजे है। सिविल लाइन, दर्जी मोहल्ला और मदीना मस्जिद में 7:45 बजे नमाज होगी। जुल्फजल मस्जिद में सबसे देर 9 बजे नमाज अदा की जाएगी। दरसा दारुल उलूम अशरफिया मुख्तारूल उलूम के सचिव डॉ. निसार अहमद द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र को प्रशासनिक अधिकारियों को भेजा गया है, ताकि सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाई जा सकें।

चौक-चौराहों पर रहेगी पुलिस की तैनातीः बक्सर पुलिस प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिले के प्रमुख चौक-चौराहों और प्रवेश मार्गों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस-प्रशासन का उद्देश्य सभी धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न कराना है।पुलिस-प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

♦ बक्सर के 18 मस्जिदों में अलग-अलग समय पर होगी नमाज, ड्रोन से होगी निगरानी

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

उधना व आनंद विहार के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेनें

भागलपुर। गर्मी की छुट्टियां नजदीक आते ही रेलवे ने तैयारी शुरू कर दी है। भागलपुर से आनंद विहार के बाद लंबे रूट की दो अतिरिक्त ट्रेन दी गई है। रेलवे के अधिकारी ने बताया कि बच्चों के स्कूल बंद होने पर ट्रेनों में भीड़ बढ़ती है। कहा कि ये रेलवे का रूटीन का काम है कि यात्रियों की सुविधा पर ध्यान रखा जाए। पिछली बार भी लालकुआं-मालदा टाउन, भागलपुर से गोधरा, सूरत-मालदा, मालदा टाउन-उधना सहित कई ट्रेनें चलाई गई थीं। विक्रमशिला एक्सप्रेस, सूरत साप्ताहिक, एलटीटी वीकली जैसी ट्रेनों में मुश्किल से सीट मिलती है। इसी को देखते हुए रेलवे ने दो अतिरिक्त ट्रेनों की सूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 03435 स्पेशल ट्रेन मालदा टाउन से सुबह 9.30 बजे खुलेगी और दोपहर 12.51 बजे भागलपुर आएगी। पांच मिनट के ठहराव के बाद सुल्तानगंज, जमालपुर, किऊल होते हुए शाम छह बजे पटना पहुंचेगी। 10 मिनट के स्टॉपेज के बाद ट्रेन आर, डीडीयू, प्रयागराज, गोविंदपुरी होते हुए आनंद विहार दोपहर डेढ़ बजे पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 03435 स्पेशल मंगलवार को शाम पौने चार बजे आनंद विहार से चलकर उपर्युक्त रूट से होते हुए बुधवार दोपहर 01:10 बजे पटना आएगी। 10 मिनट रुकने के बाद शाम पौने सात बजे भागलपुर आएगी। ट्रेन संख्या 03413 मालदा-दिल्ली समर स्पेशल 12 अप्रैल को सुबह 7.35 बजे खुलेगी और 10.50 बजे भागलपुर आएगी। पांच मिनट ठहराव के बाद ट्रेन आगे जाएगी। वहीं, ट्रेन संख्या 03414 13 अप्रैल को दिल्ली से 1.35 बजे चलेगी और दूसरे दिन 12.45 बजे भागलपुर पहुंचेगी। जबकि 03417 मालदा टाउन-उधना समर स्पेशल 12 अप्रैल को मालदा से 12.20 बजे खुलेगी और 3.35 बजे यह भागलपुर पहुंचेगी।

एनेस्थिसिया विभाग के इंचार्ज को लेकर आपस में ठन गई

भागलपुर। मायागंज अस्पताल में एनेस्थिसिया विभाग के इंचार्ज को लेकर आपस में ही ठन गई है। फिलहाल कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर डॉ. महेश कुमार ने डॉ. आलोक शर्मा को एनेस्थिसिया विभाग का प्रभार दिया है। वहीं आईसीयू के इंचार्ज का प्रभार डॉ. महेश ने अपने पास ही रखा है। लेकिन दिक्कत यह है कि सरकारी विभाग से आनेवाले पत्राचार का उत्तर कौन देगा, यह तय नहीं हो पा रहा है। इसे लेकर अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि यह दोनों जिम्मेदार पदाधिकारी अपने स्तर से तय कर लें। इसके बाद एक रिपोर्ट बनाकर प्रबंधन को दे दें।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के काम में तेजी

भागलपुर। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के भागलपुर दौरे के साथ ही योजनाओं में गति आ गई है। बरारी स्थित 300 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से लोगों को जल्द जलापूर्ति शुरू होने की संभावना है। ट्रिपल आईटी के पास एनओसी नहीं मिलने के कारण काम पूरा होने में देरी हो रही है। मुख्य सचिव के निर्देश के बाद एनओसी मिल गयी है। इसके साथ ही काम में तेजी आ गई है। तीन महीने के अंदर काम पूरा होने की संभावना है। बताया गया कि करीब 67 हजार घरों में इस बार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से जलापूर्ति की जाएगी। बता दें कि गंगा नदी के किनारे बने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से गंगाजल को शुद्ध कर उसे शहर के लोगों को जलापूर्ति की जाएगी।

1 अप्रैल से भागलपुर, खगड़िया और मुंगेर में टोल शुल्क नई दरों पर लगेंगी

भागलपुर। भागलपुर और आसपास के टोल प्लाजा की दरें पहली अप्रैल से बढ़ जाएंगी। एनएचआई ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नई दरों का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नई दरें 31 मार्च की रात 12 बजे से लागू होंगी। इसका असर भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, मोकामा रूट से गुजरने वाले वाहनों पर पड़ेगा। इन प्लाजा से रोज औसतन 5 लाख छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। टोल दरें पांच से 10 रुपये तक बढ़ाई गई हैं। मासिक पास की दरें भी बढ़ी हैं। एनएचएआई के परियोजना निदेशक मनीष कुमा ने बताया कि हर साल टोल की दरों में बदलाव किया जाता है। 31 मार्च की रात 12 बजे से भागलपुर बाइपास, मुंगेर-खगड़िया एनएच-333बी हाईवे के बालगुदर, मोकामा-मुंगेर एनएच 80 के माल्हीपुर टोल प्लाजा पर नई दरों के हिसाब से भुगतान करना होगा। टोल प्लाजा से गुजरने वाली कार, हल्के माल वाहक, बस व ट्रक, भारी माल वाहक समेत छह तरह के वाहनों के लिए दरें संशोधित की गई हैं। टोल दरों में दो से पांच प्रतिशत बढ़ी है।

विवि ने नहीं सुनीं तो राजभवन से गुहार, सालभर बाद भी न्याय नहीं

भागलपुर। पुराने कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने टीएमबीयू में एक सीनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा था कि जिन्हें कोई परेशानी या शिकायत हो, उनके लिए राजभवन के द्वार हमेशा खुले हैं। लेकिन राजभवन की हकीकत यह है कि विवि ने नहीं सुनी और तब राजभवन से शिकायत का नतीजा भी शून्य ही निकला। टीएमबीयू से जुड़े ऐसे कई मामले हैं, जिनमें राजभवन के निर्देश भी लोगों के काम नहीं आ रहे। इनमें एक-दो दिन या महीने नहीं बल्कि एक साल या इससे ज्यादा पुराने मामले हैं। खुद राजभवन की कार्यशैली ऐसी कि मामला टीएमबीयू का था और उसने इसे देखने के लिए केएसडीएसयू को निर्देश दे दिया। एक मामला टीएमबीयू के एसएसवी कॉलेज कहलगांव के प्रभारी प्राचार्य के पद से रिटायर हुए व्यास नारायण भारद्वाज का है। इन्होंने सातवें वेतनमान में सेवानिवृत्ति के सभी प्रकार के बकाए के अंतर की राशि के भुगतान के लिए जनवरी और फरवरी 2024 में राजभवन को पत्र भेजा था, क्योंकि टीएमबीयू में उनकी सुनवाई नहीं हुई। इस मामले में 10 मार्च 2025 को राजभवन के अपर सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने केएसडीएसयू दरभंगा को पत्र जारी कर दिया। जबकि महावीर प्रसाद मार्च 2024 में जब विशेष कार्य पदाधिकारी थे, तब इसी मामले में कार्रवाई के लिए उन्होंने टीएमबीयू को पत्र भेजा था।

कायाकल्प योजना में राज्य में चौथे नंबर पर आया भागलपुर

भागलपुर। कायाकल्प योजना में राज्य में भागलपुर चौथे नंबर पर आया है। इसमें 83.85 अंक भागलपुर को मिले हैं। पहले नंबर पर बेगूसराय 96.2, दूसरे पर बांका 91.61 व शेखपुरा 97.9 अंक लाकर भी तीसरे स्थान पर रहा। क्योंकि नियम के अनुसार पिछली बार शेखपुरा नंबर-1 पर था तो लगातार दूसरी बार उस जिले को यह खिताब नहीं मिल सकता। इसी तरह 2022 में भागलपुर को राज्य में नंबर-1 का खिताब मिला था, 2023 में भी अंक ज्यादा था लेकिन पोजीशन कम की गयी थी। रैंकिंग के बाद प्रथम स्थान वाले को 50 लाख दूसरे स्थान पर 20 लाख व तीसरे एवं चौथे स्थान वाले को तीन लाख रुपए अतिरिक्त राशि दिए जाएंगे। वहीं जिले के दस सीएचसी की रैंकिंग में नंबर-1 पोजीशन पर 79.69 अंक लाकर गोपालपुर बना। जबकि दूसरे नंबर पर सबौर 78.12, तीसरे में 76.46 जगदीशपुर का रहा। इसी तरह नवगछिया का 76.15, सन्हौला 74.92, बिहपुर 74.76, इस्माइलपुर 71.84, रंगरा 70.76 एवं कहलगांव का 70.61 रहा। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम मणिभूषण झा ने बताया कि हमलोगों की टीम ने अच्छा काम किया है। रैंकिंग हर जिले के हिसाब से होती है, जिस जिले को एक बार नंबर-1 का खिताब मिला, लगातार दूसरे साल यह नहीं मिल सकता।

भागलपुर सदर अस्पताल कैंपस में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, स्थानीय लोगों ने पाया काबू

भागलपुर। भागलपुर में शॉर्ट सर्किट से सदर अस्पताल परिसर में आग लग गई। आग, पास के फल दुकान तक पहुंच गई। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।दरअसल, कैंपस में 11000 बोल्ट वायर से सटा हुआ पेड़ है, इसके स्पार्क की चिंगारी से आग फैली और आग ने भयावह रूप ले

लिया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। घटनास्थल के आस-पास दर्जनों फल की दुकानें हैं। घटना में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं है। आग की लपटे देख हम लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद आग पर किसी तरह काबू पाया जा सका। घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

भागलपुर में हिंदू नववर्ष की धूम भागलपुर में निकाली गई रैली

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ स्कूली बच्चों ने लिया हिस्सा, ढोल-नगाड़े के साथ हुए शामिल

भागलपुर में हिन्दू सनातन संस्कृति के अनुसार रविवार को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नव वर्ष का आरंभ हुआ है। इस दिन जिले के नारायणपुर प्रखंड में ऐतिहासिक ढंग से नव वर्ष का अभिनंदन किया गया।

प्रखंड भगवा ध्वज, बैनर, पोस्टर नजर आए तो वहीं हिन्दू धर्मावलंबियों ने हाथ में भगवा ध्वज, तिरंगा लेकर जुलूस निकाला। प्रखंड के बलाहा गांव में स्थित स्वामी विवेकानंद सरस्वती शिशु मंदिर से भव्य रैली निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। गांव में जगह-जगह रैली का स्वागत किया गया। वहीं, आकर्षण का केंद्र भारत माता का स्वरूप बना रहा।

भारत माता की जय की लगाए नारेः स्कूल के प्रधानाध्यापक शिव शंकर प्रसाद सिंहा ने बताया कि इस दौरान सभी बच्चे ने हाथों में भगवा धारी झंडे को लेकर हिन्दू नववर्ष मंगलमय हो, भारत माता की जय और जय श्री राम का नारा लगाते हुए गांव का भ्रमण किया। आचार्य रामसागर सहनी ने बताया कि रैली स्कूल प्रांगण से मधुरापुर बाजार होते हुए गणेश पथ से ग्रामीण रास्ता होते हुए पुनः स्कूल परिसर को गई। इसमें लगभग 400 छात्र- छात्रा और आचार्य सहित पुलिस जवान शामिल थे।

872 करोड़ से अधिक के घाटे का बजट पारित

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर विश्वविद्यालय की बजट सीनेट की छठी बैठक शनिवार को आरडी एंड डीजे कॉलेज के ऑडिटोरियम में हुई। कुलपति प्रो. संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में 872 करोड़ 74 लाख 26 हजार 752 रुपये के घाटे का बजट पारित किया गया। अब इसे सरकार के पास भेजा जाएगा। कुलाधिपति की अनुपस्थिति में बजट सीनेट की अध्यक्षता कर रहे कुलपति ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए चुनौतियों को भी सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे सपने बड़े हैं। जिसे हकीकत में बदलने के लिए हमारा संघर्ष जारी है। उन्होंने विवेकानंद के कथन की याद दिलाते हुए कहा कि संघर्ष जितना कठिन होगा... जीत उतनी ही शानदार होगी। इधर डीएसडब्ल्यू ने सीनेट की बैठक में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विवि की कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को ब्यौरेवार रखा। उन्होंने विवि के लिए मिलजुलकर चलने को काव्यात्मक शैली देते हुए सदस्यों से कहा कि ... हम दोनों साथ चले, दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे, साथ चलने को जानते थे। सीनेट की बैठक का संचालन रजिस्ट्रार कर्नल विजय कुमार ठाकुर ने बखूबी किया। पूर्व की बैठकों के कार्य वृत्त की संपुष्टि कराते हुए उन्होंने बजट को ससमय पारित करवाने में बुद्धिमानी दिखाई। दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ सीनेट के बैठक की शुरूआत हुई। कुलगीत के बाद सीनेट की बैठक विधिवत 12:10 में शुरू हुई। प्रॉक्टर प्रो. संजय भारती ने कुलपति का सम्मान, तो धन्यवाद ज्ञापन सीसीडीसी डॉ. दिवाकर कुमार ने किया। 59 सीनेट सदस्यों में केवल 34 सदस्य उपस्थित हुए। जिसमें 10 सदस्यों ने सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी निभाई। सीनेट की बैठक में सदस्यों के अलावे अन्य लोग भी घुस आए थे, जो आमंत्रित नहीं थे।

भागलपुर में 9 दिवसीय भागवत कथा का आयोजन

निज संवाददाता। भागलपुर

सुल्तानगंज में निकाली गई शोभायात्रा, सैकड़ो महिला कलश शोभायात्रा में शामिल

भागलपुर के सुल्तानगंज में हिन्दी नर्व वर्ष को लेकर बिहंगम योग संस्थान भागलपुर के तत्वावधान में सुल्तानगंज प्रखंड के गंगापुर, नारायणपुर रोड स्थीत जयकिशौर यादव के आवास से एक दिवसीय विहंगम योग सत संग को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शाहाबाद, मुंशी पट्टी, पटेल नगर, दुधैला सहित अन्य जगहों भ्रमण करते हुए एक दिवसीय विहंगम योग सत संग का आयोजन शुरू की गई। इस शोभायात्रा में सैकड़ों महिलाएं, दर्जनों पुरुष ढोल बाजा गाजा के साथ सदगुरु सदाफलदेव जी महाराज के नारे लगाते हुए बिहंगम योग का आयोजन किया गया। चैत्र नवरात्र को लेकर श्री श्री 108 चैती दुर्गा मंदिर शाहाबाद से नौ दिवसीय भागवत कथा को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाला गया। चैती दुर्गा मंदिर शाहाबाद से हजारों, महिलाएं, पुरुष, युवक, युवती शामिल होकर अजगैबीनाथ गंगा घाट पहुंचकर महिलाएं माथे पर कलश लेकर ढोल बजा गांजा, घोड़ा, झांकी निकालकर पैदल चैती दुर्गा मंदिर शाहाबाद पहुंचकर नौ दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया। मौके पर पूर्व विधायक प्रत्याशी रवि सुमन कुमार उर्फ अरुण मंडल,पुर्व वार्ड पार्षद मनोज यादव, पुर्व सभापति प्रत्याशी जवाहरलाल मंडल, मिथलेश झा, पंकज शर्मा, अफरोज आलम भागलपुर जिले के बिहंगम योग संस्थान के श्यामाकांत उपाध्याय, सुमित कुमार पंकज कुमार कैलाश कुमार वकील दास, सिकंदर पासवान विनय प्रभाकर सहित इत्यादि विहंगम योग के सदस्य गण मौजूद थे।

टीएमबीयू में तीसरी बार बिजली आपूर्ति ठप, बिजली विभाग ने थमाया 15 करोड़ 10 लाख का बकाया बिल

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ विवि प्रबंधन ने लगाए आरोप

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) की बिजली आपूर्ति एक बार फिर से ठप कर दी गई। बिजली विभाग ने विश्वविद्यालय प्रशासन को 15 करोड़ 10 लाख रुपए का बकाया बिल थमाते हुए बिजली काट दी। जिसको लेकर प्रशासनिक भवन, पुस्तकालय, सभी विभागों और शाखाओं की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। जिसका सीधा असर छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों पर पड़ा है, जिससे वे भारी परेशानी झेल रहे हैं। इसको लेकर कुलपति का कहना है कि बिजली विभाग का पावर सब-स्टेशन नाथनगर में विश्वविद्यालय की जमीन पर स्थित है। कुलपति ने मांग की है कि पहले विश्वविद्यालय को 30 साल का किराया दिया जाए, उसके बाद ही बिजली बिल का भुगतान किया जाएगा। कुलपति ने बिजली विभाग पर रंगदारी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे समय में बिजली काटी गई है जब परीक्षाएं चल रही हैं, गर्मी का मौसम है और महामहिम का कार्यक्रम भी कुछ दिनों में होने वाला है।

कोर्ट में मामला विचाराधीन, फिर भी बिजली विभाग की कार्रवाईः गौरतलब है कि पिछले डेढ़ साल में यह तीसरी बार है जब विश्वविद्यालय की बिजली आपूर्ति ठप कर दी गई। मामला कोर्ट में लंबित होने के बावजूद बिजली काटी गई। बिजली नहीं रहने के कारण विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और पुस्तकालयों में छात्र-छात्राओं की संख्या में भारी कमी देखी जा रही है। इसके अलावा, पानी की समस्या और भीषण गर्मी के कारण छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जब बिजली विभाग के अधिकारियों से इस विषय पर कैमरे के सामने बात करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि बिजली विभाग के आदेश पर ही यह कार्रवाई की गई है। वहीं, अधिशासी अभियंता ने खुद को भागलपुर से बाहर बताकर किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पिकअप का शीशा टूटने पर बुजुर्ग को पीट-पीटकर मार डाला, पड़ोसी ने 10 मिनट में 100 से ज्यादा मारी लाठियां

निज संवाददाता। भागलपुर

गाड़ी के बगल में पेशाब कर रहे थे

भागलपुर में शनिवार को राजमिस्त्री की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक 60 वर्षीय भोला तांती दोपहर का खाना खाकर घर के बगल में खाली जमीन पर पेशाब करने गए थे। भोला की आंख की रोशनी 50 प्रतिशत ही है, उन्हें सब धुंधला दिखता है। इसलिए वे लाठी लेकर चलते थे। जहां वे पेशाब के लिए बैठे थे वहां पड़ोसी अरुण का पिकअप लगा था। जैसे ही भोला उठे उनकी लाठी से पिकअप का शीशा टूट गया। शीशा टूटने की आवाज पर अरुण अपने घर से दौड़ते हुए निकला और बुजुर्ग की लाठी छीनकर पिटाई कर दी। अरुण ने बुजुर्ग को 10 मिनट तक पीटा, इस दौरान करीब 100 बार उनपर लाठियां बरसाईं। बुजुर्ग के दो बेटे हैं जो घर पर नहीं थे। उन्हें फोन से किसी ने सूचना दी। तब वे घर पहुंचे। वारदात के वक्त घर पर सिर्फ महिलाएं ही थी। घटना ईशाकचक थाना क्षेत्र अंतर्गत गुमटी नंबर एक की है।

हम जबतक पहुंचे, पिता की मौत हो गईः भोला तांती के बेटे सुनील तांती और छोटू तांती ने कहा कि हम लोग किसी काम में व्यस्त थे। तभी हम लोगों को मोबाइल से सूचना मिली कि मेरे पिताजी को अरुण तांती ने डंडे से मारकर अधमरा कर दिया है। जब हम लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो मेरे पिताजी भोला शांति की मौत हो चुकी थी।

आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तारः वही घटनास्थल पर ईशाकचक थाने की पुलिस पहुंची और छानबीन में जुट गई। FSLकी टीम भी कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। ईशाकचक थाना पुलिस ने आरोपी अरुण तांती को गिरफ्तार कर लिया है।

सनकी व्यक्ति है अरुणः ग्रामीणों ने कहा कि ड्राइवर अरुण तांती कुछ सनकी टाइप का युवक था। जिसके चलते गांव के लोगों से उसकी अच्छी नहीं बनती थी।

हादसे के वक्त जब तक लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकलते तब तक अरुण ने भोला की हत्या कर दी थी। अरुण अपने माल वाहक वाहन से सामान ढोने का काम करता था। भोला राजमिस्त्री का काम किया करता था। जिसे आंखों से धुंधला दिखाई देता था। जिसके चलते वह डंडे के सहारे चलता था।

कांग्रेस से महिलाओं को जोड़ने की रणनीति

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ भागलपुर में विधायक के आवास पर नारी संवाद कार्यक्रम, ऑल इंडिया महिला कांग्रेस के पर्यवेक्षक बने सुमित

भागलपुर में शनिवार को कांग्रेस पार्टी से महिलाओं को जोड़ने के लिए नगर विधायक अजीत शर्मा के आवास पर नारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें शहर की दर्जनों महिलाएं शामिल हुईं। दरअसल, कांग्रेस की महिला अध्यक्ष अल्का लांबा के आह्वान पर सुमित मिश्रा को ऑल इंडिया महिला कांग्रेस के पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। मिश्रा भागलपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को कांग्रेस पार्टी के प्रति जागरूक करेंगे। मिश्रा ने महिलाओं को कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं को अधिकार दिलाने की अहम जिम्मेदारी निभा रही है। देश आजाद होने के बाद महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था। संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर ने महिलाओं को अधिकार दिलाया। उन्होंने महिला को स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित किया।

महिलाओं को अपनी भागीदारी निभानी होगीः सुमिता मिश्रा की अध्यक्षता में कांग्रेस के कैंप कार्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मिश्रा ने कहा कि आज के वर्तमान समय में महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वाबलंबी बनना आवश्यक है। महिलाओं को आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी से जुड़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चत करनी होगी। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ना होगा।

रोजेदार ईदगाह की रंग-रोगन के साथ की सफाई शुरू

निज संवाददाता। मुंगेर

रमजान के अलविदा की नमाज शुक्रवार को खत्म होने के बाद रोजेदार अब ईद की तैयारी में जुट गए हैं। बाजारों में कपड़े, श्रृंगार, जूते-चप्पल की खरीदारी जोरों पर है। दुकानों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। कोतवाली थाना की पुलिस बाजार में लगातार गश्त कर रही है। तोपखाना बाजार में जामा मस्जिद के पास लच्छेदार सेवई, इत्र और टोपी की कई दुकानें सजी हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग इनकी जमकर खरीदारी कर रहे हैं। सेवई की खरीदारी आम लोग भी कर रहे हैं। ईदगाह की तैयारी भी तेज हो गई है। संभावना है कि 30 मार्च को चांद दिखने के बाद 31 मार्च को ईद मनाई जाएगी। अब सिर्फ एक दिन का समय बचा है। ईदगाह में नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने ईदगाह का निरीक्षण किया। डीजे कॉलेज स्थित ईदगाह में सबसे ज्यादा भीड़ होती है। वहां नगर निगम की ओर से सफाई और रंग-रोगन कराया जा रहा है।

ईद की नमाज सबसे पहले ईदगाह में होती है। इसके बाद लोग मस्जिदों में नमाज अदा करते हैं। फिर परिजनों और दोस्तों के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हैं। शहर की प्रमुख मस्जिदों में तोपखाना बाजार की जामा मस्जिद, खानकाह मस्जिद, किला परिसर की शाही मस्जिद, पूरबसराय मस्जिद, बेलन बाजार मस्जिद, कस्तूरबा वाटर स्थित मस्जिद, मकससपुर मस्जिद सहित कई छोटी मस्जिदों में भी भीड़ रहेगी। प्रखंड क्षेत्र की मस्जिदों में भी नमाज के लिए लोग जुटेंगे। ईद को लेकर सफाई और सुरक्षा की होगी मजबूत व्यवस्था ईद की तैयारी को लेकर अंजुमन हिमायत-ए-इस्लाम के संयुक्त सचिव इम्तियाज रहमानी, राजा कर्ण मीर कासिम समिति के अध्यक्ष जफर अहमद, कासिम बाजार थाना प्रभारी रूबीकांत कच्छप, सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार और नगर निगम सफाई प्रभारी राहुल कुमार मौजूद रहे। इम्तियाज रहमानी ने जिला प्रशासन से ईदगाह में सफाई, पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे और पानी के टैंकर की मांग की। जफर अहमद ने भी सुरक्षा और सफाई की व्यवस्था मजबूत करने की बात कही। थानाध्यक्ष ने बताया कि अधिकारियों को मामले की जानकारी दे दी गई है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

रेल पटरी टूटी, ग्रामीण की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना

■ सहरसा-आनंद विहार गरीब रथ एक्सप्रेस को 4 घंटे रोका, अन्य ट्रेनें भी हुईं लेट

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिला के जाले प्रखंड क्षेत्र के जोगियारा रेलवे स्टेशन के पूरब आउटर सिग्नल के पास शनिवार सुबह रेल पटरी टूट गई। सीतामढ़ी-दरभंगा रेलखंड पर हुई इस घटना से कई ट्रेनों का परिचालन घंटों बाधित रहा। समय रहते एक ग्रामीण ने टूटी पटरी देख ली और रेलकर्मी को सूचना दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गांव के राम किसुन बैठा सुबह टहलने निकले थे। किलोमीटर 7213 और 7214 के बीच दाहिनी पटरी पर बेल्डिंग की जगह टूटी दिखी। उन्होंने तुरंत चाबीमैन अभिमान कुमार को जानकारी दी। अभिमान ने जोगियारा स्टेशन मास्टर को सूचना दी। इसके बाद सहरसा-आनंद विहार गरीब रथ एक्सप्रेस को चार घंटे, समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर सवारी गाड़ी और रक्सौल-दरभंगा सवारी गाड़ी को दो-दो घंटे जनकपुर रोड स्टेशन पर रोका गया। कई अन्य ट्रेनें भी जनकपुर रोड स्टेशन पर रुकी रहीं। रेल इंजीनियरिंग विभाग के पीडब्लू-वाय धनंजय कुमार और एसएसई नवीन कुमार मौके पर पहुंचे। एक दर्जन से ज्यादा रेलकर्मी लाइन की मरम्मत में जुटे। फिलहाल अस्थायी मरम्मत कर परिचालन शुरू कर दिया गया है।स्थायी मरम्मत का कार्य जारी है।

बेतिया में अगलगी से 12 घर जलकर राख

बेतिया, एजेंसी। बेतिया के मझौलिया थाना क्षेत्र की बखरिया पंचायत स्थित मुसहर टोली में शनिवार रात एक भीषण अग्निकांड में 12 से अधिक घर जलकर राख हो गए। घटना शनिवार रात करीब 9:30 बजे की है। बताया जा रहा है कि इस आग ने देखते ही देखते पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयंकर लपटों में कई परिवारों की संपूर्ण संपत्ति नष्ट हो गई। एक नई मोटरसाइकिल समेत कपड़े, अनाज और नकद राशि जलकर राख हो गई। इस हादसे में दर्जनों बकरियां और दो पशु भी जल गए। कुछ ग्रामीणों के हाथ-पैर भी झुलस गए हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक जब तक लोगों को आग का पता चला, तब तक वह पूरे गांव में फैल चुकी थी। फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। थाना अध्यक्ष विश्व मोहन चौधरी भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में सहयोग किया। अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सीओ ने बताया कि राजस्व कर्मचारी को घटनास्थल का निरीक्षण करने भेजा गया है। जांच के बाद पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। इस हादसे में दर्जनों परिवार बेघर हो गए हैं।

जमुई में अगलगी से 500 पेड़ जलकर राख :10 कट्ठे में लगी गेहूं की फसल भी जली

जमुई, एजेंसी। जमुई के खैरा थाना क्षेत्र के सगदाहा गांव में शनिवार शाम को भीषण अगलगी की घटना घटी। इस घटना में किसान के तीन बीघे में लगी बगीचे के आम, सागवान और महोगनी के करीब 500 पेड़ जल गए। साथ ही 10 कट्ठा में लगी गेहूं की फसल भी पूरी तरह नष्ट हो गई। ग्रामीणों ने खैरा थाना पुलिस को आग की सूचना दी।

पांच साल में बाढ़मुक्त होगा बिहार, पटना में बोले अमित शाह

पटना, एजेंसी। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार के बिना देश का विकास संभव नहीं है। हम अगले पांच वर्षों में बिहार को बाढ़ से मुक्त बनाएंगे। इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर काम किया जाएगा। हम 2014 जीते, 2019 में जीत हासिल हुई। अब 2025 में पहुंच चुके हैं। शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में बंद कमरे में पार्टी नेताओं के साथ बैठक में गृह मंत्री ने इस साल होने वाले चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि बिहार को बजट में इस बार विशेष मिला। इसको लेकर हम पर आरोप लगाए गए कि 2025 का बजट बिहार के लिए था, लेकिन विरोधियों की बातों से हमें कुछ लेना-देना नहीं है।

बजट में बिहार को मिली सौगातों को लोगों तक पहुंचाइए। केन्द्र सरकार बिहार को विशेष राज्य के दर्जे से ज्यादा दे रही है। हमें मोदी सरकार और नीतीश सरकार के काम को लेकर जनता के बीच जाना है। बिहार में हम लंबे समय से गठबंधन में सरकार चला रहे हैं। ऐसे में बिहार में चुनाव जीतने में कोई शंका नहीं है। बिहार चुनाव को लेकर तैयारी की जा रही है। किस नेता को क्या जिम्मेवारी दी जानी है, यह जल्द ही तय कर लिया जाएगा। पार्टी नेताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। देश में आजादी के बाद गरीबों की संख्या बढ़ते-बढ़ते 60 करोड़ हो गई। कांग्रेस ने सिर्फ आश्वासन दिया, लेकिन मोदीजी के 10 वर्षों के शासन में दीनदयाल के अंत्योदय के कार्यक्रम को बढ़ाते हुए सभी लोगों तक पेयजल, शौचालय, आवास, बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस बार हम तमिलनाडु भी जीतेंगे। हालांकि कोर कमेटी की बैठक नहीं हुई

बीजेपी नेताओं को दिए चुनावी टिप्स

लेकिन गृहमंत्री खबर लिखे जाने (रात साढ़े 11 बजे) तक बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथदफ्तर में ही बैठे थे।

बाबा साहेब की जयंती मनाई जाएगी

14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती है। दीपोत्सव होगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी विचार रखे। मौके पर बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी दीपक प्रकाश, क्षेत्रीय सह संगठन महामंत्री नागेन्द्रनाथ त्रिपाठी, संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दूबे, राजभूषण चौधरी, सांसद डॉ संजय जायसवाल, विधान पार्षद संजय मयूख सहित 200 नेता मौजूद थे।

आपातकाल के मीसा बंदियों को सम्मानित करेगी भाजपा

आपातकाल में मीसा या डीआरआई के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं, कारसेवकों का भी सम्मान होगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि छह अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस भव्य तरीके से मनेगा। पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में भाजपा का झंडा लगाएंगे। साथ ही एक सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया पर विकसित भारत हैशटैग के साथ अपलोड भी करेंगे। छह या सात अप्रैल को मतदान केंद्रों पर एकत्रित होना है। आठ और नौ अप्रैल को मंडल या विधानसभा स्तर पर सम्मेलन होगा। सात से 12 तक मंडल अध्यक्ष के स्तर से ऊपर के सभी पदाधिकारियों को गांव चलो अभियान में शामिल होना है।

सहयोगी उम्मीदवारों को भी कमल छाप का मान वोट करें

अमित शाह ने भाजपा दफ्तर में लंबी बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी घटक दलों के उम्मीदवारों को कमल छाप का प्रत्याशी समझ ही वोट करना है। लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसी रणनीति से हमें ऐतिहासिक जीत मिलेगी। कहा कि मोदी सरकार ने जो भी वायदे किए, उसे 10 साल में पूरा किया है। अगले 30 साल तक देश में भाजपा की सरकार रहेगी। देश से आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद 90 खत्म हो चुका है। अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस ने भाजपा को हर तरह से प्रतारित और बदनाम करने का प्रयास किया।

पटना में दो अप्रैल से फिर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा

पटना , एजेंसी। पटना शहर में दो अप्रैल से फिर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के लिए नौ टीमों का गठन किया गया है। अभियान पटना नगर निगम के छह अंचलों नूतन राजधानी, पाटलिपुत्र, कंकड़बाग, बांकीपुर, अजीमाबाद, पटना सिटी- के साथ नगर परिषद खगौल, फुलवारीशरीफ एवं दानापुर निजामत में भी चलाया जाएगा।

इसमें प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशमन, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी काम करेंगे।

इन सभी जगहों पर चलेगा अतिक्रमण हटाओ अभियान : इस बार अतिक्रमण हटाओ अभियान हरिमंदिर साहिब, गुरूद्वारा, बाललीला, कंगनघाट, गुरू के बाग, मोर्चा रोड, मारूफगंज मोड़ से मालसलामी से दीदारगंज थाना, अशोक राजपथ, नेहरू पथ (आयकर गोलंबर से शेखपुरा से राजा बाजार), पटना जंक्शन, बोरिंग रोड, बोरिंग कैनाल रोड, कारगिल चौक, गांधी मैदान, राजेन्द्र नगर टर्मिनल क्षेत्र, अटल पथ, डाकबंगला चौराहा होते हुए पटना जंक्शन तक चलेगा। इसके अलावा राजापुर, राजाबाजार, कारगिल चौक से एनआईटी, गोरिया टोली से जीपीओ, कंकड़बाग रोड, अनिसाबाद, सगुना मोड़ और अन्य मुख्य मार्गों पर चलाया जाएगा। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। अस्थायी अतिक्रमण की स्थिति में पांच हजार तथा स्थायी अतिक्रमण की स्थिति में 20 हजार का दंड लगाने का प्रावधान किया गया है। प्रमंडलीय आयुक्त मयंक वरवड़े ने अतिक्रमण उन्मूलन अभियान में व्यवधान डालने वालों से सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है।

4 दिन में 6 थानों में नए थानाध्यक्ष नियुक्त

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास जिले में पुलिस प्रशासन ने बड़ा फेरबदल किया है। जिले के प्रमुख थाना काराकाट में भागीरथी कुमार को नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वे फुलदेव चौधरी की जगह लेंगे। फुलदेव चौधरी को बालू मामले में एक वीडियो वायरल होने के बाद एसपी रौशन कुमार ने लाइन हाजिर कर दिया था। एसपी रौशन कुमार ने भागीरथी कुमार को काराकाट थानाध्यक्ष बनाये जाने की पुष्टि की है।

पिछले चार दिनों में जिले के कुल 6 थानों में नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। 27 मार्च को सूर्यपुरा थाने में मनीष कुमार शर्मा और करवंदिया थाने में विकास कुमार को थानाध्यक्ष बनाया गया। इससे एक दिन पहले 26 मार्च को तीन थानों में नए थानाध्यक्ष नियुक्त किए गए। डालमियानगर थाने में सुशांत कुमार मंडल, अकोढ़ीगोला थाने में प्रमोद कुमार और नौहट्टा थाने में चंद्रशेखर शर्मा को थानाध्यक्ष बनाया गया। एसपी रौशन कुमार द्वारा की गई इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हलचल मच गई है।

नीतीश, लालू से ज्यादा स्वस्थ, 10 साल तक सत्ता में रहेंगे: केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे और लगातार चौथी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के प्रमुख आठवले बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और कहा कि जद (यू) अध्यक्ष का स्वास्थ्य अच्छा है और वह कम से कम पांच से दस साल तक सत्ता में रहेंगे। अपनी बात बेबाकी से कहने के लिए मशहूर आठवले ने अपने गृह राज्य महाराष्ट्र में हाल में हुए सांप्रदायिक तनाव के लिए ब्लॉकबस्टर फिल्म छावा को जिम्मेदार ठहराया और औरंगाबाद में स्थित औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग को बंद करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, मुझे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली टीम का हिस्सा होने पर गर्व है, जिनके कार्यकाल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा, मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मुझे विश्वास है कि वह रिकॉर्ड तोड़ देंगे और लगातार चौथी बार सत्ता में आएंगे। दलित नेता ने कहा, एक बौद्ध के रूप में, मैं बिहार का बहुत सम्मान करता हूं, वह भूमि जहां बुद्ध ने 2,500 साल से भी पहले ज्ञान प्राप्त किया था। महाबोधि मंदिर परिसर, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है, पर पूर्ण नियंत्रण की मांग कर रहे बौद्धों के साथ एकजुटता दिखाते हुए बोधगया का दौरा करने के एक दिन बाद अठावले ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया है। उन्होंने कहा, बिहार सम्राट अशोक की भूमि है, जिन्होंने बुद्ध की शिक्षाओं को विदेशों में फैलाया। आज बौद्ध धर्म के अनुयायी 80 देशों में फैले हुए हैं। उनके लिए यह दुख स्वाभाविक है कि मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट में अन्य धर्मों के कई सदस्य हैं। ऐसा 1950 के

दशक में राज्य सरकार द्वारा पारित एक अधिनियम के कारण हुआ है। उन्होंने कहा, मैंने नीतीश जी से बौद्धों की चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया है, जो एक महीने से बोधगया में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने कल खुद प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। वह जदयू प्रमुख के आतिथ्य से अभिभूत नजर आए। अठावले ने कहा मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वे अटल बिहारी वाजपेयी (दिवंगत) की सरकार में रेल मंत्री थे।'' साथ ही उन्होंने दावा किया कि उन्हें 70 वर्षीय नेता कुमार का स्वास्थ्य अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि कुमार के शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की अफवाहें राजद और कांग्रेस की करतूत लगती हैं जो आगामी राज्य विधानसभा चुनावों को लेकर चिंतित हैं। आरपीआई (ए) प्रमुख ने कहा, नीतीश जी निश्चित रूप से (राजद अध्यक्ष) लालू जी से अधिक स्वस्थ हैं। मैं दोनों का मित्र रहा हूं। मुझे लगता है कि नीतीश जी अगले पांच या दस साल तक सत्ता में रहेंगे। हो सकता है कि मेरी पार्टी बिहार में मजबूत न हो , लेकिन मैंने उनसे कहा है कि मैं राजग के लिए प्रचार करूंगा।

भोजपुर में खेत से दो रायफल, 123 कारतूस बरामद

दहशत फैलाने की नीयत से छिपाकर रखे थे हथियार, जमीन मालिक समेत तीन पर एफआईआर दर्ज

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के महुई, महादेवचक बालू घाट में मक्के के खेत से पुलिस ने छापेमारी कर दो अवैध रायफल, 123 कारतूस और 38 मिसफायर कारतूस बरामद करने में सफलता हासिल की है। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही बालू माफिया फरार हो गए। वो पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सके। इसे लेकर बालू तस्करों समेत तीन पर प्राथमिकी की गई है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी राज ने दी। उन्होंने बताया कि महादेव चक सेमरियां निवासी अखिलेश राय, योगेन्द्र बिंद और बड़हरा के नेकनाम निवासी राम प्रसाद को नामजद आरोपी बनाया

गया है। अखिलेश राय और राम प्रसाद का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। आरोपी अखिलेश राय पुराने बालू माफिया विदेशी राय का भाई है। इससे पहले भी महुई बालू घाट के पास से छापेमारी में एक पिस्टल बरामद किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने लिया एक्शन : इधर, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बालू के धंधे में संलिप्त तत्व दशहत फैलाने के लिए किसी घटना को अंजाम देने की नीयत से अवैध हथियारों का जाखीरा छुपा कर रखे है। इसके बाद सदर एसडीपीओ टू रंजीत सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर महुई बालू घाट के समीप स्थित खेत में छापेमारी की गई तथा योगेन्द्र बिंद के मक्का के खेत में छुपा कर रखा गया दो अवैध रायफल और 315 बोर का 123 कारतूस और 38 मिसफायर कारतूस थैला से बरामद किया गया। धंधे से जुड़े तीन लोगों की पहचान कर कोईलवर थाना में प्राथमिकी की गई है। दहशत फैलाने के लिए हथियार जुटाकर रखे थे। एसपी ने बताया कि आरोपित अखिलेश राय पहले से बालू के धंधे में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध बालू खनन समेत अन्य अपराधों को लेकर तीन-चार केस मिला है। इसके अलावा राम प्रसाद के विरुद्ध भी पूर्व का केस मिला है। इस धंधे से जुड़े अन्य तत्वों की भी पहचान की जा रही है। पुलिस गिरफ्तारी को लेकर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जनता के लिए फैसले नहीं ले पा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार :राजद सांसद सुधाकर सिंह

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। बक्सर से राजद सांसद सुधाकर सिंह शनिवार की रात सासाराम पहुंचे। जहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जदयू और भाजपा मुख्यमंत्री की स्वास्थ्य स्थिति को जनता से छिपा रही है। सांसद ने रोहतास जिले के कोआथ नगर पंचायत स्थित मदरसा इसीदिया में आयोजित इफ्तार पार्टी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार की 13 करोड़ जनता के लिए फैसले नहीं ले पा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में जनता देगी जवाब

सुधाकर सिंह ने महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार को मुख्यमंत्री बदल देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले चुनाव में बिहार की जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर देगी। कार्यक्रम में राजद के दिनारा विधायक विजय कुमार मंडल और एमएलसी अशोक कुमार पांडे समेत कई नेता मौजूद थे। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के बयान पर टिप्पणी करने से सांसद ने इनकार किया और इसे पार्टी का आंतरिक मामला बताया।

बिहार में 400 लोग बने बंधक, कंपनी में पड़ी पुलिस की रेड, नाबालिग भी कराए गए आजाद

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी जिले में 400 लोगों को बंधक बना लिया गया। डीबीआर नेटवर्किंग मार्केटिंग कंपनी की रक्सौल शाखा में नौकरी के नाम पर बंधक बनाकर मारपीट व प्रताड़ना के शिकार 400 युवक-युवतियों को शनिवार को एसएसबी व पुलिस ने मुक्त कराया है।

व्हाट्सएप पर मिली शिकायत के बाद एक निजी संस्थान के सहयोग से एसएसबी और पुलिस ने रक्सौल के अलग-अलग मोहल्लों में संचालित आठ ठिकानों पर छापेमारी की।

इन केंद्रों से 400 युवक-युवतियों को मुक्त कराकर कंपनी के पांच अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। मुक्त कराए गए लोगों में 60 नाबालिग व पांच लड़कियां हैं। नाबालिगों को स्थानीय बाल गृह में रखा गया है। पुलिस टीम पीड़ितों का बयान ले रही है। इसके आधार पर पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी। मोतिहारी के एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि कंपनी में नौकरी के नाम पर बुलाए गए नेपाल, यूपी और बिहार के विभिन्न जिलों के 400 लोगों को बंधक बनाया गया था। पीड़ितों को दवा कंपनी में मार्केटिंग की नौकरी का झांसा देकर रक्सौल बुलाया गया था। उनसे शुरुआत में फॉर्म भरवाए गए थे। कंपनी द्वारा बंधक बनाने के बाद पीड़ितों से नौकरी के लिए परिजनों से रुपये मंगवाने, कंपनी से अन्य लोगों को जोड़ने के लिए प्रेरित करने व ब्रेन वॉश करने जैसी बातें सामने आ रही हैं। छोटे-छोटे रूम में कई-कई पीड़ितों को बंधक बनाकर रखा गया था। पूछताछ में जानकारी मिली है कि इस कंपनी का सूबे के कई जिलों में इसी तरह का गोरखधंधा चल रहा है। इसमें गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, वैशाली समेत कई जगहों पर कंपनी के खिलाफ मामले दर्ज हैं। डीबीआर नेटवर्किंग के ठिकानों पर डीएसपी धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में एसएसबी 47 बटालियन के डिप्टी कमांडेंट दीपक कृष्ण, असिस्टेंट कमांडेंट नेहा सिंह, रजत मिश्रा व सचिन कुमार ने छापेमारी की। टीम में रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा, एसआई एकता सागर, नेहा कुमारी, अनिता कुमारी, पीएसआई अंशुलि आर्या, पीएसआई रवि कुमार, बाल श्रम अधिकारी आदापुर राजीव कुमार, बाल श्रम अधिकारी सुगौली दिवाकर प्रसाद व एसएसबी सहित पुलिस बल थे।

दो साल पहले रक्सौल में कंपनी पर यौन हिंसा का हुआ था केस

डीबीआर में नौकरी के नाम पर बंधक बनाई गई युवतियों के साथ यौन हिंसा का भी मामला सामने आ चुका है। रक्सौल थाने में कंपनी के खिलाफ झारखंड के दुमका इलाके की आदिवासी मूल की युवती ने 14 मई 2023 को एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने रात में बेहोशी की दवा देकर नाजायज संबंध बनाने का भी आरोप लगाया था। इस केस में पुलिस की जांच अभी लंबित है। इसी तरह का एक केस मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाने में सारण की पीड़िता ने दर्ज कराई थी, जिसमें रक्सौल सेंटर संचालक एनामुल हक को नामजद आरोपित बनाया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार को रक्सौल में हुई छापेमारी में मुक्त हुए पीड़ितों ने भी एनामुल का नाम लिया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

ढाई लाख का इनामी था कुख्यात गैंगस्टर अनुज कन्नौजिया

जमशेदपुर में यूपी के कुख्यात गैंगस्टर का हुआ एनकाउंटर, पुलिस-एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

- कई महीनों से छिपा था जमशेदपुर में
- झारखंड में सक्रिय हो रहा था यूपी का अपराधी नेटवर्क

निज संवाददाता | जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)

फाईल फोटो

झारखंड पुलिस और उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। शनिवार देर रात जमशेदपुर के गोविंदपुर इलाके में यूपी के कुख्यात मुख्तार गैंग का शूटर अनुज कन्नौजिया पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। यह मुठभेड़ तब हुई जब पुलिस ने अनुज के ठिकाने को घेर लिया और उसे सरेंडर करने को कहा, लेकिन उसने पुलिस पर ही गोलियां चला दीं। जवाबी कार्रवाई में अनुज मारा गया। सूत्रों के मुताबिक, अनुज कन्नौजिया उत्तर प्रदेश में मुख्तार अंसारी गैंग का शूटर था और पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उस पर ढाई लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। वह जमशेदपुर में छिपकर रह रहा था और किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस को उसकी मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद यूपी एसटीएफ और झारखंड पुलिस की एक संयुक्त टीम ने ऑपरेशन शुरू किया और शनिवार रात करीब 10:30 बजे छोटा गोविंदपुर स्थित उसके ठिकाने को घेर लिया। जैसे ही पुलिस की टीम ने उसके ठिकाने की घेराबंदी की, अनुज ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। घर के अंदर से गोलियों की बौछार होने लगी, जिससे पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इस मुठभेड़ में एसटीएफ के डीएसपी धर्मेश कुमार शाही भी घायल हो गए। उनके बाएं कंधे पर गोली लगी और उन्हें तुरंत जमशेदपुर के टाटा मेन हॉस्पिटल (TMH) में भर्ती कराया गया। पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अनुज को चारों तरफ से घेर लिया और उसके बचने के सभी रास्ते बंद कर दिए। इसके बाद दोनों ओर से करीब 30 राउंड से अधिक गोलियां चलीं। अंततः अनुज को मार गिराया गया। पुलिस ने मौके से एक पिस्टल, कई कारतूस और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया है। अनुज कन्नौजिया उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले का रहने वाला था। उसका गांव बहलोलपुर है, जो मऊ और आजमगढ़ के बॉर्डर के पास स्थित है। उसके पिता हनुमान कन्नौजिया सरकारी स्कूल में शिक्षक थे। अनुज ने महज 17 साल की उम्र में घर छोड़ दिया था और अपराध की दुनिया में कदम रख दिया। बताया जाता है कि अनुज पहले छोटे-मोटे अपराध करता था, लेकिन जल्द ही वह मुख्तार अंसारी के गैंग से जुड़ गया। गाजीपुर, मऊ और आसपास के जिलों में उसके खिलाफ कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज थे। वह हत्या, लूट, रंगदारी और कई अन्य अपराधों में शामिल था।

उत्तर प्रदेश में पुलिस उसे लंबे समय से तलाश कर रही थी। अनुज कन्नौजिया को लेकर यूपी एसटीएफ को दो दिन पहले ही सूचना मिली थी कि वह जमशेदपुर में छिपा है। उसके किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की आशंका थी। इसके बाद यूपी एसटीएफ ने झारखंड पुलिस से संपर्क किया और संयुक्त अभियान की योजना बनाई। शनिवार रात को जब पुलिस ने उसके ठिकाने को घेर लिया, तो उसने पुलिस को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी। उसने अपने ऑफिस नुमा कमरे को ही ठिकाना बना रखा था। पुलिस ने उसकी घेराबंदी मजबूत कर दी और जवाबी कार्रवाई में उसे ढेर कर दिया। झारखंड पुलिस के सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश के कई अपराधी झारखंड में शरण ले रहे हैं। यह पहला मामला नहीं है जब किसी यूपी के गैंगस्टर को झारखंड में पकड़ा या मारा गया हो। हाल ही में पुलिस ने कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया था, जो अलग-अलग राज्यों से भागकर झारखंड में छिपे थे। मुख्तार अंसारी गैंग के कई अपराधी झारखंड, बिहार और बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय हैं। पुलिस ने यह भी शक जताया है कि अनुज जमशेदपुर में एक नई गैंग खड़ी करने की कोशिश कर रहा था। वह यहां अपने पुराने संपर्कों के जरिए कोयला, जमीन और रंगदारी से जुड़े मामलों में दखल देने की योजना बना रहा था। झारखंड पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अनुज कन्नौजिया का संपर्क किन-किन अपराधियों से था और वह जमशेदपुर में किन लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा था। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि उसे यहां रहने और छिपने की सुविधा कौन दे रहा था। एसटीएफ की टीम अब उसके मोबाइल और अन्य सामान की जांच कर रही है, जिससे उसके नेटवर्क का खुलासा हो सके। अनुज कन्नौजिया का एनकाउंटर झारखंड पुलिस और यूपी एसटीएफ के लिए एक बड़ी कामयाबी है। इससे झारखंड में छिपे दूसरे अपराधियों को कड़ा संदेश मिलेगा कि यहां भी पुलिस उन्हें ढूंढ निकालेगी। झारखंड और यूपी पुलिस की टीमें अब इस ऑपरेशन के बाद अन्य फरार अपराधियों की भी लिस्ट तैयार कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि झारखंड को अपराधियों का सेफ जोन नहीं बनने दिया जाएगा और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ईद और रामनवमी को लेकर पुलिस सतर्क बड़े पैमाने पर निकाला गया फ्लैग मार्च

- अफवाहों पर नजर, सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी
- संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई
- नागरिकों से सहयोग की अपील

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में ईद और रामनवमी के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में रविवार को गोड्डा जिले में बड़े पैमाने पर फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च गोड्डा पुलिस अधीक्षक अनिमेष नेथानी के निर्देश पर किया गया, जिसमें जिले भर के पुलिस अधिकारी और सुरक्षाकर्मी शामिल रहे। मुख्यालय में निकाले गए इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व गोड्डा एसडीओ बैद्यनाथ उरांव और एसडीपीओ अशोक रविदास ने किया। नगर थाना प्रभारी दिनेश महली और महिला थाना प्रभारी गुलाब किस्पोट्टा भी पुलिस बल के साथ इस फ्लैग मार्च में शामिल थे। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस प्रशासन ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे शांति और सद्भाव बनाए रखें तथा किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या अनहोनी की आशंका हो तो तुरंत स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दें। इस दौरान पुलिस ने आम जनता को अफवाहों से सतर्क रहने की सलाह दी और स्पष्ट किया कि यदि कोई भी व्यक्ति समाज में अशांति फैलाने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने खासतौर पर सोशल मीडिया पर भी निगरानी तेज कर दी है ताकि अफवाहों को रोका जा सके।

बताया गया कि किसी भी प्रकार की भ्रामक या उन्माद फैलाने वाली पोस्ट पर तुरंत कार्रवाई होगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सोशल मीडिया पर पुलिस की विशेष टीम नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी तरह की गलत सूचना फैलने से पहले उसे रोका जा सके। फ्लैग मार्च के दौरान पूरे इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए और स्थानीय लोगों से त्योहारों को मिल-जुलकर शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। गोड्डा पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या असामाजिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। त्योहारों के दौरान जिले में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है और प्रमुख चौक-चौराहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस की यह मुहिम जनता को सुरक्षा का अहसास दिलाने के साथ-साथ असामाजिक तत्वों को भी चेतावनी देने का काम कर रही है कि वे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने की कोशिश न करें। फ्लैग मार्च के दौरान स्थानीय लोग भी सड़क के किनारे खड़े होकर पुलिस की इस पहल को देख रहे थे। आम नागरिकों ने भी पुलिस की इस सक्रियता को सराहा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ईद और रामनवमी को लेकर जिले में पूरी सतर्कता बरती जा रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है।

स्टील कंपनी में लगी आग, लाखों का नुकसान

निज संवाददाता | जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)

झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में रविवार को एक बड़ी दुर्घटना हुई, जब राजनगर थाना क्षेत्र स्थित सत्यम स्टील कॉमट्रेड कंपनी में अचानक आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। चारों ओर धुआं फैल गया और कंपनी के भीतर रखी सामग्रियां धू-धूकर जलने लगीं। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि दूर-दूर तक लोग इसे देख सकते थे। आग लगते ही कंपनी के कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने भी जब आग देखी तो मदद के लिए दौड़े। उन्होंने पानी और अन्य साधनों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि उन सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कंपनी प्रबंधन ने दमकल विभाग को फोन किया, लेकिन दमकल की गाड़ियां मौके पर एक घंटे की देरी से पहुंचीं। इस दौरान आग और भी ज्यादा फैल चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर दमकल की गाड़ियां समय पर पहुंचतीं, तो नुकसान कम हो सकता था। आग लगने का मुख्य कारण कंपनी में प्लास्टिक गलाने का काम बताया जा रहा है, जिससे आग ने तेजी से भयानक रूप ले लिया। दमकल की टीम ने जब आग बुझाने का काम शुरू किया, तब भी आग को नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब दो घंटे तक लगातार प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आगजनी में कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। कई मशीनें और कच्चा माल जलकर राख हो गए। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इसने कंपनी के सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कंपनी में अग्निशमन के क्या उपाय किए गए थे और आग बुझाने के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध थे या नहीं, इस पर अब जांच हो रही है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कंपनी में उचित सुरक्षा इंतजाम होते और दमकल की गाड़ियां समय पर पहुंचतीं, तो यह नुकसान कम किया जा सकता था। कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में पूछताछ की जा रही है कि आग लगने की स्थिति में उससे निपटने के लिए क्या इंतजाम थे और क्यों वे नाकाम साबित हुए।

शैलपुत्री रूप की पूजा व कलश स्थापना के साथ चैती नवरात्र शुरू

गोड्डा (नि.सं.)। जिला मुख्यालय समेत आसपास के इलाके में रविवार को चैती नवरात्र पूजा की शुरुआत हो गई। वहीं पहले दिन कलश स्थापना के दिन माता के शैलपुत्री रूप की पूजा हुई। जिला मुख्यालय अंतर्गत हटिया चौक स्थित चैती दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना के साथ चैती नवरात्र की शुरुवात हो गयी। 10 दिनों तक चलने वाले इस पूजन उत्सव को लेकर हर ओर श्रधा का माहौल है। पहले दिन विधि विधान के साथ माता पूजा हुई। चंडी पाठ के मत्रौच्चार के साथ पूरा इलाका गुंजायमान है। पुजारी रासबिहारी झा ने बताया कि नौ दिनों तक मा दुर्गा के अलग अलग स्वरूपों की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना होगी। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्र प्रारंभ होकर नवमी तिथि को समापन होगा। इधर, हटिया परिसर में स्थित राम दरबार में 24 घंटा अखंड रामधुन शुरू हो गया है। समिति के अमृत पाण्डेय ने बताया की नौ दिनों तक अखंड राम धुन के साथ नवमी को विशेष पूजा की जाएगी।

आगामी त्यौहार के मद्देनजार पुलिस ने किया मॉक ड्रिल, दो सौ से अधिक पुलिसकर्मी शामिल, सोशल मिडिया पर पुलिस की नजर

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा जिले में आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क हो गया है। जिले के पांडुबथान स्थित पुलिस लाइन में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सार्जेंट मेजर की अगुवाई में पुलिस जवानों की उपस्थिति में दंगारोधी उपकरणों का ट्रायल किया गया। इस दौरान विभिन्न यंत्रों का परीक्षण भी किया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह से तैयार है। जिलेभर में आज ईद का त्योहार मनाया जा रहा है, वहीं चैती दुर्गा पूजा और रामनवमी का पर्व भी आने वाले दिनों में धूमधाम से मनाया जाएगा। रामनवमी और दुर्गा विसर्जन के अवसर पर गोड्डा जिले में भव्य जुलूस निकाले जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार कर ली है। पुलिस विभाग जिले में विधि-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए लगातार गश्त कर रहा है और विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रहा है ताकि आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बना रहे और असामाजिक तत्वों के मन में कानून का भय स्थापित हो। गोड्डा पुलिस प्रशासन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे ईद, सरहुल और रामनवमी जैसे पवित्र पर्वों को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं। समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द बना रहे, इसके लिए सभी को मिल-जुलकर त्योहार मनाने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने लोगों को सचेत किया है कि किसी भी समुदाय, व्यक्ति विशेष, धर्म या समाज को ठेस पहुंचाने वाले आपत्तिजनक गीतों या नारों का उपयोग न करें, जिससे सामाजिक समरसता प्रभावित हो। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक या तथ्यहीन सूचना, फोटो, वीडियो या धर्म से संबंधित आपत्तिजनक टिप्पणी साझा करने से बचें। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालकर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर पुलिस की कड़ी नजर बनी हुई है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह से अफवाह फैलाना, लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास करना या समाज में अशांति उत्पन्न करने वाले संदेशों का प्रसार करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। त्योहारों के दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस की ओर से गश्त बढ़ा दी गई है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इसके अलावा खुफिया एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है, ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर में आते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए हरसंभव कदम उठा रहा है।

अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य परिषद् द्वारा कवि गोष्टी आयोजित

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा में अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य परिषद् द्वारा एक भव्य कवि गोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के साहित्य प्रेमियों, कवियों और विद्वानों ने भाग लिया। इस परिचर्चा का मुख्य विषय 'गोड्डा जिलाः साहित्य का किला' रखा गया, जिसका उद्देश्य जिले के समृद्ध साहित्यिक इतिहास को नवोदित कवियों तक पहुँचाना और उन्हें गोड्डा के साहित्यिक अवदान से अवगत कराना था। इस चर्चा में गोड्डा के साहित्यिक परिवेश, इसकी सांस्कृतिक धरोहर तथा जिले की साहित्यिक परंपराओं पर गहराई से विमर्श किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से संताल परगना की प्रमुख क्षेत्रीय भाषा अंगिका पर भी विस्तृत चर्चा की गई। साहित्य प्रेमियों और विद्वानों ने इस भाषा के संरक्षण एवं विकास पर जोर दिया और इसके उत्थान के लिए भविष्य में किए जाने वाले प्रयासों की रूपरेखा तैयार की। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि अंगिका भाषा की समृद्ध परंपरा को संरक्षित करना और उसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना साहित्यकारों का कर्तव्य है। इसके लिए क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर साहित्यिक गतिविधियाँ आयोजित करने की बात कही गई। इस परिचर्चा का संचालन साहित्यकार डॉ. मनोज कुमार राही ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को सारगर्भित तरीके से आगे बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरुआत हिन्दी एवं अंगिका भाषा साहित्य शोध संस्थान, झारखंड प्रदेश के निदेशक डॉ. प्रदीप प्रभात के वक्तव्य से हुई। उन्होंने गोड्डा जिले की साहित्यिक गतिविधियों पर गहन प्रकाश डालते हुए बताया कि यह जिला साहित्य के क्षेत्र में एक सशक्त पहचान रखता है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि गोड्डा को गर्व होना चाहिए कि अंगिका के आदिकवि स्व. दर्शन दुबे का जन्म यहीं के बंदनवार गांव में हुआ था। मुख्य अतिथि डॉ. शिवनारायण ने अपने संबोधन में कहा कि वे गोड्डा की साहित्यिक गतिविधियों को नजदीक से जानने की इच्छा रखते थे और यहां के साहित्यकारों तथा कवियों से मिलकर अत्यंत प्रभावित हुए हैं।

एक अप्रैल को होगा विशाल भगवती रात्रि जागरण

दुमका (नि.सं.)। दुमका में जय माता दी सेवा समिति के द्वारा 1 अप्रैल को 28वें वर्ष विशाल भगवती रात्रि जागरण का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन की तैयारियां समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार राउत के नेतृत्व में पूरी की जा रही हैं। आयोजन स्थल यज्ञ मैदान को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है, वहीं धर्मस्थान मंदिर को भी रोशनी और फूलों से अलंकृत किया जा रहा है। इस दौरान माता रानी का भव्य श्रृंगार भी किया जाएगा। जागरण प्रभारी और समिति के कोषाध्यक्ष अरुण केशरी ने बताया कि आयोजन को भव्य बनाने के लिए माता काली मंदिर से टीन बाजार चौक, मेन रोड, जिला स्कूल रोड और यज्ञ मैदान तक कई तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं।

भीषण अग्निकांड में तीन घर और एक झोपड़ी जली

निज संवाददाता | दुमका (मसलिया)

प्रखंड अंतर्गत कोलारकोंडा पंचायत स्थित माझीडीह गांव में अचानक आग लगने से तीन घर और एक झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस आगलगी में करीब एक लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार सबसे पहले जीतन किस्कू के घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में तीन मकान और एक झोपड़ी इसकी चपेट में आ गए। आग की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने कुआं और चापाकल के पानी से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक घर और उसमें रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इस अग्निकांड में कपड़े, अनाज, बर्तन और दस हजार रुपये नकद सहित अन्य घरेलू सामान नष्ट हो गया। आग कैसे लगी, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना की सूचना मिलते ही टेंगरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय मुखिया वकील मुर्मू ने बताया कि प्रशासन को भी इस घटना की जानकारी दी गई है, ताकि पीड़ित परिवार को उचित सहायता मिल सके। इस आगलगी से ग्रामीणों में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है।इधर मौके पर पहुँचे परिवार के बीच मुखिया उकील मुर्मु ने कंबल सहित कई महत्वपूर्ण सामान वितरण किया।

गोमो रेलवे यार्ड में भीषण आग, खड़ी बोगी जलकर खाक, बड़ा हादसा टला

निज संवाददाता | धनबाद

धनबाद रेल मंडल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस जंक्शन (गोमो) के सिकलाइन यार्ड में अचानक आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस भीषण आग में रेलवे यार्ड में खड़ी एक बोगी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हालांकि, रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की सतर्कता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। शनिवार को दोपहर अचानक रेलवे यार्ड में खड़ी एक कोच में आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। चूंकि बोगी के दोनों ओर अन्य कोच भी खड़े थे, ऐसे में आग के फैलने की आशंका बढ़ गई थी। रेलवे कर्मियों ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए आग लगी बोगी को अन्य कोच से अलग कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक पूरी बोगी जलकर राख हो चुकी थी। रेलवे अधिकारियों को जैसे ही घटना की सूचना मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। चीफ रेलवे यार्ड सत्यनारायण गोप ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे अन्य कोचों को बचाया जा सका। उन्होंने कहा कि आग किस वजह से लगी, इसकी जांच की जा रही है। हालांकि शुरुआती अनुमान में आग लगने के कई संभावित कारण सामने आ रहे हैं, जिनमें शॉर्ट सर्किट, लापरवाही या किसी अन्य कारण से आगजनी की आशंका जताई जा रही है। रेलवे अधिकारियों और कर्मियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। समय रहते आग लगी बोगी को अन्य रैक से अलग कर दिया गया, जिससे आग फैलने से बच गई। अगर थोड़ी भी देरी होती, तो पूरी ट्रेन में आग फैल सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता था। रेलवे प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, रेलवे यार्ड में आग लगने की इस घटना के बाद सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अब रेलवे अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी अन्य कारण से।

नव वर्ष पर निकाली गई विशाल बाईक शोभायात्रा

दुमका (नि.सं.)। वर्ष प्रतिपदा भारतीय नववर्ष संवत् २०८२ (सिद्धार्थ संवत्सर), युगाब्द ५१२६ के शुभ उपलक्ष पर नववर्ष उत्सव समिति दुमका की ओर से रविवार को यज्ञ मैदान दुमका से एक विशाल मोटरसाइकिल शोभायात्रा निकाली गई| जिसमें सैकड़ो सनातनी युवा एवं नगर वासियों ने भाग लिया| यह शोभायात्रा दुमका नगर के विभिन्न चौक चौराहा से गुजरकर यज्ञ मैदान में समाप्त हुई। इसके साथ-साथ यज्ञ मैदान में भारत माता की महाआरती एवं सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया और सभी लोगों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस शोभायात्रा को नव वर्ष उत्सव समिति के संयोजक जयंत कुमार के नेतृत्व में संपन्न किया गया और साथ में सभी को यह संदेश भी दिया गया कि सभी सनातनी हिंदुओं को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही क्यों नव वर्ष मानना चाहिए, क्योंकि आज के दिन ही हमारी सृष्टि का सृजन हुआ था साथ ही हिंदुओं का पंचांग भी आज के दिन से ही प्रारंभ होता है। और समस्त हिंदू इसी पंचांग के अनुसार अपने पर्व त्यौहार अपने घर में उत्सव अपने घर में शादी, विवाह ,मुंडन आदि के कर्म को करते हैं।

हरिहरगंज में चैत्र नवरात्रि पर निकली भव्य कलश यात्रा श्रद्धालुओं ने किया गंगा जल भरकर मंदिर में स्थापित

निज संवाददाता | हरिहरगंज

हरिहरगंज में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भक्तिभाव से हुई। रविवार को मेन बाजार स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा में गाजे-बाजे की धुन पर श्रद्धालु मां दुर्गा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे माहौल में भक्तिमय ऊर्जा का संचार था। कलश यात्रा मेन रोड, हनुमान मंदिर, चौक-चौराहों से होते हुए बटाने नदी पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से कलश में जल भरा गया। जल भरने की इस प्रक्रिया को आचार्य धनंजय मिश्रा ने संपन्न कराया। कलश यात्रा के बाद सभी श्रद्धालु पुनः दुर्गा मंदिर पहुंचे, जहां मां नवदुर्गा की विशेष उपासना के साथ कलश को मंदिर में स्थापित किया गया। इस दौरान भक्तों ने पूजा-अर्चना की और नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की विशेष आराधना की। दुर्गा मंदिर में श्री दुर्गा सप्तशती का नवाह्न पाठ शुरू किया गया, जिसे श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद रहे। महिलाएं मंगल गीत गा रही थीं, तो पुरुष भजन-कीर्तन में लीन थे। पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

कलश यात्रा को लेकर मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। मंदिर के मुख्य द्वार पर रंग-बिरंगी झालरों और फूलों से विशेष सजावट की गई थी। पूरे परिसर को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया, जिससे रात के समय भी मंदिर परिसर दिव्य आभा से दमक रहा था। कलश यात्रा और नवरात्रि उत्सव के आयोजन में रामनवमी पूजा समिति का विशेष योगदान रहा। इस आयोजन में समिति के अध्यक्ष बल्लू बलराम, सोनू जायसवाल, करण राजवीर, राजेश शौंडिक, दिलीप कुमार, रविंद्र पासवान, तुषार गुप्ता, राजेश गुप्ता, जशोदा देवी, फुलवंती देवी, फुलकुमारी देवी समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। हरिहरगंज में चैत्र नवरात्र का यह पावन पर्व श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में उमड़ रही है और मंदिर प्रांगण में दिन-रात भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। नवरात्रि के इस अवसर पर श्रद्धालु व्रत रखकर मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं। मंदिर समिति की ओर से बताया गया कि नवरात्रि के सभी नौ दिनों तक भव्य पूजन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। रामनवमी के दिन विशेष शोभायात्रा और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। स्थानीय प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तैयारी कर रखी है। पुलिस बल चौक-चौराहों और मंदिर परिसर के आसपास तैनात है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। हरिहरगंज में नवरात्रि के पहले दिन निकली कलश यात्रा ने भक्तों के मन में नई आस्था और ऊर्जा का संचार किया। श्रद्धालुओं का मानना है कि मां दुर्गा की कृपा से हरिहरगंज में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

अंदर से हो पहल

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से कथित तौर पर जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने की खबरों के बाद जहां इस मामले की जांच शुरू हो गई है, वहीं इससे जुड़ी बहस का दायरा भी फैलता जा रहा है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगर जजों की नियुक्ति से जुड़ा एनजेएसी एक्ट लागू होने दिया गया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं होती। जाहिर है, इस घटना ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके उत्तरदायित्व से जुड़ी पुरानी बहसों को नया रूप दे दिया है। न्यायपालिका के वरिष्ठ सदस्यों के आचरण को लेकर विवाद पहले भी होते रहे हैं। लेकिन आर्थिक भ्रष्टाचार से जुड़े मामले अक्सर बड़ा मुद्दा बन जाते हैं। मिसाल के तौर पर, कलकत्ता हाईकोर्ट के सिटिंग जज अभिजीत गंगोपाध्याय का पद से इस्तीफा देकर बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ना या इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव का एक खास समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक बयान देना उतना बड़ा मुद्दा नहीं बना। किसी बार असोसिएशन ने उन मामलों में ऐसा मुखर विरोध नहीं किया जैसा जस्टिस वर्मा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट बार असोसिएशन कर रहा है।जजों पर लगने वाले गंभीर आरोपों के संदर्भ में देखें तो अब तक के अनुभव से साफ हो गया है कि महाभियोग लाना व्यवहार में कोई कारगर विकल्प नहीं रह गया है। आरोप कितने भी गंभीर हों, इस प्रक्रिया का तार्किक परिणति तक पहुंचना काफी हद तक राजनीतिक दलों के रुख पर निर्भर करता है।मौजूदा विवाद ने न्यायपालिका के उत्तरदायित्व की जरूरत को रेखांकित किया है तो उसी अनुपात में उसकी स्वतंत्रता पर मंडराते खतरे को लेकर आगाह भी। ध्यान रखना जरूरी है कि इस विवाद से बने माहौल का कोई प्रतिकूल असर न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जजों को हासिल संवैधानिक संरक्षण पर न पड़े।ऐसे में बीच की राह यही हो सकती है कि न्यायपालिका को उत्तरदायी बनाने के प्रयास न्यायपालिका के भीतर से ही किए जाएं। चाहे जजों की संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने की अनिवार्यता हो या हितों के टकराव के मामले समय रहते उजागर करना बाध्यकारी हो या जुडिशल ऑम्बड्समैन जैसे किसी पद का सृजन हो – ऐसे तमाम विकल्पों पर विचार करने की जरूरत है क्योंकि लोकतंत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय और जिम्मेदार न्यायपालिका का कोई विकल्प नहीं होता।

दोबारा मनमानी पर उतरा इजराइल

संघर्ष विराम तोड़ने के बाद इजराइल दुबारा मनमानी पर उतर आया है। उसने ताबड़तोड़ हवाई हमले कर गाजा को फिर से दहला दिया है। इसका खमियाजा उन हजारों फिलिस्तीनी नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है जो शरणार्थी शिविरों, अस्पतालों या धार्मिक स्थलों में शरण लिए हुए हैं। यह दुखद है कि प्रतिशोध की आग में जलता इजराइल, रिहाइशी इलाकों पर भी लगातार हमले कर रहा है, क्योंकि उसका कहना है कि हमास के आतंकवादी घनी आबादी में छिपे हुए हैं। हालांकि वह अच्छी तरह वाकिफ है कि युद्ध के भी कुछ नियम हैं। मगर वह इन्हें मानने को तैयार नहीं है। वह हमास के आतंकवादियों को मार गिराने के लिए लगातार इमारतों, अस्पतालों, विद्यालयों और शरणार्थी शिविरों को निशाना बना रहा है। बीते रविवार को दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला कर इजराइल ने स्पष्ट कर दिया कि उसे मानवता से कोई लेना-देना नहीं और न ही वह कोई नियम मानेगा। हैरत की बात है कि इस मनमानी के खिलाफ दुनिया के ज्यादातर देश चुप हैं। अमेरिका ने उसे पहले ही छूट दे रखी है। नतीजा यह कि भोजन-पानी और दवाओं के अभाव में फिलिस्तीनी नागरिक रोज मर रहे हैं। गाजा इस समय अभूतपूर्व मानवीय संकट से गुजर रहा है। वहां कोई मानवीय सहायता भी नहीं पहुंच पा रही है। कई महीने से चल रहे इस युद्ध में अब तक एक लाख से अधिक नागरिक घायल हो चुके हैं। पचास हजार से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। हवाई हमले की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे-महिलाएं और बुजुर्ग आए हैं। गौरतलब है कि पंद्रह हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी हैं।युद्ध की आग में तप रहे गाजा में जिस तरह मानवाधिकारों का हनन हो रहा है, वह बेहद शर्मनाक है। मानवाधिकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले ज्यादातर बड़े देश चुप हैं, तो आखिर इसकी वजह क्या है और क्या उन्होंने इजराइल को मनमानी की अनुमति दे दी है? क्षत-विक्षत हो रहे गाजा को पूरी दुनिया देख रही है। युद्ध हमेशा विनाश की ओर ले जाता है।

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दु:खों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है।

(ललित गर्ग)

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए। भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिश्योक्तिपूर्ण ढंग से अपने आतंरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में अलगावाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए। अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है।

मातृ मृत्यु दर कम करने की जंग- कहां तक पहुंचा भारत?

(जयसिंह रावत)

मातृ मृत्यु का अर्थ है गर्भावस्था के दौरान या गर्भावस्था समाप्त होने के 42 दिनों के भीतर महिला की मृत्यु। भारत में मातृ मृत्यु का अनुमान नमूना पंजीकरण प्रणाली (एस आर एस) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर लगाया जाता है। पिछले दो दशकों में, भारत ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, संस्थागत प्रसव में वृद्धि, और व्यापक सामाजिक सुधारों के कारण मातृ मृत्यु दर में गिरावट आई है। इसके बावजूद, देश के विभिन्न क्षेत्रों में मातृ मृत्यु दर में असमानता बनी हुई है और भारत अभी भी अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने से कुछ दूरी पर है। महिलाओं में मृत्यु के प्रमुख कारणों में मातृ मृत्यु दर एक महत्वपूर्ण कारण बनी हुई है। 2020 में, 15-29 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं की कुल मृत्यु में से लगभग 7 प्रतिशत मौतें मातृ मृत्यु से जुड़ी थीं। मातृ मृत्यु का अर्थ है गर्भावस्था के दौरान या गर्भावस्था समाप्त होने के 42 दिनों के भीतर महिला की मृत्यु। भारत में मातृ मृत्यु का अनुमान नमूना पंजीकरण प्रणाली (एस आर एस) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर लगाया जाता है। 2018-2020 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 97 महिलाओं की मृत्यु हुई, जो लगभग 24,000 वार्षिक मौतों के बराबर है। भारत में विभिन्न राज्यों में मातृ मृत्यु दर में बड़ा अंतर है। केरल में सबसे कम एमएमआर 19 प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर दर्ज किया गया, जो अमेरिका (21) से भी बेहतर है। वहीं, असम, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में एमएमआर सबसे अधिक दर्ज किया गया। ये राज्य स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच और बुनियादी ढांचे की समस्याओं से जूझ रहे हैं। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एसआरएस डेटा मातृ मृत्यु के कारणों पर जानकारी प्रदान नहीं करता है। हालांकि, 2007 से 2014 के बीच किए गए 'मिलियन डेथ स्टडी ' में 'वर्बल ऑटोप्सी' पद्धति का उपयोग करके मृत्यु के कारणों को समझने का प्रयास किया गया। 2021 के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु का प्रमुख कारण ऑब्स्टेट्रिक हैमरेज (गर्भावस्था, प्रसव या प्रसव के तुरंत बाद अत्यधिक रक्तस्राव) है। यह समस्या पूरे देश में महिलाओं को प्रभावित करती है, लेकिन बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे गरीब राज्यों में विशेष रूप से गंभीर है। 2007 से 2014 के बीच इन क्षेत्रों में आधे से अधिक मातृ मृत्यु हैमरेज के कारण हुईं, क्योंकि देरी से निदान और अपर्याप्त उपचार अक्सर घातक साबित हुआ। वहीं, केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्यों में गर्भावस्था से जुड़ी उच्च रक्तचाप की बीमारियां (प्री-एक्लेम्पसिया और एक्लेम्पसिया) एक गंभीर खतरे के रूप में उभरी हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014-16 में प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर 130 मातृ मृत्यु दर्ज की गई थी, जो 2018-20 में घटकर 97 रह गई। कुछ राज्यों ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के तहत 70 से कम एमएमआर प्राप्त कर लिया है, जिनमें केरल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, झारखंड, गुजरात और कर्नाटक शामिल हैं। हालांकि, अन्य राज्यों में अब भी उच्च मातृ मृत्यु दर बनी हुई है, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों में। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 (2019-21) के अनुसार, प्रसवपूर्व देखभाल में सुधार हुआ है। पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं का अनुपात 59 प्रतिशत (2015-16) से बढ़कर 70प्रतिशतहो गया है। चार या अधिक प्रसवपूर्व देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या भी 51 प्रतिशत से बढ़कर 59प्रतिशत हो गई है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5686

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5685

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

आज का राशिफल

मेष
आज दिन करियर के लिए बहुत अच्छा है। भाग्य का साथ मिलेगा और तरक्की के रास्ते खुलेंगे। धन और सम्मान में वृद्धि होगी जिससे मन खुश रहेगा। निवेश करने के लिए दिन अच्छा है। भविष्य में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने से मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में कुछ नए बदलाव होंगे जो फायदेमंद साबित होंगे।

वृष
आज करियर में मेहनत करने से सफलता मिलेगी। रुके हुए काम पूरे होंगे और नए काम में निवेश करने से लाभ होगा। शाम के समय परिवार में किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता है। वाहन खराब होने से नुकसान हो सकता है। अचानक खर्च बढ़ सकता है। इसलिए धैर्य से काम लें और जल्दबाजी से बचें। समझदारी से काम लेने पर ही परेशानियों से बचा जा सकता है।

मिथुन
आज दिन करियर में सफलता लेकर आएगा। तरक्की मिलने की संभावना है और सांसारिक सुखों में भी वृद्धि होगी। नौकरी और परिवार के बीच संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे। शाम को आर्थिक मदद मिल सकती है। इससे सम्मान में भी वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क
आज समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान देंगे। पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से बाहर आकर आप सभी रुके हुए कामों को पूरा करने की ताकत पाएंगे। योजनाओं को लागू करने के लिए पूरे उत्साह के साथ काम करेंगे। आज आपको धन प्राप्ति के भी अच्छे अवसर मिलेंगे। आपके लिए कल का दिन कोई ऐसी खबर भी लेकर आएगा।

सिंह
आज बिजनेस का माहौल अच्छा नहीं रहेगा। समस्याओं को सुलझाने का तार्किक तरीका कारगर साबित होगा। आग और सुरक्षा से जुड़े काम करने वाले लोगों को फायदा होगा। आज कमाई के लिए दिन अच्छा है। आप अपने प्रभाव से पैसा कमाने में सफल रहेंगे। माँ भगवती के दर्शन करने की लालसा मन में आएगी।

कन्या
आज दिन लाभदायक है। किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। शान-शौकत पर खर्च करेंगे, लेकिन गरीबों की मदद करने से खुशी मिलेगी और पुण्य मिलेगा। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। अपनी कार्यकुशलता से दूसरों को प्रभावित कर पाएंगे।

तुला
आज दिन करियर में फायदेमंद है। हर काम में सफलता मिलेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक ज्ञान में वृद्धि होगी और आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। शाम से रात तक भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। बुद्धि और विवेक से नए कामों को पूरा कर पाएंगे। दूसरों की कमियों पर ध्यान देने की बजाय अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। इससे लाभ और सम्मान दोनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आज तरक्की का दिन है। प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी। शाम के समय कुछ अनचाहा खर्च आ सकता है, लेकिन मजबूरी में करना पड़ेगा। धन और सम्मान में वृद्धि होगी और रुके हुए काम पूरे होंगे। योजनाएं सफल होंगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। करियर के मामले में लाभ का दिन है और धन-सम्मान में वृद्धि होगी। कहीं से कोई काम की जानकारी मिल सकती है।

मकर
आज दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे चिंता हो सकती है। लेकिन शाम को कोई खुशखबरी मिल सकती है। रात में किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। धन और सम्मान में वृद्धि होगी और रुके हुए काम पूरे होंगे। परिवार के साथ खुशी का समय बीतेगा और कोई बेहतरीन मौका हासिल होगा। दिन तरक्की से भरा होगा।

कुंभ
आज का दिन झोली में खुशियां लेकर आएगा। आप कल से साढेसाती से मुक्त होने वाले हैं ऐसे में आपको पूर्व में किए गए परिश्रम का पूरा लाभ मिलेगा। नौकरी में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। अगर आप नौकरी और कारोबार में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको इसमें कामयाबी मिलेगी। आप किसी दीर्घकालीन योजना में धन का निवेश करके भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

धनु
आज परिश्रम से सफलता मिलेगी और समाज और परिवार से सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों के अधिकार में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी। साहस और पराक्रम की प्रशंसा होगी। धन और सम्मान में वृद्धि होगी और रुके हुए काम पूरे होंगे। करियर से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है और मान-सम्मान प्राप्त होगा।

मीन
आज शनिवार का दिन उत्साहवर्धक रहेगा। आपको नौकरी में प्रमोशन और धन वृद्धि होने की खुशी होगी। आपका बिजनेस भी कल अच्छा चलेगा। जो लोग किराना कारोबार और वस्त्रों के कारोबार से जुड़े हुए हैं उनकी कमाई में इजाफा होने की खुशी होगी। आपके लिए कल घर परिवार के मामले में भी दिन अच्छा है। आपको पिता और घर के वरिष्ठजनों से सहयोग और लाभ मिलेगा।

वर्ग पहेली 5686

1		2	3	■	4	5	6
	■	7					
8	9		■	■		■	
10			11	12	■	13	■
14		15			■	16	17
18			■	19	20		
■	■	21		■		■	
22			■	23			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1953 को यह देश फ्रांस से स्वतंत्र हुआ (4)
4. चोरी करने के लिए दीवार में किया गया छेद (3)
7. जाने की क्रिया यह कहलाती है (6)
8. लदाई करना, उद्भरण करना (3)
10. नाम को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
11. प्रतिष्ठा, ख्याति, माप (2)
14. किसी का हक मारा जाना, स्वत्व हानि (उर्दू)(5)
16. पथ, मार्ग, रास्ता, पंथ (2)
18. वह व्यक्ति जो शासक हो, पटरी, पैमाना (अंग्रेजी) (3)
19. जिसने पहले किसी अपराध में सजा पायी हो, प्राप्तदंड (उर्दू)(4)
21. दीवारों आदि पर बनाए हुए फूल आदि, छोटा वृक्ष (2)
22. मुस्लिम धर्म की ईश प्रार्थना जो पांच वक्त की होती है (3)
23. समतल, चौरस, अंगीकृत (4)

(ऊपर से नीचे
1. यह हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी का नाम है (6)
2. विचलित होना, डगमगाना (3)
3. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
4. बनावटी, कृत्रिम, कूटकृत (3)
5. महसूल, टेक्स, हाथ, हस्त (2)
6. रूप या अस्तित्व प्रदान करना, केला (अंग्रेजी)(3)
9. अग्नि बुझाने का यंत्र (4)
11. सुस्वादू भोजन, क्रय-विक्रय की वस्तु (2)
12. उत्तम, बढिया, उम्दा (उर्दू)(3)
13. परजन भावनापूर्ण, अपनत्वहीन (3)
15. एक प्रकार का फल जो आकार में बड़ा होता है (4)
17. सप्ताह में एक बार होने वाला, साप्ताहिक (2)
20. फर्श पर बिछाने की छपी हुई चादर (3)

वर्ग पहेली 5685 का हल

ग्री	स	■	सा	ब	र	म	ती
वा	म	■	ध	म	की	■	त
■	का	नू	न	■	ब	धा	र
फ	लि	त	■	■	■	त	■
■	क	न	क	■	डा	ल	ना
पी	■	वा	र	ना	■	ग	म
प	■	द	वा	मी	■	ना	क
ल	क्ष	■	ना	■	हां	■	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

जंगली हाथी ने तीन लोगों पर किया हमला दो लोगों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता | गुमला

गुमला जिले में जंगली हाथी का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बीते कुछ दिनों से इस क्षेत्र में हाथियों का उत्पात लोगों के लिए भारी मुसीबत बन गया है। रविवार को एक बार फिर एक आक्रामक हाथी ने तीन लोगों पर हमला किया, जिसमें दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, रायडीह थाना क्षेत्र के अम्बाकोना जंगल में महुआ चुनने गए 45 वर्षीय जेम्स कुजूर पर हाथी ने अचानक हमला कर दिया। इससे पहले कि वह संभल पाते, हाथी ने उन्हें बुरी तरह कुचल डाला, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जैसे ही इस घटना की सूचना ग्रामीणों तक पहुंची, वहां हड़कंप मच गया। पुलिस और वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इसके अलावा, इसी तरह जारी प्रखंड में 73 वर्षीय क्लाइमेट एक्का को उनके घर के आंगन में ही हाथी ने कुचल दिया। ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया और शोर मचाया, लेकिन हाथी काफी आक्रामक था और उसने क्लाइमेट एक्का पर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद भी हाथी शांत नहीं हुआ और वह वहां से निकलकर जर्माना गांव की ओर बढ़ गया। जर्माना गांव में भी हाथी ने अपना आतंक बरपाया। यहां महुआ के पेड़ के नीचे शौच कर रहे 50 वर्षीय अरविंद सिंह पर हाथी ने हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह हाथी को भगाने का प्रयास किया और घायल अरविंद सिंह को प्राथमिक उपचार के लिए डूमरी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत बिगड़ने के कारण उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान क्लाइमेट एक्का की भी मौत हो गई। गांव में इस घटना के बाद दहशत का माहौल बन गया है। लोग घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। जंगल किनारे बसे गांवों के लोग खासकर रात के समय अपने घरों में दुबकने को मजबूर हैं। वन विभाग की टीम भी लगातार हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और लोगों को सतर्क कर रही है। गुमला वन प्रमंडल के रेंजर जगदीश राम ने बताया कि मृतकों के परिजनों को वन विभाग द्वारा तत्कालिक सहायता के रूप में 10 हजार रुपये दिए गए हैं।

इसके अलावा, शेष 3.90 लाख रुपये की राशि कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी जाएगी। वन विभाग ने लोगों से जंगल में आग न लगाने और महुआ चुनने के लिए जंगल की ओर न जाने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक, एक आक्रामक हाथी करीब 30 से 35 किलोमीटर के क्षेत्र में घूम रहा है, जो लगातार हमले कर रहा है और आम लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। इस हाथी के आतंक को देखते हुए वन विभाग की टीम ने माइक और लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को अलर्ट करना शुरू कर दिया है। विभाग की गाड़ियां गांव-गांव जाकर स्थानीय भाषा में लोगों को सतर्क कर रही हैं और उनसे जंगल की ओर न जाने की अपील कर रही हैं। खासतौर पर सुबह और देर शाम के समय जंगल में जाने से मना किया जा रहा है, क्योंकि इसी दौरान हाथियों की गतिविधियां ज्यादा देखी जाती हैं। गौरतलब है कि बीते तीन दिनों में इस जंगली हाथी ने अब तक पांच लोगों की जान ले ली है, जबकि तीन से अधिक लोग घायल होकर अस्पताल में इलाजरत हैं। लगातार हो रही घटनाओं से इलाके में भय का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर गंभीरता बरती जा रही है और वन विभाग के अधिकारी लगातार गश्त कर रहे हैं ताकि हाथी को किसी तरह नियंत्रित किया जा सके। हालांकि, अब तक इस हाथी को काबू करने में सफलता नहीं मिल पाई है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।

सड़क हादसा में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

निज संवाददाता | धनबाद

धनबाद के बलियापुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। मृतक की पहचान पहाड़पुर निवासी सत्यवान महतो के रूप में हुई है। वे स्टीलगेट में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे और ड्यूटी खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पलानी भवानी विद्या मंदिर के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि सत्यवान महतो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर मारने वाला वाहन चालक फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों को घटनास्थल पर एक मारुति कार का व्हील कैप मिला, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि दुर्घटना किसी चार पहिया वाहन से हुई है। हादसे की खबर सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और गुस्से में सड़क जाम कर दिया। मृतक के परिजनों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग करते हुए हंगामा किया। सूचना मिलते ही बलियापुर थाना प्रभारी आशीष भारती पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। काफी देर तक समझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए और सड़क जाम हटाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धनबाद-बलियापुर मुख्य मार्ग पर लगातार सड़क हादसे बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस मार्ग पर सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं, ताकि ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं। फिलहाल, पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

नक्सलियों द्वारा लगाए गए दो आईईडी बरामद, मौके पर किया गया नष्ट

- आईईडी बरामदगी के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा
- जंगल में सघन तलाशी अभियान

निज संवाददाता | चाईबासा

चाईबासा जिले के सारंडा जंगल में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के तहत एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान में दो शक्तिशाली आईईडी बम बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। यह बरामदगी छोटानागरा थाना क्षेत्र के वनग्राम डिकू पोंगा और हथना बेरा के बीच घने जंगलों में की गई। नक्सलियों द्वारा लगाए गए इन विस्फोटकों से सुरक्षाबलों और ग्रामीणों को निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। लेकिन समय रहते पुलिस ने इन मंसूबों को नाकाम कर दिया। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष कमांडर मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल और असीम मंडल अपने दस्ते के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में किसी बड़ी विध्वंसक कार्रवाई की योजना बना रहे हैं। इनके साथ कई हार्डकोर नक्सली भी मौजूद हैं, जो पहाड़ी और जंगली इलाकों में छिपे हुए हैं। इन संभावित खतरों को देखते हुए चाईबासा पुलिस, कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें अभियान चला रही हैं। सुरक्षाबलों की कई बटालियनों को छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में तैनात किया गया है। दो आईईडी बमों की बरामदगी के बाद पूरे क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है। इस ऑपरेशन में चाईबासा जिला पुलिस, झारखंड जगुआर, कोबरा 209 बटालियन और सीआरपीएफ की 193 और 197 बटालियन सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। सुरक्षाबल हर संभावित ठिकाने की तलाशी ले रहे हैं, ताकि जंगल में छिपे नक्सलियों को बेनकाब किया जा सके। इस कार्रवाई से एक बार फिर नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फिर गया है। सुरक्षाबलों की मौजूदगी और लगातार चल रहे ऑपरेशन के चलते नक्सली अब खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पुलिस और सुरक्षाबल लगातार इस कोशिश में हैं कि नक्सलियों के प्रभाव वाले क्षेत्रों में उनका नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त किया जाए। हाल ही में कई हार्डकोर नक्सलियों के सरेंडर करने के बाद अब माओवादी संगठन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सुरक्षाबलों ने स्थानीय ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस प्रशासन की ओर से ऐसे नक्सलियों की गिरफ्तारी में मदद करने वालों को इनाम देने की भी घोषणा की गई है। इसके साथ ही ग्रामीणों को यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर वे नक्सलियों को किसी भी तरह की सहायता देते पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सारंडा जंगल और आसपास के इलाकों में इस समय सुरक्षाबलों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। नक्सलियों की किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए ड्रोन और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से निगरानी की जा रही है। सुरक्षाबलों का कहना है कि वे तब तक अभियान जारी रखेंगे, जब तक इलाके को नक्सलियों से पूरी तरह मुक्त नहीं कर दिया जाता। सरकार भी लगातार नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास योजनाओं को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। सड़क निर्माण, बिजली, पानी और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, ताकि स्थानीय लोगों को नक्सलियों के प्रभाव से बाहर निकाला जा सके। प्रशासन और सुरक्षाबल दोनों इस बात को सुनिश्चित कर रहे हैं कि क्षेत्र में स्थायी शांति बनी रहे और नक्सली संगठनों की पकड़ पूरी तरह खत्म हो जाए।

कोयला लदे तीन बाइक व एक साइकिल जब्त

निज संवाददाता | पाकुड़

पाकुड़ जिले में अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हिरणपुर-बड़हरवा मुख्य सड़क पर हाथीगढ़ स्थित पेट्रोल पंप के पास पुलिस ने छापेमारी कर कोयला लदे तीन बाइक और एक साइकिल जब्त की है। इस दौरान बाइक चालक मौके से फरार हो गए। इस छापेमारी अभियान का नेतृत्व थाना के एसआई गोपाल महतो ने किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग बाइक के माध्यम से अवैध रूप से कोयले की तस्करी कर रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही बाइक सवार तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तस्करी में प्रयुक्त तीन बाइक और एक साइकिल को जब्त कर लिया। इस कार्रवाई को लेकर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने कहा कि क्षेत्र में अवैध कारोबार एवं तस्करी को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अवैध कोयला कारोबारियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है और ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की पहचान करने में लगी है। जब्त किए गए वाहनों के मालिकों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि यह कोयला कहां से लाया गया था और इसे कहां ले जाया जा रहा था। गौरतलब है कि पाकुड़ और आसपास के इलाकों में अवैध खनन और तस्करी के मामले लगातार सामने आते रहे हैं। प्रशासन ने अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में पुलिस ने सघन जांच अभियान शुरू किया है, ताकि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि वे किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन का कहना है कि अगर जनता का सहयोग मिला तो तस्करी पर और तेजी से रोक लगाई जा सकेगी। पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में अवैध कोयला तस्करों के खिलाफ बड़ा संदेश है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

अज्ञात वाहन के धक्के से युवक हुआ घायल

गढ़वा (नि.सं.)। गढ़वा जिले के भवनाथपुर थाना क्षेत्र के बनसानी गांव निवासी 28 वर्षीय रूपेश सिंह एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि रूपेश सिंह अपने घर से तेनार की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में डिहवार बाबा स्थान के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उसे संभाला और तत्काल उपचार के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई है। परिजनों ने बताया कि रूपेश सिंह अपने काम से तेनार जा रहा था, लेकिन अचानक यह हादसा हो गया।

हिंदू नववर्ष, ईद, सरहुल और रामनवमी के मद्देनजर ड्रोन से हो रही घरों की छत और रास्तों की निगरानी, पुलिस बल किया गया तैनात

- संवेदनशील इलाकों में चौकसी बढ़ी
- असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई होगी

निज संवाददाता | पलामू

पलामू जिले में हिंदू नववर्ष, ईद, सरहुल और रामनवमी के मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। एसपी रिष्मा रमेशन खुद सुरक्षा की मॉनिटरिंग कर रही हैं। संवेदनशील इलाकों में विशेष चौकसी बरती जा रही है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। जुलूस मार्गों और प्रमुख चौक-चौराहों पर पहले से ज्यादा पुलिस बल तैनात किया गया है। त्योहारों के दौरान ड्रोन कैमरों से जुलूस मार्ग और आसपास के घरों की छतों की स्कैनिंग की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छतों पर ईंट, पत्थर या शीशे की बोतलें नहीं रखी जानी चाहिए। संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। ईद को लेकर शहर थाना पुलिस ने सभी मस्जिदों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। नमाज के दौरान मस्जिदों के पास पुलिस बल तैनात रहेगा ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो। थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि नमाजियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है और हर स्थिति से निपटने के लिए पुलिस मुस्तैद है। प्रशासन ने पहले से संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। इसके साथ ही सभी प्रवेश और निकासी मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस कर्मियों की लगातार गश्त जारी है और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने स्पष्ट कर दिया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की भड़काऊ या आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस लोगों से भी अपील कर रही है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और भ्रामक सूचनाओं की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें। त्योहारों को देखते हुए पूरे जिले में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से लगातार दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं और स्थानीय स्तर पर सभी थानों को अलर्ट रहने को कहा गया है। प्रशासन ने सभी समाज के लोगों से शांति और भाईचारे का माहौल बनाए रखने की अपील की है। पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

अवैध पत्थर खनन रोकने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया पथराव, थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी घायल

निज संवाददाता | कोडरमा

कोडरमा में अवैध नीलम पत्थर खनन को रोकने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने की घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। ढाब थाना प्रभारी रवि पंडित को गोरियाडीह जंगल में अवैध खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लेकिन खनन माफियाओं को पहले ही पुलिस की कार्रवाई की भनक लग गई थी। उन्होंने पुलिस के वहां पहुंचने से पहले ही घात लगाकर उनकी गाड़ी को रास्ते में रोक लिया और अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि पुलिस की गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही डोमचांच थाना के अंचल निरीक्षक विनोद आनंद रविवार सुबह ढाब थाना पहुंचे, जहां उन्होंने घायल पुलिसकर्मियों का हालचाल जाना। हालांकि, इस पूरे मामले पर पुलिस के अधिकारी अब तक बयान देने से बच रहे हैं। पुलिस फिलहाल हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है और संभावित आरोपियों की पहचान की जा रही है। इस बीच, गांव के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सुरेश साव ने इस हमले के पीछे की एक अलग ही कहानी बताई है।

उनका कहना है कि शनिवार को थाना प्रभारी अपने दल के साथ गांव पहुंचे थे, जहां वे एक वारंटी वीरेंद्र टूटी को गिरफ्तार करने आए थे। उसके बाद भी वे कई बार गांव के हरिजन टोला पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने महिलाओं के साथ बदसलूकी की, जिसके विरोध में आक्रोशित होकर लोगों ने पथराव किया। बुधवार को जिले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने तमाम पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में पुलिस कार्रवाई कर रही थी, लेकिन उन पर हमला होना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और दोषियों की गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई जा रही है। प्रशासन का कहना है कि अवैध खनन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस तरह की हिंसक घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रभात फेरी निकाल कर की हिंदू नववर्ष की शुरुआत

देवघर (नि.सं.)। महिला पतंजलि योग समिति देवघर द्वारा रविवार को हिंदू नववर्ष की शुरुआत प्रभात फेरी निकाल कर की गयी। इस दौरान महिला पतंजलि योग समिति द्वारा रितंभरा होम योग कक्षा से प्रभात फेरी निकाली गई यह प्रभात फेरी नंदन पहाड़ तक पहुंची। उसके बाद नंदन पहाड़ स्थित जलाशय में समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सूर्य भगवान की आरती की एवं भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान कर नववर्ष की शुरुआत की गई। मौके पर मौजूद सभी महिलाओं एवं मातृ शक्ति ने खुशी व्यक्त करते हुए एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। यह कार्यक्रम जिला प्रभारी अंबिका झा और राज्य कार्यकारिणी सदस्य आरती पाठक के नेतृत्व में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

चैत्र नवरात्र की धूम, निकली गई कलश यात्रा

निज संवाददाता | पाकुड़

पाकुड़ जिले में चैत्र नवरात्रि की भव्य धूम देखने को मिल रही है। रविवार को जिले भर के दुर्गा मंदिरों में कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना शुरू हो गई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुरोहितों ने मां भगवती के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की विशेष पूजा की। ठाकुरबाड़ी मंदिर समेत अन्य दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2082 के स्वागत में लोगों ने नए वस्त्र धारण किए और एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। हिरणपुर प्रखंड के मवेशी हाट स्थित रामनवमी मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। यहां चेती दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। नवरात्रि के पहले दिन मेले के स्थल से विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं। कलश यात्रा में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नगर भ्रमण किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जय माता दी के जयकारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। रामनवमी के अवसर पर जिले में भव्य अखाड़ा जुलूस निकाले जाने की तैयारी भी तेज हो गई है। आयोजकों ने अखाड़ों की सजावट और परंपरागत युद्धकला प्रदर्शन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके अलावा, सात दिवसीय राम कथा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसे रवि शंकर आचार्य के मार्गदर्शन में संपन्न किया जाएगा।

किन्नरों का दो गुट आपस में भिड़ा:पान की दुकान पर हुई मारपीट, तीन किन्नर घायल

निज संवाददाता | धनबाद

धनबाद के बैंकमोड़ थाना क्षेत्र में किन्नरों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। यह विवाद पुराना बाजार स्थित पानी टंकी के पास एक पान की दुकान पर हुआ, जहां देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष के तीन किन्नरों को गंभीर चोटें आईं। झगड़े की वजह नेग वसूली को लेकर आपसी विवाद बताया जा रहा है, लेकिन घायल किन्नरों का कहना है कि उन्हें मारपीट का सही कारण समझ नहीं आ रहा। घटना में घायल किन्नर रॉसी और किरण ने बताया कि वे अपनी साथी वर्षा के साथ शक्तिपुंज एक्सप्रेस से धनबाद पहुंचे थे। वे पुराना बाजार स्थित एक पान की दुकान पर रुके थे, तभी अचानक बरवाड़ा से आए किन्नर समूह ने उन्हें घेर लिया। इस समूह में लगभग 8 किन्नर और 10 से अधिक युवक शामिल थे। पहले तो उन पर ताने कसे गए, लेकिन जब उन्होंने विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट शुरू कर दी गई। इस हमले में रॉसी के हाथ और सिर पर चोट आई, जबकि वर्षा को आंतरिक चोटें आई हैं। झगड़े में शामिल तीसरी किन्नर भी घायल हुई है।

तीनों घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही बैंकमोड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह झगड़ा नेग वसूली को लेकर हुआ। किन्नरों के बीच अक्सर क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर टकराव की स्थिति बनती है, और इस बार भी मामला इसी से जुड़ा हुआ लग रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, धनबाद में किन्नरों के बीच आए दिन ऐसे विवाद होते रहते हैं, लेकिन यह पहली बार है जब मामला इतना बढ़ गया कि घायल होने की नौबत आ गई। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए हैं और जल्द ही मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी के साथ की प्रोजेक्ट समावेश समीक्षात्मक बैठक

- डिजिटाइजेशन की स्थिति और लंबित कार्यों की समीक्षा
- नियमित अनुश्रवण और समावेशन को लेकर निर्देश

निज संवाददाता | पाकुड़

पाकुड़ जिले में मतदाता सूची में अधिकतम समावेशन सुनिश्चित करने के लिए प्रोजेक्ट समावेश चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी शामिल हुए। उपायुक्त ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि कोई भी योग्य नागरिक, विशेष रूप से युवा, दिव्यांग, पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह), थर्ड जेंडर एवं 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहें। इसी उद्देश्य से जिले में प्रोजेक्ट समावेश की शुरुआत 13 मार्च से की गई थी। इस अभियान के तहत बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) द्वारा 22 मार्च से 27 मार्च तक डोर-टू-डोर सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 13,312 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से प्रपत्र-6 के 8146 आवेदन, प्रपत्र-7 के 2225 आवेदन, और प्रपत्र-8 के 2941 आवेदन प्राप्त हुए। इस पूरे अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिकतम योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। बैठक के दौरान प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन की समीक्षा भी की गई। समीक्षा में यह पाया गया कि 22 मार्च तक कुल 306 प्रपत्र डिजिटाइज किए गए थे, जबकि वर्तमान में यह संख्या 2791 तक पहुंच गई है।

हालांकि, विशेष अभियान के दौरान प्राप्त किए गए कई प्रपत्र अभी भी डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इस देरी को देखते हुए उपायुक्त ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित आवेदनों का डिजिटाइजेशन जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्य को शीघ्र निष्पादित करने के लिए सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि डिजिटाइजेशन प्रक्रिया का नियमित रूप से अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) किया जाए, ताकि कोई भी आवेदन लंबित न रहे। इसके अलावा, प्रोजेक्ट समावेश के तहत पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए लगातार समीक्षा की जाएगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि इस कार्य में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रोजेक्ट समावेश के तहत 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों, थर्ड जेंडर, दिव्यांग और पीवीटीजी समुदाय के लोगों के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। बीएलओ और निर्वाचन अधिकारियों को इन वर्गों तक विशेष रूप से पहुंचने और उनके नाम सूची में दर्ज करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। इस अभियान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पाकुड़ जिले का कोई भी नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके अलावा, बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। इसके तहत ग्राम सभाओं, स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे, जहां नागरिकों को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। जिले में युवाओं को भी मतदाता सूची में शामिल करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया का उपयोग किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान जिले के लोकतांत्रिक ढांचे को और मजबूत करने के लिए चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता चुनाव प्रक्रिया से दूर न रहे। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे समयबद्ध तरीके से कार्य को पूरा करें और सुनिश्चित करें कि आगामी चुनावों से पहले सभी योग्य मतदाताओं का पंजीकरण हो जाए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने 7,800 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ शनिवार को यहां रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन का उद्घाटन किया और नौकरी के इच्छुक 7,800 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। राज्यभर के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शर्मा ने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की भी शुरुआत की तथा एआई अधिनियम, छात्र उपस्थिति ऐप, ऑन डिमांड परीक्षा (ओपन स्कूल), कौशल नीति, युवा नीति, रोजगार के लिए 10,000 रुपये की सहायता योजना के निर्देश तथा अटल ज्ञान केंद्र पर एक पुस्तिका का विमोचन किया। जयपुर में वर्ष 2008 में हुए विस्फोट के पीड़ित की बेटी अनाक्षी जायसवाल को जयपुर के जिलाधिकारी के कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया। शर्मा ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार एक वर्ष में एक लाख नौकरियां उपलब्ध कराने के अपने घोषणा पत्र के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें से 67,000 नौकरियां पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा राज्य में रोजगार के संबंध में की गई आलोचना को लेकर पलटवार किया। शर्मा ने कांग्रेस से आग्रह किया कि वे एक कलम और एक नोटबुक रखें और उपलब्ध कराई जा रही नौकरियों की संख्या नोट करें। बिरला ने इस मौके पर कहा कि राजस्थान दिवस इतिहास और परंपराओं के स्मरणोत्सव से कहीं आगे बढ़कर विकसित राजस्थान के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देगी कांग्रेस: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस उन लोगों को नहीं बख्शेगी जो विभाजनकारी एजेंडे के साथ चुनाव जीतने की कोशिश करते हैं। रमजान के मौके पर अपने विधानसभा क्षेत्र कोडंगल में आयोजित इफ्तार में उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नफरत के बाजार' में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए इस देश में लोगों को बांटकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव जीतना गलत नहीं है। लेकिन, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह गलत है। कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे जी (कांग्रेस अध्यक्ष) या आपका भाई रेवंत रेड्डी उन्हें सफल नहीं होने देंगे।

भारत ने ब्रह्मांड के बारे में दुनियाभर में समझ पैदा करने में योगदान दिया: सोमनाथ

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शनिवार को यहां 'महासलिला' और 'सूर्य सिद्धांत' जैसे प्राचीन ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा कि भारत हमेशा से एक महान राष्ट्र रहा है जिसने वेदों के समय से लेकर आज के उन्नत वैज्ञानिक युग तक ब्रह्मांड के बारे में दुनियाभर में समझ पैदा करने में योगदान दिया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के 60वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने शोध संगठनों, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। सोमनाथ ने कहा, ''इस मौके पर मैं भारत की समृद्ध और गौरवशाली ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालना चाहूंगा। वेदों से लेकर आधुनिक वैज्ञानिक युग तक, भारत हमेशा ब्रह्मांड के संबंध में दुनियाभर में समझ पैदा करने में योगदान देने वाला एक महान राष्ट्र रहा है।

केरल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी मेंबर के पास से एमबीए की आंसर शीट गायब

मचा भारी बवाल

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल यूनिवर्सिटी के एक फैकल्टी मेंबर के पास से 71 एमबीए छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं गायब हो गईं। इसे लेकर राज्य में विवाद पैदा हो गया है। विपक्षी दल संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा ने इसे उच्च शिक्षा क्षेत्र में कुप्रबंधन और राजनीतिकरण का उदाहरण बताया है। वर्ष 2022-24 बैच की तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा से प्रोजेक्ट फाइनेंस विषय की उत्तर पुस्तिकाएं गायब हैं, जो महीनों पहले जांच के लिए संकाय सदस्य को सौंपी गई थीं। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने शनिवार को विश्वविद्यालय पर सिलेबस पूरा होने के बाद भी नतीजे में देरी करके मामले को छुपाने का आरोप लगाया। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु ने स्वीकार किया कि संकाय सदस्य का कृत्य घोर लापरवाही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। उन्होंने शनिवार को मीडिया से कहा, 'सरकार इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। विश्वविद्यालय इस मुद्दे को राज्य पुलिस प्रमुख के समक्ष उठाएगा।' मंत्री ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का गायब होना सुनियोजित कदम का हिस्सा हो सकता है। बिंदु ने कहा, 'संकाय सदस्य पूरे समय चुप रहे, जो उनकी ओर से गंभीर चूक का संकेत है।' सतीशन ने एक बयान में आरोप लगाया कि उत्तर पुस्तिकाओं का गायब होना इस बात का एक और उदाहरण है कि किस तरह सरकार के कुप्रबंधन और राजनीतिकरण ने उच्च शिक्षा क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के गायब हो जाने के कारण छात्रों का भविष्य अनिश्चित हो गया है। विपक्ष के नेता ने कहा, विश्वविद्यालय ने अब छात्रों से 10 महीने पहले आयोजित की गई परीक्षा दोबारा देने को कहा है। विश्वविद्यालय की ओर से की गई गलती के लिए छात्रों को दंडित करना अस्वीकार्य है। यह घटना तब सामने में आई, जब पलक्कड़ निवासी एक संकाय सदस्य ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को बताया कि बाइक से यात्रा के दौरान उत्तर पुस्तिकाएं उसके पास से गायब हो गई थीं। विवाद बढ़ने पर संकाय सदस्य प्रमोद ने शनिवार को विश्वविद्यालय की उस प्रथा को दोषी ठहराया, जिसमें शिक्षकों को घर से उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, 'मैं इस मुद्दे पर कानूनी रूप से लड़ने के लिए तैयार हूं।'

नोएडा के स्कूल में दिव्यांग बच्चे से मारपीट, वायरल वीडियो देख हैरान रह गए मां-बाप

नोएडा , एजेंसी। नोएडा के सेक्टर 55 में स्थित एक निजी स्कूल के स्पेशल एजुकेटर द्वारा ऑटिज्म से पीड़ित 10 साल के लड़के के साथ जमकर मारपीट करने का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, अब लड़के के परिवार की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी विशेष शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया और स्कूल को सील कर दिया। आरोपी स्पेशल एजुकेटर का नाम अनिल कुमार है।

लड़के के परिवार को कथित हमले के बारे में तब पता चला जब शुक्रवार को माता-पिता और स्कूल अधिकारियों के अलग-अलग वॉट्सएप ग्रुप पर गलती से इसका वीडियो शेयर हो गया। घटना बुधवार को हुई। छोटे वीडियो में शिक्षक को लड़के के साथ मारपीट करते हुए दिखाया गया है।

इसके तुरंत बाद लड़के के परिवार ने आरोपी विशेष शिक्षक, स्कूल प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और अन्य के खिलाफ सेक्टर 58 पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित बच्चे के पिता वरुण गोयल ने इस बारे में जानकारी देते हुए पीटीआई को बताया, मेरा बेटा ग्रीन रिबन इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 1 का छात्र है। वह ऑटिज्म से पीड़ित एक दिव्यांग लड़का है और उसे विशेष देखभाल और ध्यान की आवश्यकता है। गोयल ने आगे कहा कि हमें अपने बेटे के साथ दुर्व्यवहार के बारे में तब पता चला जब स्कूल के अधिकारियों ने गलती से वीडियो को व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर कर दिया। उन्होंने कहा, वीडियो में हमने देखा कि स्कूल टीचर और स्पेशल एजुकेटर अनिल कुमार ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। उधर सेक्टर 58 के एसएचओ अमित कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रीन रिबन इंटरनेशनल स्कूल के आरोपी टीचर (स्पेशल एजुकेटर), प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम और विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

फरीदाबाद के सड़क हादसों में सबसे अधिक बाइकर्स की जा रही जान, ताजा रिपोर्ट में पता चला

फरीदाबाद , एजेंसी। स्मार्ट सिटी की सड़कों पर हर दो दिन में एक व्यक्ति की जान जा रही है। साल-2023-2024 से अबतक के 820 दिनों में हुए लगभग 1270 सड़क हादसे में करीब 543 लोगों की जान गई। 728 लोग घायल हुए। इसमें सबसे अधिक 65 फीसदी यानि 543 बाइक सवारों की हादसे में जान गई। जानकारों का कहना है कि स्मार्ट सिटी में ज्यादातर सड़क हादसे वाहन चालक की लापरवाही से हुए हैं। स्मार्ट सिटी फरीदाबाद को औद्योगिक नगरी के रूप में भी जाना जाता है। यहां स्थित 25 हजार छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाईयों में कार्यरत करीब आठ लाख कामगारों के अलावा करीब 26 लाख की आबादी के सुगम आवागमन के लिए दो एक्सप्रेसवे,एक हाईवे,दो स्टेट हाईवे समेत 50 से अधिक प्रमुख सड़कें हैं। सड़क सुरक्षा से जुड़े जानकारों का कहना है कि डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे, केजीपी, दिल्ली-आगरा हाईवे के अलावा फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग आदि छोटी-बड़ी सड़कों पर करीब 16 लाख वाहनों का आवागमन होता है। जानकारों का कहना है कि इनमें से अधिकांश वाहन चालक यातायात नियमों का पालन नहीं करते हैं। चौराहों पर लगे ट्रैफिक लाइट्स पर नहीं रुकना, बिना सीट बेल्ट लगाए मोबाइल फोन पर बात करना, बाइक पर बिना हेलमेट, मोबाइल पर बात करना, कई लोगों का बैठना आदि सड़क हादसे के प्रमुख कारण हैं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि साल-2023 के बाद से शहर में सड़क हादसों में कमी आ रही है। साल-2023 में हुए सड़क हादसे में करीब 271 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं साल-2024 में इसमें गिरावट दर्ज की गई। साल-2024 में सड़क हादसे में 231 लोगों की मौत हुई। इस वर्ष अबतक करीब 41 लोगों की मौत हुई है। जानकारों का कहना है कि स्मार्ट सिटी में हर महीने औसतन 50 के आसपास सड़क हादसे हो रहे हैं।

गाजियाबाद के कई जन सुविधा केंद्रों में बनाए गए फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद शहर के कई जन सुविधा केंद्रों से फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी करने का मामला सामने आया है। बच्चों के दाखिले के लिए स्कूलों में प्रमाणपत्र जमा करने पर इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इसके चलते दस से ज्यादा बच्चे दाखिलों से वंचित रह गए। परेशान अभिभावक नगर निगम के जोनल कार्यालय में शिकायत कर प्रमाणपत्र बनवाने के लिए चक्कर काट रहे हैं।

शहरी क्षेत्र में निगम के पांचों जोन में जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाते हैं। देहात क्षेत्र में नगर पालिका और नगर पंचायत से जन्म प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। नियम के अनुसार, जन्म के 21 दिन के अंदर प्रमाणपत्र बन जाना चाहिए, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो निर्धारित समय निकल जाने के बाद जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर रहे हैं। लंबी प्रक्रिया के बाद दस्तावेज तैयार कर जन्म प्रमाणपत्र जारी किया जाता है।

एसडीम और जोनल प्रभारी के आदेश पर वार्ड का सुपरवाइजर रिपोर्ट तैयार कर निगम में जमा करते हैं। इस प्रक्रिया में समय लगता है। यही वजह है कि इससे बचने के लिए लोग जन सुविधा केंद्र

में जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आवेदन कर रहे हैं, जबकि जनसुविधा केंद्र से बनाया गया जन्म प्रमाणपत्र मान्य नहीं होता, क्योंकि जन्म प्रमाणपत्र केंद्र सरकार के पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। जन सुविधा केंद्र पर बनाए गए प्रमाणपत्र का रिकॉर्ड केंद्र सरकार के पोर्टल पर नहीं रहता। इसके बाद भी प्रमाणपत्र बनाए जा रहे है। शहर के कई जनसुविधा केंद्र से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। जिन अभिभावकों को फर्जी प्रमाण पत्र दिए गए उनके बच्चों के स्कूलों में दाखिले नहीं हो पा रहे। परेशान लोग निगम और जोनल अधिकारियों के चक्कर काट

रहे हैं। 10 से ज्यादा लोग फर्जी प्रमाण पत्र जारी होने की शिकायत कर चुके हैं।

जनसुविधा केंद्र से जारी हो रहे फर्जी प्रमाणपत्र की शिकायत कई पार्षदों ने नगर आयुक्त से की थी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्पष्ट किया था कि किसी भी जोन से फर्जी प्रमाणपत्र जारी नहीं किए जा रहे। जिन जन सुविधा केंद्रों पर इस तरह के काम हो रहे हैं, उनकी शिकायत शासन स्तर पर होनी चाहिए। मिसलगढ़ी निवासी कुलदीप ने पिछले दिनों जनसुविधा केंद्र पर अपने बेटे का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आवेदन किया था।

ओवैसी ने कुणाल कामरा का समर्थन किया, कहा- उन्होंने शिंदे का नाम नहीं लिया

हैदराबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में उनकी टिप्पणी से जुड़े कथित विवादों के बीच उन्होंने सवाल किया कि उनकी टिप्पणी को व्यक्तिगत स्तर पर क्यों लिया गया।

ओवैसी ने आगे कहा कि देश में सबसे बड़ा गद्दार वह है जो कानून को चुनिंदा तरीके से लागू करता है. एएनआई से बात करते हुए ओवैसी ने कहा, कुणाल कामरा एक स्टैंडअप कॉमेडियन हैं. वह कोई राजनेता नहीं हैं. उन्हें चुनाव लड़ने को लेकर कोई वास्ता नहीं है. उन्होंने एकनाथ शिंदे का नाम नहीं लिया है, लेकिन एकनाथ शिंदे, उनकी पार्टी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने इसे व्यक्तिगत स्तर पर ले लिया है. आप उन्हें गद्दार कैसे कह सकते हैं?

उन्होंने कहा, इस देश में सबसे बड़ा गद्दार वह है जो कानून के शासन को भूल जाता है. इस देश में सबसे बड़ा गद्दार या गद्दार वह है जो कानून को चुनिंदा तरीके से लागू करता है. ओवैसी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि वह अपने राज्य की उस घटना को क्यों भूल गए, जहां किसी ने कथित रूप से पहले पैगंबर मोहम्मद के बारे में बकवास बातें कही थी. इससे मुख्यमंत्री फडणवीस को ठेस नहीं पहुंची? क्या इस वक्तव्यों से शिंदे के अहंकार को ठेस नहीं पहुंची?

इस बीच, शिवसेना नेता संजय राउत ने विवादास्पद टिप्पणी को लेकर खार पुलिस स्टेशन में कुणाल कामरा के खिलाफ तीन अतिरिक्त मामले दर्ज होने के बाद उनके लिए विशेष सुरक्षा की मांग की है. संजय राउत ने कहा कि जिस तरह भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत को शिवसेना के साथ दरार के बाद सुरक्षा दी गई थी, उसी तरह कामरा को भी प्रदान की जानी चाहिए।संजय राउत मीडिया के समक्ष कहा कि मैं महाराष्ट्र सरकार से कुणाल कामरा को विशेष सुरक्षा प्रदान करने की मांग करता हूं. साथ ही कहा कि कंगना रनौत को उनकी सुरक्षा के लिए विशेष बल प्रदान किया गया था, जब उनका हमारे साथ मतभेद था।

नोएडा का पोर्न कांड; कैमरे पर 400 से ज्यादा लड़कियों के उतरवाए जा चुके थे कपड़े

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में विदेशी पोर्न वेबसाइट के लिए गंदे वीडियो बनवाने वाले एक कपल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है। एक किराये की कोठी में स्टूडियो बनाकर बड़ा रैकेट चलाया जा रहा था। मॉडल्स से न्यूड वीडियोज बनवाकर पति-पत्नी 22 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुके थे। अब तक की जांच में कई सनसनीखेज बातें सामने आई हैं। यह भी पता चला है कि पांच साल से यह गंदा धंधा नोएडा में चल रहा था और सैकड़ों लड़कियों को इसका शिकार बनाया जा चुका है।

नोएडा के सेक्टर-105 के सी ब्लॉक में अश्लील कंटेंट तैयार किया जा रहा था। वीडियोज को साइप्रस समेत कई देशों में भेजकर वहां वेबसाइट पर अपलोड कराया जाता था और बदले में मोटी रकम ली जाती थी। सुबदीगी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी के जरिए सबकुछ चल रहा था जिसके डायरेक्टर उज्जवल किशोर और उसकी पत्नी नीलू श्रीवास्तव हैं। दोनों को ईडी की टीम नोएडा से गिरफ्तार कर दिल्ली ले जा चुकी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दंपती बीते पांच सालों से इस रैकेट का संचालन कर रहा था। सोशल मीडिया के माध्यम से आरोपी दंपती और उसके साथी देश के मॉडलों से संपर्क करते थे। इसके लिए फेसबुक पर एक पेज बनाया गया था। धंधा जब चल निकला तो दंपती ने इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर भी इसका विस्तार किया।

पंजाब सरकार ने बिजली की दरें घटाई, 600 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा पूरा

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब सरकार के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने शनिवार को अमृतसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने बिजली दरों में कमी कर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। हरभजन सिंह ईटीओ ने बताया कि नई टैरिफ दरें 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगी, जिसमें बिजली की दरों को कम किया गया है। इसके साथ ही एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं बढ़ाया गया है।

मंत्री ने कहा, पंजाब सरकार लंबे समय से लोगों के हित में फैसले ले रही है ताकि बिजली उपभोक्ताओं को कोई परेशानी न हो। पिछले तीन वर्षों से राज्य के लोगों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है, जो आम आदमी पार्टी सरकार का जनता से किया गया वादा था और इसे पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिजली की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने गोइंदवाल में एक बड़ा थर्मल पावर प्लांट भी खरीदा है। हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि 2025-26 के लिए नई टैरिफ दरों में वाणिज्यिक कनेक्शनों की दरें कम की गई हैं और उद्योगपतियों को 10 रुपये प्रति किलोवाट की कटौती का लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा, बिजली विभाग को 311.5 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जिसके चलते हमने टैरिफ दरों में कमी की है।

किसानों की मौज ! हरनंदीपुरम योजना के लिए 4 गुना कीमत पर जमीन खरीदेगा जीडीए

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में नई टाउनशिप हरनंदीपुरम योजना जल्द परवान चढ़ेगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई बैठक में पांच गांवों की जमीन खरीदने के लिए कीमत तय कर ली गई। इन गांवों की कुल 336.8444 हेक्टेयर जमीन वहां के सर्किल रेट से चार गुना अधिक कीमत पर खरीदी जाएगी। नगला फिरोज मोहनपुर गांव की सबसे अधिक 192.6514 हेक्टेयर जमीन 7,200 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से लेंगे।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत हरनंदीपुरम योजना के लिए पांच गांव की जमीन खरीदने पर चर्चा की गई। इसमें तय किया गया कि वर्तमान में जो सर्किल रेट है, उससे चार गुना ज्यादा दर पर जमीन खरीदी जाए। बैठक में बीते साल 18 सितंबर 2024 को जनपद के सर्किल रेट का जो पुनरीक्षण हुआ था, उसे देखा गया।

इसमें नगला फिरोज मोहनपुर का सर्किल रेट सबसे अधिक 1,800 रुपये प्रति वर्ग मीटर मिला। वहीं, चंपत नगर का सर्किल रेट सबसे कम 1,010 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। मथुरापुर गांव का सर्किल रेट 1020 रुपये, भनेड़ा खुर्द गांव का 1,060 रुपये और शमशेरा गांव का 1,690 रुपये प्रति वर्ग मीटर है। भूमि खरीद की दर निर्धारित होने के बाद प्राधिकरण द्वारा कार्यवाही की जाएगी। प्राधिकरण आपसी सहमति से बैनामा करा भूमि लेगा। यदि समयसीमा में भूमि नहीं मिल पाती है, तो अधिग्रहण की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, जीडीए सचिव

राजेश सिंह, एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, जीडीए ओएसडी गुंजा सिंह, एसडीएम सदर अरुण दीक्षित, एसडीएम लोनी राजेन्द्र आदि मौजूद रहे।

दिल्ली-एनसीआर को लाभ होगा = इस योजना से गाजियाबाद समेत दिल्ली-एनसीआर के लोगों को सुलभ और आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जाने वाले भूखंडों में बेहतर बुनियादी ढांचे (सड़क, जल आपूर्ति, सीवरेज, पार्क, कम्युनिटी सेंटर आदि) की सुविधा मिलेगी। अधिकारी बताते हैं कि प्राधिकरण आगामी वित्तीय वर्ष में जमीन खरीदने पर 1200 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसमें 400 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत शासन ने प्राधिकरण को भेजे हैं, जबकि 800 करोड़ रुपये जीडीए खर्च करेगा। इस रकम से जमीन खरीदी जाएगी। इसके बाद 2026-27 वित्तीय वर्ष में फिर शासन स्तर पर फंड मिलेगा। परियोजना को दो चरणों में पूरा करने की कवायद= नई टाउनशिप के पहले चरण में पांच गांव शामिल हैं। इनमें मथुरापुर, शमशेर, चम्पतनगर, भनेड़ाखुर्द, नंगला फिरोज मोहनपुर गांव हैं। दूसरे चरण तीन गांव शामिल होंगे, जिसमें इसमें भोवापुर गांव की करीब 53 हेक्टेयर, शाहपुर निज मोरटा की करीब 66 हेक्टेयर और मोरटा गांव की करीब पांच हेक्टेयर जमीन चिन्हित है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

दादा और पिता के बाद बेटी 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनीं

एक परिवार की 3 पीढ़ियां बॉक्सिंग चैंपियन

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा के जिला भिवानी में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने बॉक्सिंग को इंटरनेशनल चैंपियन दिए हैं। भिवानी में बॉक्सिंग की शुरुआत करने वाले व बॉक्सिंग के लिए भिवानी को प्रसिद्ध करने वाले कैप्टन हवा सिंह की पोती 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनी हैं। नुपुर ने 21 से 27 मार्च तक नोएडा में हुई चैंपियनशिप में 81 प्लस कैटेगरी में मुकाबला खेला था।

बता दें कि कैप्टन हवा सिंह ने 1966 व 1970 में दो बार एशियन खेलों में गोल्ड मेडल जीते थे। साल 1961 से 1972 तक उन्होंने लगातार 11 बार हैवीवेट वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ने के बाद कई बॉक्सर तैयार किए। वहीं कैप्टन हवासिंह को अर्जुन अवॉर्ड व द्रोणाचार्य अवॉर्ड भी मिले हैं। कैप्टन हवासिंह के बेटे संजय श्योराण भी इंटरनेशनल चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने एशियन खेलों में मेडल जीता था। सरकार ने उन्हें भीम अवॉर्ड से सम्मानित भी किया है।

फिलहाल वे गुरु द्रोणाचार्य कैप्टन हवा सिंह बॉक्सिंग अकादमी में कोचिंग दे रहे हैं। वहीं संजय श्योराण की पत्नी मुकेश रानी भी बास्केटबॉल की खिलाड़ी रही हैं और एशियाई चैंपियनशिप में पदक विजेता हैं। संजय श्योराण के 2 बच्चे हैं। जिनमें बड़ी बेटी नूपुर श्योराण बॉक्सिंग के साथ-साथ पढ़ाई कर रही हैं। वह अब यूपीएससीकी भी तैयारी कर रही हैं। पहले वह वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में भी खेलीं, लेकिन 5वें नंबर पर रहीं।

खेलों इंडिया: अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान किया

मन की बात में दिव्यांग खिलाड़ियों को PM मोदी का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। साथ ही खेलो इंडिया पैरा गेम्स के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पीएम ने सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी बातें भी कीं। उन्होंने हाल ही में हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, कुछ ही दिन पहले संपन्न हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में एक बार फिर खिलाड़ियों ने अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया। इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ियों ने इन खेलों में हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स कितना चर्चित हो रहा है।

पीएम मोदी ने इन राज्यों को दी बधाई

पीएम मोदी ने कहा, मैं खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इन खेलों के दौरान हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए। जिनमें से 12 तो हमारी महिला खिलाड़ियों के नाम रहे।

पीएम मोदी ने फिटनेस पर भी की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। उन्होंने दिल्ली में हुए एक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा, दिल्ली में एक भव्य आयोजन ने लोगों को बहुत प्रेरणा दी है, जोश से भर दिया है। एक इनोवेटिव आइडिया के रूप में पहली बार फिट इंडिया कार्निवाल का आयोजन किया गया। इसमें अलग अलग क्षेत्रों के करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इन सभी का एक ही लक्ष्य था- फिट रहना और फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाना।

स्वदेशी खेलों को भी मिल रहा बढ़ावा

पीएम मोदी ने कहा, हमारे स्वदेशी खेल अब लोकप्रिय संस्कृति के रूप में घुल मिल रहे हैं। मशहूर रैपर हनुमानकाइंड को तो आप सभी जानते ही होंगे। आजकल उनका नया गाना रन इट अप, काफी चर्चा में है। इसमें कलारिपयट्टू, गतका और थांग-ता जैसी हमारी पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को शामिल किया गया है।

डब्ल्यूटीटी के अंतिम-16 मैच में हार के साथ शरत कमल ने पेशेवर टीटी करियर को कहा अलविदा, हुए भावुक

चेन्नई, एजेंसी। शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर शनिवार को डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में हमवतन स्नेहित सुरवज्जुला से हारने के साथ खत्म हो गया। शरत के खिलाफ वाइल्ड कार्ड धारक स्नेहित ने लगातार तीन गेम में 11-9, 11-8, 11-9 से जीत दर्ज की।

शरत कमल ने क्या कहा?

शरत ने बाद में मिस्र के उमर अस्सार के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच खेला जिसमें दर्शकों को उनके असाधारण कौशल की एक और झलक देखने को मिली। शरत ने अपने विदाई संबोधन में कहा, कहीं ना कहीं मुझे लगा कि यह काफी है और मैं कोर्ट के दूसरी तरफ से खेल को कुछ वापस देने की संभावना तलाशना चाहता था। 42 वर्षीय शरत ने कहा कि वह प्रशासनिक भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर अपना काम कर दिया है, मुझे लगता है कि मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर देश के लिए काफी योगदान दिया है और मैं एक प्रशासक, या एक कोच, एक मेंटर या फिर एक वरिष्ठ खिलाड़ी के तौर पर भी योगदान देना चाहता हूं।

शरत कमल ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस के पुरुष एकल में 16 साल बाद स्वर्ण जीता था। इससे पहले उन्होंने 2006 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सातवां स्वर्ण पदक रहा था।

बर्मिंघम में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में पुरुष एकल और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में पुरुष युगल में स्वर्ण और 2018 में पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं।

शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। जसपाल के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में 15 पदक (9 स्वर्ण) और समरेश के नाम 14 पदक (7 स्वर्ण) हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के अलावा शरत एशियन गेम्स में दो पदक जीत चुके हैं। 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में मेन्स टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में शरत कमल ने कांस्य जीता था। इसके अलावा वह एशियन चैंपियनशिप्स में दो कांस्य भी जीत चुके हैं। 2021 दोहा एशियन चैंपियनशिप्स में कांस्य जीता था।

गिल के फैसले ने सभी को चौंकाया

आईपीएल में राशिद खान के साथ पहली बार किसी कप्तान ने किया ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस ने जीत का खाता खोल लिया है. 29 मार्च को मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 36 रनों से बाजी मारी. ये मैच गुजरात के गेंदबाजों के नाम रहा, जिन्होंने काफी किफायती गेंदबाजी की और टारगेट को डिफेंड किया. हालांकि, इस मुकाबले के दौरान गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. उन्होंने अपने सबसे अहम गेंदबाज राशिद खान का इस मैच में काफी कम इस्तेमाल किया. राशिद खान टी20 के काफी सफल विकेट टेकिंग गेंदबाज हैं. उनके 4 ओवर सामने वाली टीम के लिए किसी आफत से कम नहीं होते हैं. लेकिन इस मुकाबले में एक अलग ही नजारा देखने को मिला. दरअसल, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कुल 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया. जिसमें राशिद खान का नाम भी शामिल था. मगर, उन्हें 20 ओवर के मैच में सिर्फ 2 ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला. इस दौरान राशिद खान ने 5 की इकॉनमी से 10 रन खर्च किए और कोई भी विकेट हासिल नहीं किया.

राशिद खान का आईपीएल करियर

राशिद खान ने साल 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद से साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और 2022 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा बने थे. इस दौरान वह कुल 123 मैच खेल चुके हैं. इस मैचों में उन्होंने 6.86 की इकॉनमी से 150 विकेट लिए हैं. वहीं, बतौर बल्लेबाज उन्होंने 551 रन भी बनाए हैं, जिसमें कुछ मैच विनिंग पारियां भी हैं. इसके अलावा वह अपने करियर में अभी तक 464 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 635 विकेट लिए हैं.

बता दें, राशिद खान साल 2017 से आईपीएल में खेल रहे हैं. इस दौरान वह कई खिलाड़ियों की कप्तानी में खेल चुके हैं. लेकिन उनके आईपीएल करियर में ये पहला मौका था जब किसी पारी में पूरे 20 ओवर फेंके गए हों और उन्हें 4 ओवर गेंदबाजी करना का मौका नहीं मिला. इससे पहले उन्होंने हर बार अपने कोटे के 4 ओवर फेंके थे. हालांकि, गिल का ये फैसला टीम के काम आया और वह इस मैच को अपने नाम करने में कामयाब रहे.

हार्दिक पांड्या को लगा झटका, एक गलती से 12 लाख रुपए की चपत लगी

अहमदाबाद, एजेंसी। मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियन्स को शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टाइटंस के खिलाफ 36 रन से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल ने रविवार को एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के नौवें मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित नियम 2.2 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अहमदाबाद की काली मिट्टी वाली पिच पर 196 रन बनाए। मुंबई इंडियन्स को लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करना पड़ा और अंततः टीम छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। गुजरात ने मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुंबई इंडियन्स की लगातार दूसरी हार थी और टीम ने अभी अंकों का खाता नहीं खोला है।

मोहम्मद सिराज ने रोहित शर्मा को बोल्ड किया तो खड़ा हो गया नया विवाद!

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते शनिवार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का मैच खेला गया. गुजरात ने अपने होम ग्राउंड पर एमआईको 36 रनों से हरा दिया है. मगर गुजरात की इस जीत से ज्यादा रोहित शर्मा का एक पुराना बयान चर्चा में है. दरअसल कप्तान रोहित समेत भारतीय टीम मैनेजमेंट का कहना था कि सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते. इस कारण सिराज को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के स्क्वाड से बाहर रखा गया था. मगर आईपीएल 2025 के मैच में जब सिराज ने रोहित शर्मा को क्लीन बोल्ड किया तो सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है.

रोहित शर्मा क्लीन बोल्ड

मुंबई इंडियंस को 197 रनों का लक्ष्य मिला था. जवाब में मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ओपनिंग करने आए थे. गुजरात के लिए गेंदबाजी की शुरुआत मोहम्मद सिराज ने की थी. रोहित ने उनके ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार 2 चौके लगाए. मगर चौथी गेंद पर हिटमैन चकमा खा गए और क्लीन बोल्ड हो गए. बता दें कि इससे पहले आईपीएल 2025 के अपने शुरुआती मैच में रोहित चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शून्य के स्कोर पट आउट हो गए थे.

छिड़ गई तीखी बहस, हुआ विवाद

चूंकि रोहित शर्मा ने कहा था कि मोहम्मद सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी नहीं हैं. अब उसी गेंदबाज ने रोहित को चारों खाने चित्त करके क्लीन बोल्ड किया है. इस विषय पर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. कुछ लोगों का कहना है कि सिराज ने यह विकेट लेकर अपना बदला पूरा किया है. वहीं एक व्यक्ति ने रोहित पर तंज कसते हुए कहा कि रोहित नई गेंद के खिलाफ ज्यादा प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं. आपको याद दिला दें कि आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करने से पूर्व एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहम्मद सिराज से रोहित शर्मा के बयान के संदर्भ में सवाल पूछा गया था.

गुलवीर सिंह ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, 10 हजार मीटर दौड़ में हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी ।बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के टूर्नामेंट द टेन प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 14.88 सेकेंड का था जिसे उन्होंने पिछले साल नवंबर में जापान के हाचियोजी में बनाया था।

बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने जापान में इसे बेहतर करने से पहले मार्च में कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में 27 मिनट 41.81 सेकेंड का समय लिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर 10 हजार मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। वह शनिवार को अमेरिका में द टेन प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश के रहने वाले गुलवीर ने पिछले साल 13 मिनट 11.82 सेकेंड के साथ 5000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

युवा ही जद(यू) के रीढ़ हैं : अजिताभ

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिला जनता दल (यू) के जिला मुख्य प्रवक्ता अजिताभ कुमार उर्फ रिंकू सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बारूण प्रखंड के परसा गांव निवासी मुकेश कुमार पटेल को जनता दल (यू) के युवा प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत किया गया है। इस मनोनयन की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल ने की। अजिताभ कुमार ने कहा कि मुकेश कुमार पटेल छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे हैं और कई आंदोलनों का नेतृत्व किया है। खासतौर पर उन्होंने किसानों और नौजवानों के हक व अधिकारों के लिए एनपीजीसी में लगातार संघर्ष किया। उनके अथक प्रयासों से खैरा गांव को एनपीजीसी द्वारा विस्थापित का दर्जा प्राप्त हुआ। मुकेश कुमार पटेल सामाजिक व राजनीतिक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम चलाते रहते हैं। उनके मनोनयन से जिले के जद(यू) नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। जिला जद(यू) अध्यक्ष अशोक कुमार संह, वीरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व विधायक दीपक सिंह पटेल, धर्मेंद्र सिंह पटेल, उपेंद्र यादव, कमला सिंह, सुरेंद्र सिंह समेत कई नेताओं ने इस निर्णय का स्वागत किया है।

मधुमेह के उपचार तथा नियंत्रण पर राज्यस्तरीय सम्मेलन सम्पन्न

मधुमेह नियंत्रण के लिए संतुलित आहार और अनुशासित जीवनशैली आवश्यक : डॉ. सुप्रियो

- सम्मेलन में उभर कर आए तथ्यों से डायबिटीज पर नियंत्रण में मिलेगा सहयोग : डॉ बीके सिंह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

रिसर्च सोसायटी फॉर द स्टडीज ऑफ़ डायबिटीज इन इंडिया के बिहार चैप्टर का राज्यस्तरीय दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन रविवार को औरंगाबाद के एमएलएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के ऑडिटोरियम में संपन्न हो गया। इस सेमिनार में बिहार और देशभर के करीब 300 से अधिक डायबिटीज विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के समापन समारोह में संस्था की ओर से विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बिहार चैप्टर के अध्यक्ष डॉ सुप्रियो मुखर्जी ने कहा है कि डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए चिकित्सकों, समाजसेवियों और सरकार को विशेष रूप से प्रयास करना होगा। डॉ मुखर्जी ने आरएसएसडीआई के बिहार चैप्टर के राज्य स्तरीय सम्मेलन के समापन समारोह में कहा कि संयमित खान – पान और नियमित जीवन शैली को अपना कर डायबिटीज पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। इसके लिए डॉक्टरों की निगरानी में मरीज को स्वयं की जीवन शैली पर विशेष रूप से ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज को नियंत्रित करने और इसके उपचार के लिए चिकित्सा क्षेत्र में भी शोध को बढ़ाने की जरूरत है तथा इससे कैसे मुक्ति पाई जा सकती है, इस पर भी चिकित्सकों को विशेष अनुसंधान प्रयोग करने की आवश्यकता है। राज्य और केंद्र सरकारों को भी डायबिटीज पर शोध को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करने की जरूरत है।

इस अवसर पर आयोजन सचिव एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ बी के सिंह ने कहा कि इस दिशा में चिकित्सकों की प्रतिष्ठित संस्था आरएसएसडीआई को भी बढ़ – चढ़ कर कार्य करना चाहिए और इस पर नियंत्रण तथा बचाव के लिए जागरूकता अभियान को तेज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन से कई महत्वपूर्ण तथ्य और निष्कर्ष निकलकर सामने आए हैं जो आने वाले दिनों में डायबिटीज पर नियंत्रण में सहायक सिद्ध होंगे। निर्वाचित अध्यक्ष डॉ शैवाल गुप्ता ने कहा कि यह बिहार के लिये गर्व की बात है, कि डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारी की जागरूकता एवं उसके तकनीकी, चिकित्सकीय पक्ष पर मंथन करने के लिये राज्यस्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। उपाध्यक्ष डॉ सुभाष कुमार ने कहा कि इस सेमिनार में डॉक्टरों के विचार विमर्श एवं सुझावों से जो तथ्य सामने आए हैं वह निश्चित ही जनस्वास्थ्य के लिए लाभदायक होंगे। सचिव डॉ विजय कुमार ने डायबिटीज की रोकथाम, दवा और इंसुलिन की मात्रा घटाने के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि डायबिटीज वालों के खून में शुगर ज्यादा होती है जिससे कीटाणु बढ़ जाते हैं। इससे शरीर का सुरक्षा तंत्र कमजोर हो जाता है और वह अन्य रोगों से लड़ने की क्षमता घटा देता है। डायबिटीज के उपचार में भोजन और जीवन शैली में तालमेल बढ़ाने की जरूरत हैं। गौरतलब है कि कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में आरएसएसडीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनुज माहेश्वरी, डॉ ए एन रॉय, डॉ एस. बी. प्रसाद, डॉ. रवि रंजन, डॉ. शोभा रानी, डॉ ओमप्रकाश, डॉ अजय कुमार, डॉ सुप्रियो मुखर्जी, डॉ विजय कुमार, डॉ आनंद शंकर, डॉ मनीष प्रसाद, डॉ. वैभव श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

औरंगाबाद की शालू कुमारी बनी जिले की टॉपर, बिहार में पाया आठवां स्थान

- शालू की सफलता ग्रामीण छात्रों के लिए प्रेरणा
- शालू कुमारी कुटुम्बा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय, दधपा की छात्रा हैं।
- सभी ने शालू के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

10 वीं बोर्ड के परीक्षा में पूरे बिहार राज्य में 8वां स्थान और औरंगाबाद जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली शालू कुमारी के घर पर जाकर प्रखंड प्रमुख कुटुम्बा धर्मेंद्र कुमार जी ने सम्मानित किया और शालू के साथ ही उनके पिता कुंदन चंद्रवंशी जी एवं अन्य परिजन के साथ ही पूरे ग्राम वासियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि सुदूर ग्रामीण इलाके के बच्चों मे प्रतिभा की कमी नहीं है इस बात को आज शालू ने साबित कर दिया है। क्योंकि शालू इसी गांव में स्थित कुटुम्बा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दधपा की छात्रा है जो घर पर रहकर सेल्फ स्टडी कर के सफलता प्राप्त की है जो कि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा श्रोत हैं। इससे यही साबित होता है कि प्रतिभावान बच्चे का प्रतिभा को निखरने में पैसा और संसाधन भी आड़े नहीं आता है। आगे उन्होंने कहा कि आज हमारे प्रखंड के सारे सरकारी विद्यालय में मूलभूत सुविधा का प्रावधान हो गया है साथ ही यहां शिक्षा के स्तर भी सुधरा है। इसलिए छात्रों लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने की आवश्यकता है। एकदिन सफलता जरूर मिलेगा। आप देख सकते हैं कि जिला मे सैकड़ों प्राइवेट संस्था बेहतर सुविधा के साथ संचालन हो रहा है फिर भी औरंगाबाद जिले में किसान और मजदूर के सरकारी स्कूल में पढ़ने बच्चा ही टॉप किए। ये हम सभी के लिए काफी खुशी और गर्व की बात है। इस मौके पर दधपा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि गौरव कुमार पासवान, शिक्षक श्रीकांत चंद्रवंशी, शिक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह, भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष करण पासवान, समाजसेवी उपेंद्र सिंह चंद्रवंशी समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किए।

सत्यचंडी धाम महोत्सव का उद्घाटन आज, तैयारियां पूर्ण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय औरंगाबाद से 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम के प्रांगण में सत्यचंडी धाम महोत्सव की शुरुआत आज भक्तिमय वातावरण में शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम स्थल का अवलोकन करते हुए सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि आज सोमवार की सुबह योग्य आचार्यों के सान्निध्य में वेद मंत्रोंच्चार के साथ षोडशोपचार विधि से माता सत्यचंडी एवं अन्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना की जाएगी। तत्पश्चात प्रांतीय स्तर के अधिकारियों द्वारा महोत्सव का उद्घाटन किया जाएगा।

ईद मुबारक! ईद मुबारक!
शुद्धता का प्रतीक, शुद्ध आहार आटा
श्री शाश्वत राज एग्रो प्रा. लि.
ग्रोथ सेंटर : जसोईया, औरंगाबाद
5 किलो, 10 किलो एवं 25 किलो के पैक में उपलब्ध
शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार।
शुद्ध आहार, खुशियां अपार
विशेषताएं
क्वालिटी : पुष्ट एवं उच्च क्वालिटी के गेहूं द्वारा निर्मित शुद्ध आहार। किसान की आमदनी बढ़ाया।
अत्याधुनिक मशीन : न्यूमेटिक सिस्टम (हवा पद्धति) द्वारा आटा की तैयारी शुद्ध आहार नयी प्रौद्योगिक लाया।
धुला हुआ गेंहू : गेहूं को साफ पानी से साफ कर आठ घंटे स्टे दिया जाता है ताकि रोटी ठंडा होने के बाद भी मुलायम रहे।
10 लाख से अधिक संतुष्ट उपभोक्ता

ईद मुबारक! ईद मुबारक!
आयुष राईस मिल प्रा. लि.
ग्रोथ सेन्टर, जसोईया, औरंगाबाद
उत्तम किस्म के चावल निर्माता एवं विक्रेता
किसानों के लिए विशेष सुविधा
प्रो. प्रतीक जी

ईद मुबारक! ईद मुबारक!
मो. आरिफ अहमद
कार्यपालक अभियंता
उतर कोयल नगर प्रमंडल, औरंगाबाद